पंजीयन क्रमांक /2001/8508 दिनांक 29/04/2002 पोस्टल पंजीयन क्र. 636

माहेश्वरी महिला

महेश जयंती की बधाई

• वर्ष 24 • अंक 3
• मई 2025 • मूल्य बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

पारिवारिक रिश्तों को बनाये सुदृढ़ व खुशहाल

रिलेशनशिप सेमीनार

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

अध्यक्ष
मनीषा मूंदड़ा

राष्ट्रीय कार्यकारिणी
उर्मिला तापड़िया

सचिव
रीता बाहेती

आंचलिक प्रभारी, उपाध्यक्ष
रीना राठी

निवर्तमान अध्यक्ष
रामेश्वरी भूतड़ा

कोषाध्यक्ष
सपना बजाज

संगठन मंत्री
सुशीला बजाज

उपाध्यक्ष
प्रेमलता मालपाणी

उपाध्यक्ष
सरला राठी

संयुक्त मंत्री
सुनीता डागा

संयुक्त मंत्री
मीना साबू

संयुक्त मंत्री
स्वाति मांधना

माहेश्वरी महिला

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी [illegible]

॥ प्रकाशक ॥

माहेश्वरी महिला समिति

[illegible] इन्दौर

[illegible]

अध्यक्ष
श्रीमती [illegible]

उपाध्यक्ष
श्रीमती [illegible]

सचिव
श्रीमती आशा माहेश्वरी

संयुक्त सचिव
श्रीमती [illegible] माहेश्वरी

सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा
इन्दौर
श्रीमती [illegible]
इन्दौर
श्रीमती [illegible]
मुम्बई
श्रीमती [illegible]
मुम्बई
डॉ. श्रीमती [illegible] माहेश्वरी
अकोला

[illegible]
संरक्षक-डॉ. आशा माहेश्वरी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. [illegible]

[illegible]

संपादकीय

समस्त बहनों,

महेश नवमी पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं,

सबमें समाज प्रेम व राष्ट्र प्रेम की भावना जगाये।

महेश नवमी पर्व सामूहिक शुभ संकल्पों एवं चिंतन का पर्व है। हम अपने आराध्य देव महादेव से प्रार्थना करें, वह हमें इतनी शक्ति दे कि हम संकल्पों को पूर्ण कर सकें और समाज हित व राष्ट्र के विकास के कार्यों में सहभागी बन सकें। समाज में हम सेवा, सहयोग, स्नेह, सौहार्द, सामन्जस्य, सद्भाव, सामंजस्य व सहभागिता की भावना से एकजुट होकर कार्य करेंगे, तभी सामाजिक सफलता मिल पाएगी और जब हर सदस्य के मन में समाज के प्रति आस्था का भाव जाग्रत कर कायम रख सकें, वही सार्थकता होगी। सामाजिक संगठन का उद्देश्य समाज की संस्कारों की व संस्कृति की नींव को मजबूत करना व अक्षुण्ण बनाये रखना है, इसके लिये हर सदस्य, हर परिवार को सशक्त बनाना है, स्वस्थ बनाना है, शिक्षित बनाना है एवं आत्मनिर्भर व आत्मविश्वासी बनाना है। पारिवारिक रिश्तों की महत्ता को जाग्रत कर दर्शाना एवं संबंधों को सुदृढ़ व मधुर बनाये रखना भी जरूरी है। ऐसा करने से हम न केवल सुरक्षित महसूस करेंगे, बल्कि अपनी शक्ति व ऊर्जा को अच्छे कार्यों के लिये व विकास के लिये समर्पित कर पाएंगे। बदलती परिस्थितियों व जीवन मूल्यों के कारण आडंबर, दिखावा व प्रतिस्पर्धा का दंश समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रहा है। इनके प्रति भी चिंतन करके कुरीतियों को कम करना है, तभी जीवन में सुख शांति मिल सकती है। अतः इस पावन पर्व पर हम संकल्प लें :-

''समाजहित में निष्ठापूर्वक समता के भाव के साथ सबको साथ लेकर सर्वांगीण विकास के लिये समर्पण भाव से सार्थक प्रयास करेंगे।''

जय महेश

सुशीला काबरा

संपादक, माहेश्वरी महिला पत्रिका

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
(... 2022-25)

❀ राष्ट्रीय अध्यक्ष ❀
श्री. मंजु बांगड़, जालना

❀ राष्ट्रीय महामंत्री ❀
श्री. ज्योति राठी, रायपुर

❀ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ❀
श्री. किरण डागा, दिल्ली

❀ राष्ट्रीय संगठन मंत्री ❀
श्री. ममता मोदानी, भीलवाड़ा

❀ पू. निवर्तमान अध्यक्ष ❀
श्री. आशा माहेश्वरी, कोटा

❀ आंचलिक उपाध्यक्ष ❀
श्री. मधु बाहेती, नई दिल्ली
उत्तरांचल
श्री. अनुसूया मालू, सोलापुर
दक्षिणांचल
श्री. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
श्री. गिरिजा सारडा, सिलीगुड़ी
पूर्वांचल
श्री. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल

❀ आंचलिक संयुक्त मंत्री ❀
श्री. शैलू दुजारी, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारडा, हैदराबाद
दक्षिणांचल
श्री. अनिता जाजोदिया, ...
मध्यांचल
श्री. किरण लढ्ढा, कोलकाता
पूर्वांचल
श्री. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल

❀ कार्यालय मंत्री ❀
श्री. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

हमारे उत्पत्ति दिवस महेश नवमी की बधाई

ऑपरेशन सिंदूर धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए आध्यात्मिक संघर्ष के रूप में प्रतिकार

प्रिय बहनों,

जय उमा महेश। जय भारत।

कल उगते सूरज में डूबता आतंकवाद देखा
ऑपरेशन सिंदूर से डरता पाकिस्तान देखा
सिंदूर की रक्षा करता सेना का जवान देखा
एक बार फिर हमने हमारा भारत महान देखा।

आतंक के खिलाफ, अधर्म के खिलाफ, हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में **ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर समस्त देशवासियों को बधाई।**

हमारी भारतीय हिंदू परंपरा में सिंदूर केवल वैवाहिक प्रतीक नहीं बल्कि शक्ति-दिव्य स्त्री ऊर्जा का प्रतीक है। इसका अपमान सृष्टि के संतुलन पर प्रहार है। इस दृष्टि से ऑपरेशन सिंदूर धर्म और सम्मान की रक्षा के लिए आध्यात्मिक संघर्ष के रूप में प्रतिकार है जो मां दुर्गा की राक्षसों का संहार करने की छवि से प्रेरित है। यह केवल युद्ध नहीं,आतंक के विरुद्ध न्याय रहा। यह ऑपरेशन सिर्फ प्रतिशोध नहीं ,बल्कि धर्म-सम्मान और मानवता की विजय का आह्वान बना । गर्व के इन क्षणों में भारत सरकार द्वारा निर्देशित राष्ट्र धर्म की प्रतिबद्धता के साथ हम देश की सेना को सलाम करते हैं। मां भारती को प्रणाम करते हैं। पहलगाम में आतंकी घटना में मारे गए निर्दोष हिंदू नागरिकों के प्रति भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की सुरक्षा हेतु भगवान उमा महेश से प्रार्थना करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर सशक्त राष्ट्रवाद की भावना के साथ-साथ नारी शक्ति की भूमिका को भी दर्शा रहा है।

रणचंडी की अतुल ज्वाला
मां दुर्गा का उन्मुक्त हास

उक्त पंक्तियों को चरितार्थ करते हुए भारतीय इतिहास में पहली बार दो महिला अधिकारियों-भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एक प्रमुख सैन्य अभियान पर आधिकारिक प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व किया। उनके संयमित और दृढ़ बयानों ने न केवल आतंकवाद का जवाब देने के भारत के संकल्प को दर्शाया, बल्कि सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती ताकत को भी दर्शाया। उनकी

उपस्थिति राष्ट्र के समर्थन तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में महिलाओं के महत्व के बारे में एक शक्तिशाली संदेश है जो इस बात पर भी प्रकाश डालता है भारत की महिलाएं अब किसी से कम नहीं। जल –थल– नभ तीनों सेना में अपने शौर्य का परिचय देते हुए अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है। अब उच्चतम स्तर पर भी सुरक्षा रणनीति और संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह वर्तमान का यथार्थ भी है और बदलते भारत की नई तस्वीर भी जिसके लिए भारत की समस्त नारी शक्ति का, कोटि–कोटि वंदन व अभिनंदन।

आगामी 4 जून 2025 ज्येष्ठ शुक्ल नवमी को हमारा उत्पत्ति दिवस महेश नवमी है। हम भगवान उमा महेश की संतान हैं अतः शिव की तरह विपरीत परिस्थितियों में भी हमें सामंजस्य बनाए रखना है। सेवा त्याग सदाचार की भावना से इस पावन पर्व को संकल्प पर्व के रूप में मनाना है जिसके लिए बदलते परिवेश में बदलती समस्याओं व परिवर्तित विचारधारा के साथ सामंजस्य स्थापित करना होगा। सोच में परिवर्तन लाना होगा। समाज व राष्ट्रहित के कार्यों द्वारा हमारी सुप्त संस्कृति को जगा कर लुप्त होते संस्कारों को बचाना होगा एवं भावी पीढ़ी को विरासत में संस्कार देना होगा। समाज की घटती जनसंख्या, दांपत्य विच्छेद, वृद्धावस्था का अकेलापन, संवाद हीनता, पारिवारिक तनाव , राष्ट्रभाव का अभाव, आदि अनेक ऐसे विषय हैं जिन पर चिंतन मनन के लिए स्थानीय स्तर पर टॉक शो, चर्चा– परिचर्चा ,निबंध, भाषण, स्लोगन पोस्टर आदि प्रतियोगिता करवाए जिससे समाज में कुछ परिवर्तन आए।

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत हमें अपने गरिमापूर्ण रूप में इसका आयोजन जैसे सामूहिक पूजन, शोभायात्रा, सम्मान समारोह, आध्यात्मिक आयोजन तो करना ही है ,साथ ही राष्ट्रीय तथा सामाजिक विषयों पर चिंतन मनन को अवश्य प्राथमिकता दें। इसी बात को दृष्टिगत करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी महेश नवमी के उपलक्ष में 27 मई से 1 जून तक संस्कार सिद्धा समिति द्वारा रेनबो पार्ट–3, मन के रंग अभिप्रेरणा के संग का जूम पर आयोजन है जिसमें उक्त विषयों पर **श्री रमेश जी मरदा , श्री पुष्पेंद्र जी कुलश्रेष्ठ, श्री संजय जी मालपानी, श्री गोविंद जी माहेश्वरी,श्रीमती अनुराधा जी जाजू, डा सुरुचि मोहता,श्रीमती मनीषा जी धनपालिया** आदि सुप्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर्स की व्याख्यान माला होगी। सभी संगठन इसका प्रचार प्रसार करते हुए ज्यादा से ज्यादा संख्या में लाभान्वित हो। पुनः इसी समिति के माध्यम से किशोरियों को स्व सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण देने के लिए **आत्मरक्षा राष्ट्रीय महा अभियान** का भी कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर लिया जा रहा है। इसके माध्यम से हमारी किशोरियों को शारीरिक सुरक्षा, आत्मरक्षा, आत्मविश्वास और मानसिक रूप से प्रत्येक परिस्थिति में संयमित रहने का गुर सिखाया जाएगा। आइए सामयिक संदर्भ में शौर्य एवं न्याय को आहूत करते हुए सामाजिक उत्थान के लिए कृत संकल्प हों। रूट लेवल तक की बहनों को जोड़कर योजनाओं को विस्तार दें। अपनी परंपरा और संस्कृति को जीवित रखते हुए टेक्नोलॉजी में प्रवीण हो आधुनिकता का निर्माण करें। रिश्तों में मधुरता लाए। परोपकार और नवाचार का वाहक बनें। आत्मविश्वासी बनें, सत्कर्म करें। हम अपने समाज और संगठन तथा राष्ट्र को सशक्त बनाएं। निरंतर संगठित शक्ति से आगे बढ़ने के शुभ संकल्प के साथ आप सभी को महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। धन्यवाद। जय श्री राम।

–सौ. मंजु बांगड़

राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

जिंदगी को खुश रहकर जियो, क्योंकि रोज शाम सिर्फ सूरज ही नहीं ढलता आपकी अनमोल जिंदगी भी ढलती है।

जरूरी नहीं कि मिठाई खिलाकर ही दूसरों का मुंह मीठा करें, आप मीठा बोलकर भी लोगों को खुशियां दे सकते हैं।

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

महेश नवमी पर विशेष

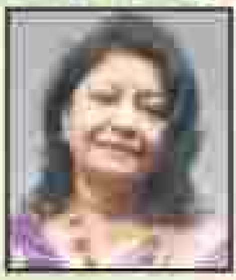

समयानुसार आने वाले समय की मांग पर मनन चिंतन करें

सभी पाठक बहनों को महेश नवमी की शुभकामनाएं।

महेश नवमी हमारा उत्पत्ति दिवस, हमारी प्रगति का अहसास कराता हुआ हमारा जातीय पर्व, हमारा गौरव, हमारी पहचान। पहचान जिसे बनाने में सदियों की मेहनत होती है, जिसे हम अपने पूर्वजों के कठिन परिश्रम और उत्कृष्ट कार्यों के परिणाम स्वरूप विरासत में हासिल कर पाते हैं।

विरासत में मिली जायदाद मात्र अधिकार ही नहीं देती, कर्तव्य भी चाहती है, और जवाब देही भी।

इसी श्रेष्ठ परम्परा निर्वाह के चलते हम महेश नवमी को 'मिलन दिवस' के रूप में मनाते हैं। बहुत जरूरी है कि उत्पत्ति का जश्न मनाते समय हम समयानुसार आने वाले समय की मांग पर मनन चिंतन करें। आत्म परिमार्जन करें। हमारी योजनाएं तभी समाजोपयोगी आवश्यकता को समझ पायेंगी और उचित दिशा में कार्य कर पायेंगी।

माहेश्वरी समाज अपनी गहराइयों में सुदृढ़ पारिवारिक प्रथा एवं समायोजित परम्पराओं से जुड़ा समाज है। उसके इस पारिवारिक प्रेम, अनुशासित व्यवसाय व्यवस्था, उचित शिक्षा-संस्कारप्रियता ने उसे प्रगति पथ पर अग्रसर किया है।

■ वर्तमान चुनौतियां

आर्थिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र में हम और हमारी युवा पीढ़ी उचित दिशा में समाज के साथ चल रही है। ग्लोबलाइजेशन के बदलाव को हर पीढ़ी ने न केवल महसूस किया है, अपितु समयानुरूप स्वीकार भी किया है। उच्चस्तरीय नौकरियों से स्टार्टअप तक हमारी प्रगति सराहनीय है।

सामाजिक क्षेत्र में हमारी अनेकों संस्थाएं, अनेकों दिशाओं में समाज सेवा के कार्यों में तन-मन-धन से जुड़ी हुई हैं और उनके सफल प्रयास स्पष्ट दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

■ पारिवारिक सामंजस्य

माहेश्वरी समाज की गौरवशाली परिवार व्यवस्था, बदलते परिवेश में कुछ भ्रमित नजर आ रही है। इसके स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। बढ़ते तलाक, टूटते परिवार।

■ परिणाम कार्य की परिणिति होते हैं

यदि परिणाम अनुकूल नहीं हैं तो स्पष्ट है कि कार्य प्रतिकूल है।

■ परिवार का आधार स्तंभ है 'परवरिश'

पारिवारिक बंधन यदि ढीले पड़ रहे हैं तो यकीनन हमारे 'लालन-पालन' के मापदंड गड़बड़ा रहे हैं।

■ कहां हो रही है चूक हमसे

उत्पत्ति दिवस के इस विशेषांक में आइए मनन-चिंतन पर बल दें। मथें अपनी परिवार व्यवस्था को और अमृत और विष को स्वीकार करें।

■ पारिवारिक विश्लेषण

अनुशासित परिवार प्रथा में संयुक्त रूप से सदियों तक रहने वाला माहेश्वरी समाज, संयुक्त व्यवसाय और संयुक्त परिवार में बंधे माहेश्वरी समाज को औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण विशद संयुक्त परिवार से सीमित संयुक्त परिवार और फिर एकल परिवार में सिमटना पड़ा। कुछ व्यावसायिक मजबूरियां थीं और कुछ स्वतंत्रता की मानव सुलभ चाह।

एक सदी ने इस टूटती हुई परिवार व्यवस्था में भी अपने आपको, अपने महान संस्कारों को सहेज कर रखा, परन्तु बदलती परिस्थितियों और आत्म केंद्रित सोच ने, मानव मूल्यों की गिरावट ने और स्वच्छंदता की अपकारी सोच ने परिवार व्यवस्था और परवरिश दोनों को झकझोर डाला है। ये परेशानियां उसी का परिणाम है।

■ अप्रत्याशित दोषारोपण

छमगाती परिवार व्यवस्था और प्रतिकूल परिणाम के संकेत तो पिछले तीन–चार दशकों से आहट दे ही रहे थे, हमने सुनने की कोशिश नहीं की। आज जब वो हर परिवार में खुलकर दिख रहे हैं तो ठीकरा दूसरे के सर फोड़ा जा रहा है।

(1) बच्चे सुनते नहीं है।

(2) बहुएं घर तोड़ रही हैं।

(3) लड़कियों की उच्च शिक्षा, वैवाहिक संतुलन बिगाड़ रही है।

(4) बड़ी उम्र के विवाह सामंजस्य नहीं बैठा पाते।

(5) महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता आग में घी डाल रही है।

हर समस्या का कारण इन पांचों में से कोई एक या पूरे पांच हैं।

■ समाधान क्या और कैसा हो

सामाजिक समस्याओं का समाधान केवल आदर्श के आधार पर नहीं, बल्कि आदर्श की ओर देखते हुए यथार्थ के आधार पर लिया जाये तभी सहज होता है। महान सामाजिक लेखक प्रेमचंद की कहानियां और उपन्यास दर्शाते हैं।

आइये इस दृष्टि से उपरोक्त कारणों के निराकरण देखें।

(1) बच्चे सुनते नहीं, क्योंकि आपने उन्हें सुनना सिखाया नहीं, समझाया नहीं। न सुनने की आदत डाली नहीं। सामाजिक बनाया नहीं। पढ़ाई के भूत के भय ने उन्हें असामान्य बना दिया। आपके अति प्रेम ने आदर्श महत्वपूर्ण मार्गों को सदैव पूरा किया। जीवन की हकीकत समझ ही नहीं सके।

(2) बहुएं घर तोड़ रही हैं, बहुएं नहीं हमारी बेटियां घर तोड़ रही हैं, क्योंकि अपने घर में आपने उन्हें पारिवारिक जवाबदारियों को निभाना सिखाया ही नहीं। उनके वैवाहिक जीवन में दिन–रात आपका हस्तक्षेप और गलत सीख परिवार टूटने का सबसे बड़ा कारण बन गया। नासमझी सोने पर सुहागा।

(3) लड़कियों की उच्च शिक्षा, शिक्षा बुद्धि और विवेक को बढ़ाती है। यदि आप उसे घमंड का नहीं जीवन का साधन बनायें। आपका डॉक्टर जैसे आपको एंटीबायोटिक की आफ्टर इफेक्ट से बचने के लिए एसिडिटी की गोलियां साथ में खिलाता है वैसे ही किताबी शिक्षा के अहं को संवारने के लिये मानवीय, सामाजिक, पारिवारिक मूल्यों की भी शिक्षा दीजिए। बच्चों से ज्यादा गर्व तो आप उनकी आधी अधूरी शिक्षा का कर उनके जीवन में जहर घोल देते हैं।

(4) बड़ी उम्र के विवाह–बदलते परिवेश की व्यावहारिक कारण है। उच्च शिक्षा, अच्छी नौकरी महंगी जीवन शैली का सामूहिक परिणाम है। बारह की उम्र से बत्तीस की उम्र विकासवादी व्यवस्था की मजबूरी है। इन सबके साथ यदि सयानापन सिखा दें तो ये अभिशाप वरदान बन जायेगा।

(5) महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, तो रसोई की वह छुरी है जिसके बिना रसोई नहीं बन सकती। ये तो आपको सिखाना होगा कि सावधानी से नहीं वापरा तो हाथ कट जायेगा या इससे रसोई ही बनाना, गला मत काटना, गला काटने वाला जेल की चक्की पीसता है।

अंततः निष्कर्ष ये है कि गलत पढ़ाई नहीं, पीढ़ी नहीं, गलत परवरिश है। उसे संभाल लीजिये, सब कुछ अपने आप पहले जैसा नहीं पहले से बेहतर हो जायेगा।

दुनियादारी को समझदारी से संभालिये।

–प्रो. कल्पना गगड़ानी, सह संपादक

महेश नवमी पर्व पर शुभकामना संदेश

सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्, जो हमारे आराध्य है, हमारा प्रादुर्भाव जिनसे हुआ है, हम जिनकी संतान कहलाते हैं ऐसे सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् भगवान उमा महेश को प्रथम प्रणाम है।

सेवा, त्याग, सदाचार- हम भगवान महेश की संतान है तो जीवन में शिव की तरह सामंजस्य बनाये रखें। सेवा त्याग और सदाचार ही हमारे जीवन का आदर्श हो।

वर्तमान में राष्ट्र में व्याप्त विपरीत परिस्थितियों का भी हमें सामना करना होगा। 22 अप्रैल का दिन याद आते ही मन में असंतोष पैदा होता है तब लगता है विकास के साथ सुख, शांति, प्रेम, सौहार्द कितना जरूरी है। आज महेश नवमी के पावन पर्व पर अपने सामाजिक कर्तव्योंके बोध को समझते हुए उत्थान की भावना से इस पर्व को संकल्प पर्व के रूप में लेना होगा तभी सही अर्थों में समाज और देश के प्रगति में सहभागिता हो सकती है। इन्हीं मन की भावनाओं के साथ सभी को महेश नवमी की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं।

ज्योति राठी, राष्ट्रीय महामंत्री

सामूहिकता का संदेश : राष्ट्र सुरक्षा व सनातन की रक्षा- हमारा दायित्व

सामूहिकता का संदेश देने वाला पर्व है महेश नवमी हमारे आराध्य शिव परिवार की जीवन शैली सामंजस्य का सर्वोत्तम उदाहरण है। अपनी डफली अपना राग अलापने वाले समाज जन सामाजिक एकता के लिए थोड़ा सा भी त्याग करेंगे तो महेश नवमी मनाना सफल होगा। इस अवसर पर सभी संगठन लोक लुभावन कार्यक्रमों के स्थान पर लोकमंगल को महत्व दें। समाज की वैचारिक संपन्नता बढ़े, चर्चा, परिचर्चा, समूह चर्चा, सामयिक विषयों पर उद्बोधन से मानसिकता में परिवर्तन सम्भव है।

समृद्ध वक्ता व उच्च कोटि के कार्यक्रमों से ही युवा वर्ग को सामाजिक कार्यक्रम में आकर्षित कर सकते हैं।

छोटी-छोटी बातें जो देश की जीडीपी बढ़ा सकती है इन पर जागरूकता बढ़ाना भी प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राष्ट्र प्रथम की भावना से ही व्यक्ति व समाज का अस्तित्व बच सकता है। हमारे जातीय पर्व महेश नवमी पर स्व संकल्पित होकर समाज व राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व बोध को पहचानें। जय महेश।

गीता मूंदड़ा, इन्दौर (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)
संस्थापक अध्यक्ष, अ.भा. महिला सेवा ट्रस्ट

कृपया ध्यान दें

[illegible]

महेश नवमी एक माध्यम है समाज को एकसूत्र में बांधने का

महेश नवमी के पावन पर्व जातीय जन्मोत्सव पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

उत्कृष्ट संस्कृति वाहक समाज अपना है,

विश्व गुरु बने रहे राष्ट्र हमारा यह मेरा सपना है।

आधुनिक युग में भारतीय संस्कृति ने अपनी प्राचीन परम्पराओं और मूल्यों को संरक्षित रखते हुए स्वयं को नई परिस्थितियों में स्थापित किया है, तकनीकी प्रगति वैश्वीकरण के प्रभाव ने हमारे जीवन के कई पहलुओं को बदला है, फिर भी भारत ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को सहेजकर रखा है, योग आयुर्वेद और भारतीय खानपान जैसे परंपरागत पहलू पर केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रसिद्धि प्राप्त कर चुके हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा दिया है, और भारतीय कला, हस्तशिल्प, और पारंपरिक नृत्य संगीत को नया जीवन दिया है। इससे न केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर संरक्षित हो रही है और भारत की समृद्ध परंपराओं को नए संदर्भ में समझने का नई पीढ़ी को अवसर मिल रहा है।

आधुनिक प्रागैतिहासिक युग में भारत में आज भी महिलाएं और युवा पारंपरिक और आधुनिक मूल्यों के संतुलन को बनाए रखते हुए समाज में महत्व पूर्ण भूमिका निभा रही है।

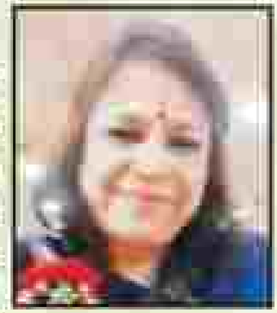

शहरीकरण और आधुनिक जीवन शैली के बावजूद भारतीय समाज ने अपने त्योहारों आदर्श संस्कार के परंपराओं को संजोकर रखा है। यह उत्सव जैसे महेश नवमी एक माध्यम है समाज को एकसूत्र में बांधने का। आज हम संगठन के पदस्थ हमारे पारिवारिक व्यवस्था और युवा पीढ़ियों के गलत आचरण पर अंगुली उठाकर सिर्फ चर्चा करते है और उसे ही चिंतन का जामा पहना देते है। यह चिंतन जिनके लिए करते है वो सिर्फ 15 या 20 प्रतिशत ही है, लेकिन जो परिवार या युवा हमारे समाज के लिए गर्व है। हमारे मार्ग दर्शक है, ऐसे लोगों की चर्चा। उनकी कार्यशैली की जानकारी, प्रेरणादाई विचार, यदि हम ज्यादा से ज्यादा चर्चा का विषय रखे तो हमसे छूटे वो 15 या 20 प्रतिशत लोग लाभान्वित होंगे और समाज सुदृढ़ होगा। आइए इस महेश नवमी पर शिव परिवार की तरह हम भी महिलाओं और युवाओं से सामंजस्य का बीड़ा उठाए।

डॉ. शोभा सादानी
(पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)

मनुष्य के पास सबसे बड़ी पूंजी 'अच्छे विचार' हैं।
क्योंकि धन और बल किसी को भी गलत राह पर ले जा सकते हैं।
किन्तु 'अच्छे विचार' सदैव अच्छे कार्यों के लिए ही प्रेरित करेंगे।

आत्म बोध का दिन
महेश नवमी

महेश नवमी हमारे समाज की उत्पत्ति का दिन है। हमारे लिए आत्मचिंतन का दिन है। समाज के प्रत्येक परिवार को सुखी कैसे बनाया जावे तथा समाज की प्रगति कैसे हो इस पर विचार करने का हमें अवसर भी मिलता है।

प्रत्येक व्यक्ति का समाज व परिवार के प्रति विशेष दायित्व होता है किंतु आज हम अपने दायित्वों से विमुख हो रहे हैं। आज परिवार की परिभाषा ही बदल चुकी है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के बजाय एकोहम की भावना को व्यक्ति अपना रहा है। यही कारण है कि संयुक्त परिवार की प्रथा विघटित हो रही है। यही एक मात्र कारण है कि निजी स्वार्थों के वशीभूत होकर पारिवारिक सदस्यों में भी मन मुटाव हो रहा है और कई नवयुवक नौकरी की मजबूरी व पाश्चात्य संस्कृति को अपनाकर माता-पिता की सेवा से भी विमुख हो रहे हैं। युवा पीढ़ी तथा बुजुर्गों में आपसी सामंजस्य, सद्भाव, सहनशीलता, त्याग की भावना तथा परस्पर विश्वास की भावना में अभाव होता जा रहा है एवं पीढ़ी का विचार भेद भी नजर आ रहा है। नवयुवकों को याद रखना चाहिए कि यदि उन्हें जीवन में प्रगति हासिल करनी है तो बुजुर्गों के अनुभवों एवं आशीर्वाद से ही वह प्राप्त हो सकती है। युवा पीढ़ी अपनी संतान से सम्मान व सेवा चाहती है, तो उसे अपनी सोच को बदलकर अपने माता- पिता, पूज्य जनों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव रखना होगा।

युवाशक्ति को आर्थिक संकट के इस काल में समाज को फिजूलखर्ची, आडम्बर, झूठी शान व प्रदर्शन से मुक्त करना है तथा अपनी शक्ति को रचनात्मक कार्यों में लगाना है। पाश्चात्य संस्कृति के दुष्प्रभाव को रोकना है। युवा वर्ग का दायित्व है कि वह वर्तमान समय में परिस्थितियों को समझते हुए ही अपने विचारों में तथा व्यवहार में समरसता लाकर परिवार व समाज हित का विशेष ध्यान रखें केवल धन कमाने में ही मग्न न रहें। आधुनिकता के भँवर में फंसकर अपनी परम्परा संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। युवाओं को उनके माता-पिता, गुरुजनों आदि के प्रति श्रद्धा रखनी चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए। आज छोटे-छोटे बच्चे भी फिल्मी अभिनेताओं, छोटे पर्दे के कलाकारों तथा क्रिकेट के खिलाड़ियों के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। किंतु परिवार के रिश्तेदारों, पड़ोसियों तथा समाज की महान विभूतियों के प्रति कुछ नहीं जानते। अन्तर्जातीय विवाह, भ्रूण हत्या, गाँवों में लड़कों के विवाह का न होना आदि अनेक समस्याओं का समाधान हमें ढूंढना है। पिछले दशक में हमारे देश में एक करोड़ सैंतीस लाख लड़कियों की संख्या में कमी हुई है।

आज हमारा समाज विवाह सम्बन्धों की जटिलता एवं असफल दाम्पत्य जीवन का शिकार हो रहा है। आज महिलायें भी अधिक शिक्षित हो रही हैं व उन्नति भी कर रही हैं। अतः उच्च शिक्षित लड़कियों से यही अनुरोध है कि वे अर्थ के पीछे बच्चों व परिवार के प्रति अपने दायित्व को न भूलें। उन्हें गंभीरता से विचार करना चाहिए कि वर्तमान मंहगाई के समय उनकी वास्तविक भूमिका क्या होनी चाहिए और कैसे वे अपनी गृहस्थी का सही संचालन कर अपने परिवार व समाज को सुखमय बनावें। सुखी दाम्पत्य जीवन ही महिलाओं का मुख्य लक्ष्य होना चाहिए। बच्चों को देश की संपत्ति मानकर अच्छे संस्कारों से उन्हें योग्य बनाना चाहिए। जब हम धन से अधिक बच्चों के संस्कारों को महत्व देंगे तभी हम अपने परिवार, समाज एवं देश की संस्कृति को बचा पायेंगे।

सामाजिक कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वह समाज की बौद्धिक, शारीरिक, नैतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति को

सुधारने हेतु रचनात्मक कार्यक्रमों का सदैव आयोजन करते रहें तथा अपने व्यक्तिगत स्वार्थ की अपेक्षा समाज हित का विशेष ध्यान रखें। सामूहिक विवाहों का आयोजन प्रतिवर्ष या दो वर्ष में एक बार अपने क्षेत्र या नगर में करें ताकि मध्यम व निर्धन परिवारों को इससे विशेष सहायता मिल सके। शिक्षित तथा बेरोजगार युवकों को रोजगार दिलाने में मार्गदर्शन करें। सामाजिक संस्थाओं के चुनावों में चुनाव की बजाय पदाधिकारियों का चयन सर्वसम्मति से करने का प्रयास करना चाहिए, ताकि चुनावों में लाखों रुपयों के अपव्यय को रोका जा सके तथा इस राशि का समाज के विकास कार्यों में उपयोग किया जा सके। गर्मी की छुट्टियों में किशोर लड़के एवं लड़कियों के लिए समाज ज्ञान शालाओं का आयोजन करें जिससे उनमें सामाजिक परम्पराओं, सामान्य ज्ञान, नैतिक शिक्षा एवं धार्मिक संस्कारों के प्रति रुचि पैदा की जा सके। समाज में जो रिटायर्ड अध्यापक, प्रोफेसर, इंजीनियर हैं, उन्हें विशेषकर बच्चों को पढ़ाने, सत्संग व अध्यात्म चर्चा के लिए प्रतिदिन एक दो घंटे का समय देना चाहिए और सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के संचालन में सहयोग करना चाहिए। समाज में जो उद्योगपति या प्रबंधक हैं वे अपने स्वजाति बंधुओं को रोजगार के अवसर सुलभ कराएं। इस तरह समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सोच में परिवर्तन करके समाज की उन्नति का ध्यान रखेगा तभी हमारा समाज सुखी एवं संपन्न हो सकता है और उन्नति की ओर अग्रसर हो सकता है।

कृष्णचन्द्र टवाणी
प्रधान संपादक, अध्यात्म अमृत ज्ञान मंदिर,
मदनगंज – किशनगढ़ (राज.) 305801

आप अपनी जान खुद बचा सकते हैं...

1. मान लीजिए शाम के 7:45 बजे हैं और आप (अकेले) ऑफिस से घर लौट रहे हैं, एक बेहद थकाने वाले और तनावपूर्ण दिन के बाद।
2. आप बहुत थके हुए हैं, परेशान हैं और हताश भी।
3. अचानक आपको सीने में तेज दर्द होने लगता है, जो आपके-हाथ और जबड़े तक फैलने लगता है। आप अपने घर के नजदीकी किसी अस्पताल से सिर्फ पांच किलोमीटर की दूरी पर हैं।
4. दुर्भाग्यवश, आपको नहीं पता कि आप वहां तक पहुंच पाएंगे या नहीं।
5. आपने सीपीआर (हृदय पुनर्जीवन) का प्रशिक्षण लिया है, लेकिन ट्रेनर ने यह नहीं बताया था कि इसे खुद पर कैसे करें।
6. जब आप अकेले हों, तो हार्ट अटैक से कैसे बचें? क्योंकि बहुत से लोग हार्ट अटैक के समय अकेले होते हैं, और ऐसे में जब दिल की धड़कन अनियमित हो जाए और चक्कर आने लगें, तो बेहोश होने में केवल लगभग 10 सेकंड का समय होता है।
7. हालांकि, ऐसे में व्यक्ति खुद को जोर-जोर से बार-बार खांसकर बचा सकता है। हर खांसी से पहले गहरी सांस लें और खांसी इतनी गहरी और जोरदार होनी चाहिए जैसे फेफड़ों से बलगम निकाल रहे हों।
8. सांस लेना और खांसना हर दो सेकंड में दोहराते रहें, जब तक मदद न पहुंचे या दिल की धड़कन सामान्य न हो जाए।
9. गहरी सांसों से फेफड़ों में ऑक्सीजन जाती है और खांसी करने से दिल पर दबाव बनता है, जिससे खून का प्रवाह बना रहता है। यह दबाव दिल को फिर से सामान्य गति से धड़कने में मदद करता है। इस तरह हार्ट अटैक आने पर व्यक्ति अस्पताल तक पहुंच सकता है।

डॉ. एन. सिन्हा (सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट)

राष्ट्रीय सप्तम कार्य समिति बैठक व दक्षिणांचल अधिवेशन

मंगल मैत्री 9-10-11 अप्रैल, हम्पी (कर्नाटक) में सम्पन्न

राष्ट्रीय महिला संगठन की सप्तम कार्य समिति बैठक व दक्षिणांचल अधिवेशन **''मंगल मैत्री''** हंपी कर्नाटक में 9, 10, 11 अप्रैल2025 को होटल मिलनी दक्षिणांचल के आतिथ्य में बहुत ही अच्छे से संपन्न हुआ। इस बैठक का एक उद्देश्य अपनी सांस्कृतिक धरोहर का भ्रमण भी करवाना था, जो कि पूर्णतः सफल रहा। हंपी शहर एक म्यूजियम है, यूनेस्को की धरोहर है। शताब्दियों से जो ग्रंथ में अंकित है भगवान हनुमान का जन्म स्थान, सुग्रीव राम जी की भेंट, विरुपाक्ष मंदिर, शिव पार्वती का विवाह स्थल, शबरी की झोपड़ी, पंपा सरोवर, 50 के नोट पर अंकित स्टोन रथ का सौन्दर्य आज भी अपने वास्तविक रूप में वहां मौजूद है, हर चीज पत्थर पर लिखी है अतः सभी बहनों को वहां का भ्रमण अत्यधिक रोमांचक व आनंदमय लगा।

दिनांक 9 अप्रैल की सुबह मंच पूजन व हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। उद्यमी महिलाओं द्वारा लगाए गए औद्योगिक मेला ''उद्योग वाटिका'' का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ और महामंत्री ज्योति राठी द्वारा किया गया।

संजीवनी सिद्धा स्वास्थ्य समिति द्वारा बोन स्कैन मेडिकल कैंप एवं ब्रेस्ट कैंसर पर क्लिनिकल चेकअप मुंबई के डॉक्टर विलास जी लड्ढा व अन्नपनाजी लड्ढा द्वारा एवं राष्ट्रीय समिति प्रभारी कुंतल जी तोषनीवाल के अथक प्रयास से यह कैंप बहुत सफल रहा सभी बहनों ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ इसका भरपूर लाभ उठाया। उनके इस सराहनीय कार्य हेतु सभी ने इनका आभार माना। द्वितीय सत्र में महेश वंदना की सुंदर प्रस्तुति व दक्षिणांचल के पांचों प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गाए गए स्वागत गीत के साथ सप्तम कार्यसमिति बैठक प्रारंभ हुई। दक्षिणांचल उपाध्यक्ष अनुरूपाजी मालू ने सभी का शाब्दिक स्वागत किया व संयुक्त मंत्री रेनू जी सारड़ा के संचालन के साथ ही आयोजक संस्था द्वारा मंचासीन पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा बैठक का संचालन करते हुए सर्वप्रथम वीर शहीद व दिवंगत स्वजनों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विगत बैठक की कार्यवाही की सभागार द्वारा पुष्टि करते हुए सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा अपने उद्बोधन का शुभारंभ **''सियाराम मैं सब जग जानि, करहूं प्रणाम जोरि जुग पानि''** से करते हुए मंगल मैत्री की सुंदर शाब्दिक विवेचना कर संगठन में स्नेह, प्रेम, भाईचारा, अपनापन अर्थात सर्व कल्याण के सुखद भाव को अपनाते हुए बैठक का उद्देश्य बताया। आयोजक संस्था द्वारा सुंदर आतिथ्य के लिए सभी का अभिनंदन व आभार व्यक्त किया। संगठन के हित में संगठन के कार्यों पर अपने अपने विचारों को रखा और कहा कि जब हम यहां से जाएं तो अंतर्मन की आंखें खोलो और अंतर निर्मल होय रे इस वाक्य को चरितार्थ करके यहां से जाना है। अपने प्रदेशों के त्रैमासिक मूल्यांकन के रिपोर्ट की कैटेगरी अनुसार घोषणा की। आगामी कार्यक्रम की तथा महासभा द्वारा संचालित कार्यों की जानकारी सभागार के समक्ष रखी। 4 जून को महेश नवमी हमारा जातीय पर्व है जिसको परिवार और मित्रों के साथ धूमधाम के साथ मनाने के लिए सभी को कहा। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन के तत्वावधान में संस्कार सिद्धा समिति द्वारा सात दिवसीय ऑनलाइन कार्यक्रम **''जीवन के**

रंग अभिप्रेरणा के संग'' जूम पर होगा जिसमें प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकरों द्वारा धार्मिक व सामाजिक विषयों पर प्रेरक विचारों से सभी अभिप्रेरित होंगी। इस अवसर पर विशेष रूप से महिला संगठन द्वारा किशोरियों एवं युवतियों की रक्षा हेतु आत्मरक्षा अभियान की पहल भी होगी तथा किशोरियों के लिए चार दिवसीय आवासीय शिविर **''सिद्धि सृजन 25''** से 28 अक्टूबर 2025 पुष्प ग्लोबल स्कूल सम्मेद में आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्घाटन पूज्य स्वामी गोविंद देव गिरी जी महाराज के पावन कर कमलों द्वारा होगा। चौथे दिन सभी किशोरियों को शिर्डी के साईं तीर्थ पार्क और वाटर पार्क का भी आनंद मिलेगा। आगामी कार्य समिति बैठक 5 अगस्त 2025 को वर्चुअल होगी। दिसंबर माह में कार्यकारिणी बैठक आध्यात्मिक शिविर तथा त्रैमासिक अधिवेशन प्रस्तावित है। 19-20 अप्रैल को इंदौर में चेतना लहर तथा विवाह परामर्श समिति के द्वारा आयोजित ट्रेनिंग कार्यक्रम की भी जानकारी दी। सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कार्यक्रम सभी जिलों में संपन्न करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए अहमदाबाद जिले में महिला दिवस पर आयोजित वृहद वैक्सीनेशन कार्यक्रम की सराहना की। ज्योति राठी द्वारा सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। विगत तीन माह में सभी समिति यों द्वारा किए गए कार्यों का सचित्र विवरण बताया, संगठन द्वारा जो कार्य किए गए उसकी विस्तृत जानकारी दी।

पश्चात कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा द्वारा संगठन के आय व्यय की संपूर्ण जानकारी दी गई। तत्पश्चात पू.रा.अ. शोभा जी सादानी ने अपने उद्बोधन में प्रदेश पदाधिकारियों से कहा- प्रदेश राष्ट्र की नींव है अतः उन्हें सजग होना जरूरी है प्रदेश पदाधिकारी को वक्ता बनकर अपने कार्यों को प्रदर्शित करना आना चाहिए। राष्ट्र की कार्य योजनाओं को धरातल तक पहुंचाना उनका काम है, अतः उन्हें एक अच्छा वक्ता बनना बहुत जरूरी है। प्रदेश की स्थानीय संस्थाओं को आयोजक बनाएं और अपने दायरे से बाहर निकल कर अनुभव के आधार पर कार्यकर्ताओं की खोज करें आपसी चर्चा व विचार विमर्श पर विशेष ध्यान दें।

महिला सेवा ट्रस्ट की सचिव मीना जी सारडा द्वारा ट्रस्ट की सम्बन्धित जानकारी प्रस्तुत की गई। विधान समिति प्रभारी मंगला जी मूंदड़ा द्वारा प्रादेशिक विधान के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी सभागार को दी।

राष्ट्रीय समिति प्रभारी कुंतल जी तोष्णीवाल, अनुराधा जी जाजू, निर्मला जी मल, प्रेम जी झंवर, मालती जी बांठिया द्वारा अपनी-अपनी समिति की आगामी योजनाओं बाबत जानकारी दी गई। अनुसूयाजी मालू द्वारा आगामी बाल एवं किशोरी विकास कार्यशाला ''सिद्धि सृजन'' संबंधी जानकारी विस्तृत रूप से दी। ज्योति राठी के आभार प्रदर्शन के साथ सत्र संपन्न हुआ।

दक्षिणांचल द्वारा पांचों प्रदेश स्तरीय ''गागर में सागर'' ''आशु भाषण'' व ''अध्यात्म जीवन के रस'' इन कार्यक्रमों का संचालन अनुराधा जी जाजू द्वारा किया गया। रात्रि में, संस्कार सिद्धि समिति द्वारा तकनीकी ज्ञान के साथ एक मनोरंजक तम्बोला खिलाया गया। समिति प्रभारी मालती जी बांठिया, प्रदेश प्रभारी श्वेता जी कलंत्री और सभी सह प्रभारी ने अपना सहयोग दिया।

10 अप्रैल (सुबह 6:30 बजे) मैत्री भ्रमण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ सभी व्यवस्थाएं बहुत ही सुनियोजित थी। 11:00 बजे सभी अपने गंतव्य वापस आए। दोपहर 2:00 बजे दक्षिणांचल उद्घाटन समारोह संचालिका सुनीता जी चरखा और सुनीता जी लाहोटी के संचालन से प्रारंभ हुआ। सभी गणमान्य अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ द्वारा कार्यक्रम के उद्घाटन की विधिवत घोषणा की गई। आंचलिक उपाध्यक्ष अनुसूयाजी मालू ने सभी का स्वागत किया।

स्वागत अध्यक्ष संगीता जी बियाणी ने आयोजक संस्था का अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का पदाधिकारी का शब्द सुमनों से स्वागत किया। विशेष अतिथि सरोज जी तोष्णीवाल ने सभी से आग्रह किया कि ऐसे आयोजन में हम सभी तन मन धन से जुड़े तभी समाज व संगठन प्रगति पथ पर आगे बढ़ सकते हैं। विशेष अतिथि श्री गोविंद जी काबरा ने संस्कृति व शक्ति का प्रतीक हंपी नगरी में सभी मातृशक्ति का अपने शब्दों से सम्मान करते हुए कहा कि हंपी के पत्थरों से भी मजबूत महिला के भीतर शक्ति होती है। युवा उद्योगी बहन सोनिया जी तोष्णीवाल ने बहनों को आह्वान किया कि जीवन में कभी हार ना मानकर अपना लक्ष्य अपनी जीत को हासिल

करें और चुनौतियों को अवसर मानकर आगे बढ़ें।

मुख्य अतिथि डॉक्टर पवनजी दुग्गड़ ने मारवाड़ी भाषा में अपने सुंदर विचार रखें रामायण के नारी पात्रों के उदाहरण देते हुए अपने नारी के प्रति सुंदर व्याख्या की। प्रमुख अतिथि महामंत्री ज्योति जी राठी ने कहा हमें अपने गति पर नहीं मंज़िल पर ध्यान देना होगा हमारा उद्देश्य अब सही मार्ग पर आगे बढ़ाना होना चाहिए एक गलत निर्णय हमारे अनुभव को बढ़ाता है वहीं एक सही निर्णय हमारे आत्मविश्वास को आगे बढ़ाता है, दोनों ही हमारे लिए काम के है तो चिंता करने के बजाय निर्णय लेना सीखें और पदाधिकारी को भी अपने कंफर्ट ज़ोन से बाहर आकर एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह कार्य करना चाहिए। पूर्व रा.अध्यक्ष शोभा जी सादानी ने भी अपने विचार रखें।

उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ ने रामायण में किष्किंधा नाम से प्रख्यात विजयनगर साम्राज्य की राजधानी हंपी की शौर्य गाथाओं की चर्चा करते हुए कहा कि भगवान राम ने जिस तरह यहां आकर सुग्रीव और हनुमान जी से भेंट की और वानरों की सेना को संगठित कर लंकापति रावण से युद्ध कर विजय प्राप्त की, यह बताता है कि यदि दृढ़ संकल्प है, परस्पर स्नेह मैत्री और संगठित शक्ति है तो कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त किया जा सकता है। हम भी दृढ़ संकल्प शक्ति से अपनी परंपरा और संस्कृति को जीवित रखते हुए टेक्नोलॉजी में प्रवीण हो आधुनिकता का निर्माण करें। रिश्तों में मधुरता लाए, सद्भावों का सृजन करें। सेवा, त्याग, सदाचार संग परोपकार और नवाचार का वाहक बनें। आत्मविश्वासी बनें सत्कर्म करें। हम अपने समाज, संगठन और राष्ट्र को सशक्त बनाएं। संगठन शक्ति रूपी एकता का मनोहारी मंगल मैत्री दीप जलाएं।

रा.म.सं. द्वारा प्रत्येक राष्ट्रीय कार्यकाल में वहां की शक्ति स्वरूपा बहनों को **''शक्ति वंदनम्''** सम्मान से सम्मानित किया जाता है। अतः यहां पर सरिता जी धूत कर्नाटक, सीमा जी लाखोटिया मुंबई, रेखा जाजू जी राठी औरंगाबाद, सुनीता जी माहेश्वरी नासिक इन बहनों का राष्ट्र द्वारा शक्ति वंदनम सम्मान देकर सम्मान किया गया। आध्यात्मिक पुस्तिका राम रक्षा मंत्र का विमोचन भी किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. हरिप्रसाद जी सोमानी ने ''सेवा परमो धर्मः'' पर विभिन्न उदाहरण द्वारा समाजजन के समक्ष अपने विचार रखें। धर्म, शब्द को विभिन्न व विस्तृत रूप से परिभाषित किया जिसकी सभी ने सराहना की। प्रकल्प प्रमुख शोभा जी भूतड़ा के आभार प्रदर्शन के साथ उद्घाटन सत्र समाप्त हुआ।

रात्रि में राष्ट्रीय पदाधिकारी व प्रदेश पदाधिकारियों के बीच संगोष्ठी का आयोजन किया गया था जिसमें प्रश्नोत्तरी के माध्यम से सभी बातों का निराकरण किया गया। मंगल जी मर्दा द्वारा प्रदेश अध्यक्षों के साथ विधान संबंधी बैठक ली गई।

11 तारीख की सुबह 6:30 से 11:00 तक पुनः मैत्री भ्रमण हुआ। दोपहर को पुरस्कार वितरण व कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। दक्षिणांचल के कलाकारों को राष्ट्र द्वारा 21,000/- की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

इस त्रिदिवसीय आयोजन में वरिष्ठ बहनें शकुंतला जी मोहता, सुरज जी बाहेती, प्रकाश जी मूंदड़ा कलावती जी जाजू ने अपनी सहयोगात्मक उपस्थिति से दक्षिणांचल में आधार स्तंभ का कार्य किया।

इस ''मंगल मैत्री'' में दक्षिणांचल के सभी पदाधिकारी का आपसी तालमेल व विश्वास के साथ पांचों प्रदेश कर्नाटक गोवा, आंध्र तेलंगाना, मुंबई, महाराष्ट्र, तमिलनाडु केरल पुडुचेरी, के अध्यक्ष सरोज जी कासट, रजनी जी राठी, सुनीता जी पलोड़, अनीता जी माहेश्वरी, ममता जी दम्माणी, प्रदेश मंत्री सभी पदाधिकारी का सहयोग सराहनीय रहा।

शोभा जी भूतड़ा व पूरा परिवार इस आयोजन में पूर्णतः लगा था, जहां कोई संगठन नहीं है वहां जाकर इतना सुंदर आयोजन करना बहुत बड़ी बात होती है जिसमें भूतड़ा परिवार का बहुत अधिक सहयोग रहा, उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद।

आवागमन, आवास निवास, खानपान, भ्रमण, मनुहार करते सभी कार्यकर्ताओं के मुस्कुराते चेहरे इन सभी विशेषताओं से पूर्ण हुआ। सफल हुआ यह कार्यक्रम जिसके लिए दक्षिणांचल उपाध्यक्ष अनसूया जी मालू तथा संयुक्त मंत्री रेणु जी मालपाणी व उनकी समस्त टीम को साधुवाद।

रा.अध्यक्ष-मंजु बांगड़ ❖ रा.महामंत्री-ज्योति राठी

राम रत्ना दिवस

माँ–बापूजी को 75वीं स्वर्णिम वैवाहिक सालगिरह की बहुत–बहुत बधाई

5 मई आर. आर. ग्लोबल के लिए महत्वपूर्ण दिन है। यह दिवस समूह के संस्थापक बापूजी एवं माँ के परिणय सूत्र में बंधने का पवित्र दिन है। इस वर्ष 5 मई इसलिए भी विशेष है कि माँ–बापूजी के 75वीं स्वर्णिम वैवाहिक सालगिरह है। इस शुभ अवसर पर राम रत्ना उद्योग समूह के समस्त कार्यकर्ताओं की ओर से आपके श्रीचरणों में कोटि–कोटि नमन।

आप दोनों का सात दशकों से अधिक का यह दाम्पत्य जीवन न केवल एक वैवाहिक जीवन है, अपितु हम सभी के लिए प्रेरणादायी भी है। जिस प्रकार आपने परिवार एवं व्यापार को अपने संस्कारों, संयम, समर्पण और स्नेह से सींचा है, वह हम सभी के लिए एक जीवंत आदर्श उदाहरण है। प्रति वर्ष 5 मई का दिन 'राम रत्ना दिवस' के रूप में समूह के देशभर के सभी कार्यालयों, कारखानों में अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। हम अपने सप्लायर्स, डीलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स को भी इस उत्सव में आमंत्रित करते हैं। प्रति वर्ष राम रत्ना दिवस के अवसर पर समूह में 20 एवं 25 वर्षों से अधिक अवधि से कार्यरत कार्यकर्ताओं को खास उपाधि से सम्मानित किया जाता है।

यह दिवस हम सभी के लिए न केवल एक तिथि है अपितु हमारे मूल्यों, हमारी परम्पराओं एवं हमारे आत्मीयतापूर्ण पारिवारिक रिश्तों का प्रतीक है। आपका आशीर्वाद, स्नेह, अनुभव एवं मार्गदर्शन– हमारे लिए अमूल्य धरोहर है। आपका आशीर्वाद सदैव हम सब पर बना रहे। प्रभु से प्रार्थना है कि आपको सदैव स्वस्थ स्वास्थ्य, प्रसन्नचित्त रखते हुए दीर्घायु प्रदान करें, जिससे समूह लाभान्वित होता रहे। बहुत–बहुत बधाई।

बहुत-बहुत बधाई

हमारे गौरव

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी मुख्यालय द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड को ''शिवशक्ति'' लीडर उपाधि से सम्मानित

ब्रह्मकुमारी मुख्यालय माउंट आबू के मनमोहनी कॉम्प्लेक्स में 27 से 30 मार्च तक इन्टरनेशनल शिवशक्ति लीडर समारोह का आयोजन हुआ। इसमें भारत व नेपाल से 100 महिला प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कानपुर से अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड को **''शिव शक्ति लीडर''** गौरव सम्मान से विभूषित किया गया। मंजु बांगड पिछले कई वर्षों से इनरव्हील, रोटरी, ऑल इंडिया वूमेंस कॉन्फ्रेंस आदि विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं से जुड़कर मैत्री एवं समाज सेवा, महिला बाल कल्याणार्थ कार्यों को प्रोत्साहित कर रही हैं। बधाई।

बधाई... राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में सौ. ज्योति बाहेती को प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर महिला दिवस पर सम्मानित किया गया

अकोला महाराष्ट्र राज्य पेंशनर्स एसोसिएशन की सांगली जिला पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा द्वारा महिलाओं के लिए राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें सहभागी अकोला की सामाजिक कार्यकर्ता सौ. ज्योति देवकिशन बाहेती को राज्य स्तरीय अमरावती विभाग स्तर का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। जागतिक महिला दिन 2025 उपलक्ष में 10 मार्च को सांगली में 'देवल भवन' स्थित आयोजित कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य पेंशनर एसोसिएशन अध्यक्ष श्री एन.डी. मारणे, डॉ. दीपा देशपांडे, सांगली जिला पेंशनर एसोसिएशन अध्यक्ष सुरेंद्र पेडणेकर आदि मान्यवरों के उपस्थिति में उन्हें शाल श्री फल सम्मान चिन्ह एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। लेखन प्रतियोगिता का विषय था **''सक्षमता माने समानता क्या?''** वैसे ही हाल ही में उन्हें ज्येष्ठ नागरिक संघ अकोला द्वारा विलुप्त होती **''संयुक्त परिवार संस्कृति- समाज के लिए एक गंभीर समस्या''** इस विषय पर आयोजित निबंध स्पर्धा में भी प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ज्योति बाहेती विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष तथा वर्तमान में अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के ''संस्कार सिद्धा- बाल एवं किशोरी विकास समिति'' मध्यांचल की सह प्रभारी के रूप में कार्यरत है। उनका सर्वत्र अभिनंदन हो रहा है। राष्ट्रीय संगठन की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

डॉ. श्रद्धा गट्टानी को भारत गौरव रत्नश्री सम्मान

आपको भारत गौरव रत्नश्री सम्मान अवार्ड से 22मार्च 2025 को दिल्ली में भारत गौरव रत्नश्री सम्मान काउंसिल द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें देश-विदेश से 80 लोगों का सम्मान किया। हमारे लिए बहुत गर्व की बात है पूरे राजस्थान से डॉ. श्रद्धा गट्टानी को चुना गया। यह पूरे माहेश्वरी समाज के लिए बहुत ही गर्व की बात है। बहुत-बहुत बधाई।

श्रीमती क्षिप्रा राठी, मथुरा

महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता 20000 बहनों को आत्मनिर्भर बना हजारों परिवारों को रोशनी देने वाली रोजगार दीदी के नाम से विख्यात मथुरा की क्षिप्रा जी राठी को उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती बबीता चौहान जी के द्वारा मारदा "शक्ति सम्मान" से सम्मानित किया गया।

डॉ. अर्ची माहेश्वरी

डॉ. अर्ची माहेश्वरी, सुपुत्री श्रीमती मंजु-अनिल हरकुट, (सह सचिव,उत्तरांचल) द्वारा लिखित Neet UG की तैयारी के लिए जीवविज्ञान पर आधारित एक बहुउपयोगी पुस्तक(Handwritten Notes -Arihant Publications) का विमोचन किया गया। बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं।

सुश्री प्रेरणा राठी

सुश्री प्रेरणा राठी सुपौत्री स्व. श्री सत्यनारायण जी राठी एवं श्रीमती बिमला देवी जी राठी, सुपुत्री श्री सुनील कुमार जी राठी एवं श्रीमती महिका जी राठी (सचिव,नेपाल चैप्टर) ने AMITY University से अपनी बैचलर की पढ़ाई पूरी करने के साथ साथ अपने सम्पूर्ण बैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। गोल्ड मेडल से सुसज्जित प्रिय प्रेरणा को बहुत बहुत आशीर्वाद एवं उनके सुनहरे भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ।

लेफ्टिनेंट आर्मी एयर डिफेंस शिवम माहेश्वरी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सिकंदराराऊ संगठन (जिला हाथरस) निवासी श्री मुकेश जी कविता जी माहेश्वरी के सुपुत्र शिवम माहेश्वरी 23 वर्ष की उम्र में लेफ्टिनेंट आर्मी एयर डिफेंस (इंडियन आर्मी) के पद पर आसीन हुआ है। उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

शतरंज प्रतियोगिता में पांच वर्षीय आरिनी लाहोटी द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

आईसीएफ ओपन इंटरनेशनल रैपिड शतरंज टूर्नामेंट नामक यह प्रतियोगिता 26 और 27 अप्रैल 2025 को देश की राजधानी दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित हुई।

पांच वर्षीय आरिनी लाहोटी असम के शिवसागर निवासी स्वर्गीय विजय कुमार लाहोटी एवं इंदु देवी लाहोटी की पौत्री तथा उनके कनिष्ठ पुत्र सुरेन्द्र - शालू लाहोटी की ज्येष्ठ पुत्री है। इतनी कम उम्र में आरिनी का इस बड़े मंच पर भाग लेना न केवल उनके परिवार के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि प्रतिभा उम्र की सीमाओं से परे होती है। उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति

"प्रकृति का मानवीकरण"

विषय पर आयोजित गद्य प्रतियोगिता

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत ज्ञानसिद्धा राष्ट्रीय साहित्य समिति की चतुर्थ प्रतियोगिता प्रकृति का मानवीकरण 31 मार्च 2025 को निर्धारित की गई समय अवधि में संपन्न हुई। सभी 27 प्रदेशों से निर्धारित संख्या में प्रस्तुतियां आईं, लेखिकाओं ने अत्यंत उत्साह पूर्वक इस प्रतियोगिता में भाग लिया।

प्रकृति का साथ, मानवीय जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। चाहे मानव का प्रकृतिकरण हो या प्रकृति का मानवीकरण दोनों ही संदर्भ में लेखन बहुत खूबसूरती से निभाया जाता है। समिति ने इस अलंकृत विधा के माध्यम से प्राकृतिक छटा को जीवंत स्वरूप देने हेतु यह प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता के दौरान लेखिकाओं के मनोभावों और उनकी कल्पनाओं का साकार रूप कागज पर उतरता देखा तो अत्यंत सुख की अनुभूति हुई। प्रकृति को मानव के संदर्भ में देखना, मानवीय गुणों से प्रकृति के अवयवों को जोड़ना और फिर उसे लेखनीबद्ध करने के उद्देश्य से सहजता से अपनी लेखनी को चलाना इतना आसान काम भी नहीं था। पर हमारी लेखिकाओं ने हर चुनौती का सामना बड़ी सहजता से किया है।

प्रकृति से जुड़े हुए लेखन के विषयवस्तु बात की जाए तो कुछ लेखिकाओं ने प्रकृति के साथ मानवता के संबंधों की बात की, कुछ ने प्रेम भरी पाती अपने भावों को उकेरा, किसी ने प्रकृति को सखी बना दिया गया, किसी ने मां और किसी ने जैसे एक परिवार की ही कल्पना कर ली। कहीं कहीं पर महाकवि कालिदास के मेघदूत की भी झलक देखने को मिली।

कहीं प्रकृति के अवयवों के साथ लुका छुपी खेली गई तो कहीं कल कल की मधुर ध्वनि जैसे घर आंगन की चिड़िया और पायल के घुंघरू का भान करा गयी निसंदेह लेखिकाओं ने कल्पनाओं को ऊंची उड़ान दी। यद्यपि कार्यशाला के दौरान मानवीकरण अलंकार पर बहुत विस्तृत जानकारी दी गई थी लेकिन इसके बाद भी कुछ लेखिकाओं द्वारा उपमा और रूपक अलंकार मानवीकरण अलंकार पर भारी पड़ गए। कहीं-कहीं पर देखा गया कि लेखिकाओं ने प्रकृति के मानवीकरण की बजाय मानव का प्रकृतिकरण कर दिया है। कहीं-कहीं पर गद्य को पद्य की तरह लिखा गया और कहीं पर शब्दों में तारतम्य देने के लिए काव्यात्मक भाषा का भी प्रयोग किया गया जिसे गद्य लेखन में शब्द दोष माना जा सकता है। कुछ लेखिकाओं ने बहुत सुंदर विषय के साथ लेखन का आरंभ किया लेकिन 300 शब्दों की समाप्ति तक आते- आते जैसे उनका विषय कहीं खो गया। कुछ लेखिकाओं ने शब्द सीमा को बहुत चतुराई से निभाया, उन्होंने शब्दों का चुनाव कर शब्द सीमा को न केवल निर्धारित किया बल्कि शाब्दिक सौंदर्य को भी निखारा। कुल मिलाकर यदि प्रकृति के मानवीकरण का लेखा-जोखा देखें तो संपूर्ण भारत से लेखिकाओं ने सृष्टि का साकार रूप अपने लेखन के माध्यम से दिखाया जो वाकई सराहनीय है।

कुछ लोगों ने अति सुंदर लिखा प्रकृति के मानवीय रूप के साथ भावनाओं का संगम रचनाओं को उत्कृष्ट बना गया। संक्षेप में यदि कहा जाए तो समिति के अथक प्रयासों और लेखिकाओं द्वारा अपना सर्वोत्तम देने की उत्कृष्ट आकांक्षा के परिणाम स्वरूप प्रकृति के मानवीकरण जैसी क्लिष्ट विधा में भी इस बार कई शानदार प्रस्तुतियां आईं।

हम राष्ट्रीय नेतृत्व के बहुत आभारी हैं जिन्होंने समिति पर अटूट विश्वास किया है और हमें कार्य करने हेतु खुला आसमान दिया है। हिंदी भाषा साहित्य के प्रति उत्तरोत्तर जागृत होती अभिरुचि, परिमार्जित भाषा, परिष्कृत होते विचारों और लेखन के सटीक प्रयासों के परिणाम स्वरूप प्रतियोगिता नवीन आयाम को छूती है।

समिति प्रदर्शक- मंजू मालपाणी, दिल्ली

राष्ट्रीय समिति प्रभारी-डॉ. अनुराधा जाजू, हैदराबाद

''प्रकृति का मानवीकरण'' गद्यात्मक चित्रण प्रतियोगिता के परिणाम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत ज्ञानसिद्धा–साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की चतुर्थ प्रतियोगिता–प्रकृति का मानवीय गद्यात्मक चित्रण के परिणाम निम्नलिखित हैं–

प्रथम स्थान–श्रीमती विनीता भूत मूंदड़ा, गुवाहाटी, असम प्रदेश, द्वितीय स्थान– श्रीमती रेणु दम्माणी, मुंबई प्रदेश, तृतीय स्थान–श्रीमती संगीता कलन्त्री , चित्तौड़गढ़, दक्षिणी राजस्थान प्रदेश।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत ज्ञानसिद्धा–साहित्य समिति की राष्ट्रीय स्तर की चतुर्थ प्रतियोगिता –प्रकृति का मानवीय गद्यात्मक चित्रण के सान्त्वना पुरस्कार परिणाम निम्नलिखित हैं–

चतुर्थ स्थान – श्रीमती डॉ. आभा माहेश्वरी, अलीगढ़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंचम स्थान–श्रीमती शैली राठी, हिसार, हरियाणा पंजाब प्रदेश, षष्ठम स्थान–श्रीमती राखी सोमर लड्डा ,लातूर, महाराष्ट्र प्रदेश, सप्तम स्थान–श्रीमती अनीता संतोष राठी, नागपुर, विदर्भ प्रदेश, अष्टम स्थान– श्रीमती लक्ष्मी काबरा, गाडरवाड़ा,नरसिंहपुर,पूर्वी मध्य प्रदेश।

उपरोक्त पुरस्कारों के अतिरिक्त कई प्रतिभागियों ने बहुत अच्छे प्रयास किये और राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचीं। पुरस्कार वितरण की नियत संख्या निर्धारित होने के कारण हम चयनित प्रतिभागी सदस्यों के केवल नाम घोषित कर रहे हैं–

श्रीमती उषा सोमाणी, चित्तौड़गढ़, दक्षिणी राजस्थान प्रदेश, श्रीमती कनिका माहेश्वरी, दिल्ली प्रदेश, श्रीमती गरिमा काबरा, गाडरवाड़ा, नरसिंहपुर,पूर्वी मध्यप्रदेश, श्रीमती पुष्पा बल्दवा, ठाणे, महाराष्ट्र प्रदेश, श्रीमती सुनीता बिहाणी, विशाखापट्टनम,तेलंगाना आन्ध्रप्रदेश, श्रीमती शशि मालानी, गुमला, बिहार झारखंड प्रदेश, श्रीमती डॉ. सूरज माहेश्वरी, जोधपुर, पश्चिमी राजस्थान प्रदेश, श्रीमती संगीता अनिमेष चांडक, सिलवासा, गुजरात प्रदेश, श्रीमती प्रगति मंडूर, हैदराबाद, तेलंगाना आन्ध्रप्रदेश, श्रीमती सुनीता माहेश्वरी, नासिक,महाराष्ट्र प्रदेश, श्रीमती आभा माहेश्वरी, मध्य उत्तर प्रदेश, श्रीमती पद्मकला राठी, इंदौर,पश्चिमी मध्य प्रदेश

प्रथम

अनमोल है मेरे प्यारे सूरज दादा

मेरे अनोखे सूरज दादा – रोज सवेरे सूर्योदय की स्वर्णिम बेला में जब मैं छत पर अपने सूरज दादा(भैया) का इंतजार करती हूँ तो पंछियों का एक झुंड अपनी चहचहाहट के शोर से बुला लाते हैं उन्हें पहाड़ों के पीछे उनके घर से। फिर वो धीरे से पहाड़ों के पीछे से झुककर देखते हैं मुझे, फिर एक बड़ी सी मुस्कुराहट के साथ शर्म से लाल होकर आते हैं मेरे सामने अपनी नई–नई अदाएं लेकर। फोटोशूट जो करवाना होता है उन्हें, बड़ा शौक है उन्हें फोटो का। फिर क्या मैं भी अपने कैमरे को लगा देती हूँ काम पर। ये क्रम हम दोनों का यूँ ही हर रोज चलता रहता है, कुछ देर एक दूसरे से बातें करके शाम को फिर मिलने का वादा करके चल पड़ते हैं अपने–अपने कर्म करने। वे संसार को गति देने में और मैं अपने घर के काम करने में।

ग्रीष्म काल में सूरज दादा का कार्यकाल कुछ लंबा हो जाता है जल्दी आना देर तक काम करना उन्हें अवकाश नहीं मिलता। किंतु वर्षा ऋतु व शरद ऋतु में उन्हें कुछ फुर्सत मिल जाती है उन फुर्सत के पलों में जिंदगी को जिंदादिली से कैसे जिया जाए यह कोई मेरे सूरज दादा से सीखे। अपने फुर्सत के क्षणों को वे हमेशा मनोरंजक बना लेते हैं। शरद ऋतु में देर तक बादलों की चादर तान कर सोते रहना और वर्षा ऋतु में बादलों के साथ पूरा दिन लुकाछिपी खेलना उनकी ये अठखेलियाँ मुझे बड़ी भाती है।

शाम को घर जाने के समय वो फिर मेरे कमरे की खिड़की से झाँक कर मुझे बुलाते हैं और मैं फिर छत पर

चली जाती हूं। अपने पूरे दिन की थकावट दूर करना दादा को अच्छे से आता है और यही रुचि हम दोनों में समान है हम दोनों को ही चित्रकारिता का बुखार हर रोज चढ़ जाता है वो आसमान के कैनवास पर नई नई कलाकृति बनाते हैं तो कभी पूरे आसमान को ही पीले, गुलाबी, केसरिया रंग में रंग देते हैं उनकी हर कलाकृति मेरे लिए पहेली बन जाती है, कभी मुझे उसमें मोर नजर आता है, कभी कोई रथ और मैं उनको कैमरे में कैद करती रहती हूं।

फिर कुछ देर दादा खुद को निहारते हैं मेरे घर के पास बहने वाली उस नदी के आईने में, उनका शर्माना तो ऐसा है कि खुद आईना भी शर्म से नील वर्ण की जगह लाल रंग का हो जाता है।

खुद को निहारकर, उतारकर अपनी सारी थकावट एक ठंडी हवा के झोंके से मेरे बालों को सहलाकर, प्यार भरा दुलार देकर फिर अगले दिन मिलने का वादा करके हम एक दूसरे से विदा हो जाते हैं। ऐसे नटखट, प्यारे, अनमोल है मेरे प्यारे सूरज दादा।

विनीता घूत मुंदड़ा, गुवाहाटी 95084-89928

द्वितीय

तुम्हारा सच्चा साथी मैं ही रहूंगा ''सिमर''

फाल्गुन कि बसंती बयार शीतलता फैला बह उठी।

झूमती टहनियों से नई कोपलें जन्मीं।

खेत रंग रंगीले फूलों से खिल उठे।

लहराती हरी त्रिपर्णी पत्तियों के मध्य, पीले कपास के पौधों पर उभरे हरे चिकने फल।

सुनहरी धूप सेते एक फल को सामने एक फलियों वाला शाल्मली का वृक्ष दिखा।

सामने पतली स्वरूपा सिमर को देख मालवेसी मंत्रमुग्ध हो गया, फिर अपने गोल शरीर को देख सकुचाया।

कुछ ही दिनों में मुटियाता मालवेसी फल अब भूरा हो चला।

भूरे शरीर से बिनौले नेत्र बाहर झांकने लगे अपनी शाल्मली की हरी सिमर को, जो नजाकत से डाली पर झूल रही थी।

धीरे धीरे सूरज की तपन संग सफेद गोले बन वह खिल उठा।

अब वह नव पल्लवित हुआ, मालवेसी उसे दिन में और

जब चांद अपनी धवल चांदनी संग आता निहारता रहता।

सिमर ने डांटा कहा मैं इतनी नाजुक, पतली कमर लिए और कहां तुम्हारा यह गोल भूरा रूप, मुझ पर ना डोरे डालो तुम।

अब तो मालवेसी को कोयल कि कुहक मीठी लगती, भंवरों का गुंजन ऑर्केस्ट्रा सा लगने लगा।

उसके सफेद चेहरे पर बिनौले चमके कहा, तुम्हारी यह अदा अलौकिक है।

सिमर अपनी तारीफ सुन कुछ इतराई, शरमाई।

मालवेसी हंसा।

कुछ ही दिनों में सिमर का शरीर पीला, झुर्रीदार बन गया।

मालवेसी सोचने लगा, वक्त वक्त का तकाजा है यह।

एक दिन सिमर का शरीर चटका और रेशे समीर संग उड़ने लगे।

सिमर खुश हो मालवेसी से बोली, समीर संग उड़ जाऊं, जहां ले जाए प्रियतम प्यारा।

तपाक मालवेसी बोला, लहरें समीर कि जरूर उड़ा ले जायेंगी तुम्हें दूर, पर तुम्हारा सच्चा साथी मैं ही रहूंगा।

सिमर खिझाते हुए बोली, उफ्फ, यह कैसा इकतरफा प्यार तुम्हारा, तुम टहनी, पौधे से जुड़े, मैं रंगीली, हल्के हल्के उड़ जाऊं, तेरे पास ना आऊं। जैसे धरती और आसमान क्षितिज पर मिलते महसूस तो होते पर एक कभी ना होते।

मालवेसी ने हार ना मानी कहा, नाजुक तुम्हारे रेशे किसी

तकिया में एक दिन भर जायेंगे, और तब कपड़ा बन तुम्हें आलिंगन में भर लूंगा। चांदनी बाद बन आती, नदी सागर को मिलने दौड़ती, पवित्र धारियों का मिलन अनिवार्य है, वैसे ही तुम्हारी गरम तासीर मस्तिष्क को आराम देगी और गद्दे में भरी मेरी ठंडी तासीर देह को आराम देगी। तुम और मैं सदा रहेंगे साथ साथ हमेशा।

रेनू दम्मानी मुंबई प्रदेश 983381715

तृतीय

प्रकृति का मानवीय गद्यात्मक चित्रण

सुबह की पहली किरणें आकाश के आँचल में मुस्कुराने लगीं। सूरज ने अपनी अलसाई आँखें खोल ही धरती को प्यार से सहलाया। उसकी गर्म हथेलियों की छुअन पाकर कोहरे की रजाई में दुबकी धरती भी धीरे-धीरे अंगड़ाई लेने लगी। पेड़-पौधे अपने तन-मन को हिलाकर जड़ता तोड़ने लगे, मानो रातभर की नींद के बाद वे भी उठकर कलरव कर रहे हों।

हवा चंचल बालिका की तरह कभी पेड़ों की डालियों को पकड़कर झूला झूलती, तो कभी फूलों के कानों में कोई गुप्त मंत्र फूँककर उन्हें खिलखिलाने पर मजबूर कर देती। बगीचे के गुलाब अपनी सुरभि बिखेरते हुए इठला रहे थे, तो चमेली अपनी श्वेत साड़ी लहराकर मंद-मंद मुस्कुरा रही थी।

तालाब का जल अपनी तरल आँखों में आसमान का प्रतिबिंब समेटे मौन था, मानो किसी गहरे ध्यान में लीन हो। तभी हवा की शोख शरारतों से उसकी सतह पर हल्की सिहरन दौड़ गई, और वह ठहाका मारकर हँस पड़ा। उसकी हँसी में लहरों की मधुर झंकार गूंज उठी। पास ही खड़े बांस के झुरमुट झूमने लगे।

सुदूर पहाड़ अपनी गंभीर मुद्रा में खड़े थे, मानो प्रकृति के ज्ञानी किसी गहन चिंतन में मग्न हों बादल उनके कंधों पर अपने रुई जैसे हाथ फेरकर स्नेह जताने लगे। कुछ ही देर में वे रूठे बच्चों की तरह गरजे और रो पड़े। धरती ने अपनी बाहें फैलाकर उनकी अश्रुधाराओं को समेट लिया। बारिश की बूंदें गिरते ही नन्हे पौधे झूम उठे और मिट्टी की सौंधी महक वातावरण में घुल गई।

नदी अपनी मचलती चाल से मैदानों की ओर बढ़ रही थी, मानो किसी नवयौवना का यौवन उमड़-घुमड़ रहा हो। उसकी लहरें तट से टकराकर कभी मुस्कुरातीं, कभी शरारती बच्चों की तरह पत्थरों से खेलतीं। किनारे खड़े वृक्ष उसकी अठखेलियों पर हँसते और पत्तों की तालियों से उसे शांत करने का प्रयास करते।

शाम होते ही सूर्यदेव ने अपनी लालिमा समेटी और संध्या का आँचल धरती पर बिखर गया। पश्चिम दिशा गुलाबी साड़ी पहने नवविवाहिता - सी प्रतीत हो रही थी। धीरे-धीरे चंद्रमा ने आकाश की गद्दी संभाली और अपनी शीतल चाँदनी से धरती को थपथपाने लगा। तारे शरारत करने लगे- कोई आँख मिचौली खेलता, तो कोई झिलमिलाकर चंद्रमा का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करता।

प्रकृति सच में एक सजीव संसार है, जहाँ हर घटक जीवन से भरा है। कभी फूलों की हँसी सुनाई देती है, तो कभी नदियों की शरारतें। कभी हवा चंचलता बिखेरती है, तो कभी पहाड़ों की गंभीरता मन मोह लेती है।

मानवीकरण अलंकार के प्रयोग से यह सजीवता और भी निखर जाती है, जिससे प्रकृति केवल देखने की नहीं, अनुभव करने की चीज बन जाती है।

संगीता कालंत्री चित्तौड़गढ़ राजस्थान, 9460710343

सफलता खुशी की चाबी नहीं है। खुशी सफलता की चाबी है।
यदि आप जो कर रहे हैं ,उससे प्यार करते हैं ,तो आप सफल होंगे।

संजीवन सिद्धा स्वास्थ समिति

"FIGHT AND FACE CANCER" पर वेबिनार

अ.भा.माहे.म.स. की संजीवन सिद्धा ने 24 जनवरी को जूम पर fight and face cancer पर वेबिनार किया संगठन की पूर्व अध्यक्ष सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित देश के 27 प्रदेश व नेपाल सैन्टर सहित शहरों व गांवों से 400 से अधिक लोगों ने जुड़ कर लाभ लिया। राष्ट्रीय मन्त्राणी श्रीमती ज्योतिजी राठी द्वारा विचार गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजूजी बांगड़ द्वारा स्वागत उद्बोधन व शुभकामनायें दी गई। उन्होंने बताया कि कैंसर पर वेबिनार जरूरी है क्योंकि यह एक लाइलाज बीमारी समझी जाती है व प्रतिवर्ष 12.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जिसके लिए सचेत होना अति आवश्यक है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लड़कियों व युवतियों में सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन लगाने के कार्यक्रम को सभी संगठन प्राथमिकता दें। संचालन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभारी श्रीमती कुन्तल तोषनीवाल ने बखूबी किया। कैंसर से जंग जीतने हेतु सभी प्रदेशों जिलों व गांव में कैंसर पर सेमिनार मैमोग्राम, स्वस्थ जीवन शैली जीने के तरीके, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से, फिल्म व पोस्टर दिखा कर कैंसर के प्रति जागरूकता किया जाएगा। **बचाव** की जानकारी कारणों से लेकर निवारण तक दी जाएगी। सर्वाइकल कैंसर के वैक्सीन को भी लगवाया जाएगा। मुख्य वक्ता डॉ अनिल हेरूर (सुप्रसिद्ध रोबोटिक कैंसर सर्जन मुंबई) पीपीटी के जरिए कैंसर के प्रकार, कौन से कैंसर महिलाओं में व कौनसे पुरुषों में अधिक होते हैं, उनका प्राथमिक अवस्था में लक्षण पहचानकर इलाज करवाने से किस किस्म किस तरह जंग कर सकते हैं बताया। उनके अनुसार खानपान व जीवन शैली ठीक करने से भी बहुत राहत पा सकते हैं। उन्होंने बताया कि 200 प्रकार के कैंसर होते हैं जिनमें से 10% आनुवंशिक हो सकते हैं पर स्वस्थ दिनचर्या के रहते उन्हें शरीर में घर करने से रोका जा सकता है। दक्षिणांचल सह प्रभारी डॉ अलका लढ्ढा ने कार्यक्रम का सार बताते हुए कहा कि यदि शरीर में कोई भी ऐसे बदलाव हो रहे हों जो स्वाभाविक न लगे उनकी तरफ गौर किया जाना जरूरी है।

हंपी में स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

9 अप्रैल 2025 को सुबह हंपी में स्वास्थ्य शिविर किया गया, जिसमें बैठक में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लढ्ढा, दक्षिणांचल उपाध्यक्ष अनसूया जी मालू अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारी गण व समाज की महिलाओं ने लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजूजी बांगड़ द्वारा किया गया। श्रीमती कुन्तल तोषनीवाल ने महिलाओं को घर पर सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन कैसे कर सकते हैं समझाया। इससे ब्रेस्ट कैंसर को समय पर पहचान कर रोका जा सकता है। ब्रेस्ट स्क्रीनिंग के तहत मैमोग्राफी हुई जिसमें 27 महिलाएं लाभान्वित हुईं। सर्वाइकल कैंसर डिटेक्शन हेतु 40 pap smear test किए गए। बीएम डेंसिटी टेस्ट किए गए जिसमें 97 महिलाएं लाभान्वित हुईं। इसके साथ ही सभी को बराबर खान पान के बारे में बताया व जरूरत के अनुसार दवाइयां बताई गई। कैल्शियम की कमी को दूर करने हेतु हरी सब्जियां, दूध, दही, तिल्ली, सूखे मेवे आदि भोजन में अवश्य शामिल करने चाहिए। शिविर में डॉक्टर विजय लढ्ढा व डॉक्टर श्रीमती अल्पना लढ्ढा ने अपनी सेवाएं प्रदान की। उपरोक्त सह प्रभारी श्रीमती सुशीला राठी, शांति बाहेती, मनीषा सोमाणी ने सहयोग किया। डॉक्टर विजय लढ्ढा ने अपने वक्तव्य में बताया कि पूरे देश के नामी बड़े अस्पतालों के साथ बहुत से टाइ अप हुए हैं जिसका लाभ लेकर संपूर्ण समाज इन अस्पतालों में डिस्काउंट पा सकता है।

कुन्तल तोषनीवाल

राष्ट्रीय समिति प्रभारी संजीवन सिद्धा(स्वास्थ्य समिति)

संस्कृति सिद्धा अध्यात्म एवं परम्परा समिति

"त्योहारों रो रंग मीठी मारवाड़ी संग" कार्यक्रम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत संस्कृति सिद्धा समिति के माध्यम से 10,11, 12 जनवरी 2025 को नागपुर में आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ और राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी के मार्गदर्शन में एक विशेष कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य हमारी मारवाड़ी भाषा और रीति-रिवाजों को पुनः जीवित करना और समाज एवं परिवारों में इस भाषा के प्रति जागरूकता फैलाना था, जिसमें सभी पांच अंचल को तीन-तीन त्योहारों की प्रस्तुति के लिए चुने गए। यह कार्यक्रम एक प्रतियोगिता के रूप में था।

कार्यक्रम की शुरुआत उत्तरांचल सहप्रभारी अंजू जी जाजू ने बहुत ही सुंदर मारवाड़ी भाषा में स्वरचित गीत गाकर की, जिसमें सभी त्योहारों की विशेषताओं का सुंदर तरीके से वर्णन किया गया। समिति प्रभारी प्रेमा झंवर ने अपना उद्बोधन और समिति प्रदर्शक निशा जी लड्ढा ने कार्यक्रम का संचालन भी मारवाड़ी में किया। इसके बाद सभी अंचलों ने अपने-अपने त्योहारों पर प्रस्तुति दी, जो न केवल सुंदर थीं, बल्कि संदेश देने वाली भी थीं।

"त्योहारों रो रंग-मीठी मारवाड़ी संग"

पश्चिमांचल ने मकर संक्रान्ति, बसन्त पंचमी, हरियाली तीज, पूर्वांचल ने करवा चौथ, दीपावली, गोवर्धन पूजा, उत्तरांचल ने नव संवत्सर, गणगौर, जन्माष्टमी, मध्यांचल ने होली, नागपंचमी, दशहरा, दक्षिणांचल ने गणेश चतुर्थी, महाशिवरात्रि पर प्रस्तुतियां दीं।

परिणाम इस प्रकार रहे- प्रथम : उत्तरांचल

द्वितीय : मध्यांचल, तृतीय : दक्षिणांचल, चतुर्थ : पश्चिमांचल, पंचम : पूर्वांचल

इसके साथ ही, मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर पतंग सजाओ प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रदेशों से दो-दो पतंग मंगवाई गईं। हर पतंग अत्यंत आकर्षक और संदेशपूर्ण थी। संस्कृति सिद्धा समिति के तहत राजस्थान की प्रसिद्ध कला मांडना प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

पतंग सजाओ प्रतियोगिता परिणाम-1 माया श्री माहेश्वरी मध्य उत्तर प्रदेश कानपुर उत्तरांचल, 2 वैदेही मालपानिया (कुचामन)मध्य राजस्थान, 3) मोनिका लड्ढा दिल्ली प्रदेश उत्तरांचल, 4)बिंदु सारडा मुंबई, प्रदेश दक्षिणांचल-5) भारती मालू सूरत गुजरात मध्यांचल

सांत्वना पुरस्कार -1.मधुमालीवाल (चित्तौड़गढ़) दक्षिणी राजस्थान, 2. नीलम नवाल(चित्तौड़गढ़) दक्षिणी राजस्थान, 3. ऐश्वर्या चांडक सेलम दक्षिणांचल, 4. निर्मला लड्ढा मुंबई प्रदेश दक्षिणांचल, 5. पूजा कियावनिया दिल्ली उत्तरांचल 6.रजनी झंवर मध्य उत्तर प्रदेश उत्तरांचल, 7.अर्चना मल पुंगलिया पश्चिम बंगाल, 8. शिल्पा लड्ढा कोलकाता, 9.निशी भावल नागपुर विदर्भ मध्यांचल, 10 विदर्भ मध्यांचल

मांडना प्रतियोगिता : परिणाम-1) दीपा सूडा चेन्नई तमिलनाडु प्रदेश, 2) रूपाली मधुसूदन बजाज गुलबर्गा, 3)शशि झंवर सिहोर पूर्वी मध्यप्रदेश मध्यांचल, 4)ज्योति राठी विदर्भ, 5)अभिलाषा लाखोटिया धार पश्चिमी मध्यप्रदेश।

सांत्वना पुरस्कार-1) प्रीति पचीसिया बोकारो, झारखंड बिहार प्रदेश 2) कोमल नावंदर उमरगांव गुजरात। यह पूरा कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा और सभी को बहुत पसंद आया। इसके अलावा पांचों अंचल के सभी प्रदेशों में संक्रान्ति पर्व पर सबने जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकतानुसार सामान दिया। बसन्त पंचमी पर माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की। बड़ी धूमधाम से होली का त्योहार मनाया। गणगौर के बनोरे पर उत्सव मनाया। नवरात्र में माँ दुर्गा का पूजन किया। हनुमान जयन्ती पर हनुमान चालीसा और सुन्दर कांड का पाठ किया। हर महीने सभी की सुविधा हेतु तिथी और त्योहारों का कैलेंडर निकाला गया।

सौ. प्रेमा झंवर, समिति प्रभारी
संस्कृति सिद्धा अध्यात्म एवं परम्परा समिति

अष्ट सिद्धा : व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

सफलता के अमृत कण– (भाग 2)

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत अष्ट सिद्धा समिति द्वारा ज़ूम सभागार में आज सफलता के अमृत कण– (भाग 2) का सफल आयोजन किया गया।

आज के इस विशेष सत्र– मन के रंग– सफलता के संग का आगाज आराध्य देव भगवान महेश की वंदना द्वारा किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ द्वारा बेहद ऊर्जावान शब्दों में स्वागत उद्बोधन दिया गया। उनके इन शब्दों– जो नहीं मिला, वो तो ख्वाब है। और जो मिला है, वो लाजवाब है, ने कार्यक्रम के सकारात्मक चित्र को हमारे सामने उकेर दिया। उन्होंने दूध, दही एवं घी के माध्यम से सभी को संदेश दिया कि हमारे मन में भी अथाह शक्तियाँ छिपी हैं, जिनमें सकारात्मक विचारों का जामन देकर हम हमारे व्यक्तित्व को बेहद प्रभावशाली बना सकते हैं।

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए राष्ट्रीय समिति प्रभारी डॉक्टर नम्रता जी बियाणी द्वारा बताया गया कि कैसे भावनात्मक बुद्धिमत्ता यानी इमोशनल इंटेलिजेंस व्यक्तित्व विकास एवं सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

समिति प्रदर्शक मधु जी बाहेती द्वारा आत्मविश्वास, समय की कद्र, गलतियां स्वीकार करना, विफलता को भूलकर आगे बढ़ना एवं सोच विचार कर मन की आवाज से निर्णय लेने को कामयाबी के सूत्र बताए गए। मुख्य वक्ता का परिचय मध्यांचल सह प्रभारी माधुरी जी मोदी द्वारा दिया गया।

इस विशेष भावनात्मक सत्र की मुख्य वक्ता श्रीमती शुभांगी जी वशिष्ठ– को फाउंडर ऑफ लाइफ स्किल एंड ग्रोथ द्वारा जीवन में भावनात्मक संतुलन क्यों और कैसे जरूरी है, पर विस्तार से बताया गया। उन्होंने बताया कि जैसे पानी के बहाव को एक जगह रोक देने पर वह सड़ जाता है, वैसे ही अगर हम अपने इमोशन्स को रोक दें या दबा दें तो वह हमारे विचारों और व्यक्तित्व को कुंठित कर देगा। हमें अपनी भावनाओं को रोकना या बाँधना नहीं है, बल्कि उन्हें एक सकारात्मक तरीके से हैंडल करना है।

उन्होंने भावनाओं को सही तरीके से नियोजित करने के तीन तरीके बताए।

1– अपनी भावनाओं को accept, acknowledge, validate, embrace n express करें।

2– नित्य meditation करें।

3– Journaling करें यानी जिन इमोशंस को हम एक्सप्रेस नहीं कर सकते, उन्हें एक डायरी में लिखकर एक्सप्रेस करें और फिर उन्हें जला दें।

इस बेहद लाभदायक एवं प्रभावशाली सेशन में नेपाल चैप्टर सहित पूरे भारतवर्ष से लगभग 400 बहनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन उत्तरांचल सह प्रभारी डॉ. उर्वशी जी साबू द्वारा किया गया। अंत में दक्षिणांचल सह प्रभारी शोभा जी मूंधड़ा द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

डॉ. नम्रता बियाणी, प्रभारी अष्ट सिद्धा समिति

"किशोर-किशोरी संगठन का गठन है जरूरी"

"जब जागे तभी सवेरा"

आज का सदप्रयास कल का भविष्य

हमारी गौरवशाली और कुरीतियों को निरुद्ध करने में अग्रणी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा को एक नया अध्याय आरम्भ करना होगा, नहीं तो हम कहीं विलीन हो जायेंगे, यह बताने वाला कोई रहेगा ही नहीं। हमारी गौरवशाली धरोहर का कोई रखवाला रहेगा ही नहीं। पुरखों को जलान्जलि देने वाला कोई रहेगा ही नहीं। गाँव-गाँव में हमारी परोपकारी अस्मिता (बड़े-बड़े भवन, विद्यालय, अस्पताल) को बचाने तो क्या कोई देखने वाला रहेगा ही नहीं।

इस हेतु हमें प्रबुद्ध व विद्वजनों के संरक्षण में हमारे 11 वर्ष से 25 वर्ष तक के किशोर-किशोरी का संगठन खड़ा करना होगा।

हमें इस गम्भीर सोच को मूर्त रूप देना ही होगा। यह संगठन ही हमारा उज्ज्वल भविष्य निर्माण करेगा।

जब जागे तभी सवेरा-ब्रह्माण्ड में उदय-अस्त का क्रम तो चलता ही रहा है और चलता ही रहेगा। अतः बिना विलम्ब के पुनः नए संगठन को मूर्त रूप देना होगा।

आरम्भिक सुझाव विचार योग्य बन सकते हैं, जिन पर हम चिंतन करें :

1) स्थानीय संगठनों को केन्द्र बिन्दु में रखकर किशोर-किशोरी एकत्र हों।

2) शिक्षात्मक प्रतियोगिताओं का स्वरूप (क्षेत्रानुसार) तय हो।

3) खेल, वाद-विवाद, लेखन, चित्रावली, रसायन, स्वविन्यास, धार्मिकता, आध्यात्मिकता, पारिवारिक माहौल, चिकित्सा, भ्रमण, संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम आदि विषयों पर समय-समय पर चिंतन शिविर हों।

4) सामाजिक, आध्यात्मिक, धार्मिक रुचि के धनी साधु-सन्त प्रकृति के व्यक्तित्व समय-समय पर प्रासंगिक विषय पर विचार रखें।

5) एक समय के निर्धारण के बाद जिला/प्रदेश स्तर पर शिविर आयोजित हों और प्रतिभागियों को योग्यतानुसार पुरस्कृत करें।

6) ऐसे संगठन में जिम्मेदारी का चयन हो, चुनाव नहीं।

7) शनैः शनैः बढ़ती आयु अनुसार विवाह-प्रसंग पर वार्तालाप हो।

8) शिक्षा क्षेत्र पर लगातार सेमीनार हो।

9) योग्यतानुसार स्वरोजगार पर प्रोत्साहित किया जाय।

10) नौकरी इच्छुक को सही दिशा का बोध कराया जाय।

11) स्थानीय सामाजिक भवनों का पूर्ण उपयोग हो।

12) स्थानीय स्तर पर समाज द्वारा निर्मित संस्थानों के प्रति सकारात्मक भाव को जागृत किया जाय।

13) परिवार और समाज के प्रति अनुशासन पूर्वक आदर भाव सिखाया जाय।

ये बिन्दु तो साधारणतः उपयोगी हो सकते हैं, पर विद्वान बंधु अपने विचार खुलकर रख सकें, इस हेतु महिला संगठन के साथ कुछ विद्वान बंधु भी एक बार नहीं कई बार गहन चिंतन कर एक रूपरेखा बनाएं और पूर्ण सक्रियता के साथ इस संगठन को गठित किया जाय।

विचारक : जुगलकिशोर सोमाणी

जब आप किसी काम की शुरुआत करें, तो असफलता से मत डरें और उस काम को ना छोड़ें, जो लोग ईमानदारी से काम करते हैं वो सबसे प्रसन्न होते हैं। जो चाहा वो मिल जाना सफलता है।

संकल्प सिद्धा : ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति

अनुकरणीय ''सेवा कार्य''... राष्ट्रीय संगठन द्वारा बुंदेलखंड में 400 गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार एवं साड़ियां वितरित 'वस्त्रम्' के तहत

भारतवर्ष का बुंदेलखंड क्षेत्र जहां बहुत ही गरीबी है एवं वहां विकास की आवश्यकता है के राजनगर विधानसभा के ग्राम उदयपुर में युग पुरुष स्वामी विवेकानंद एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी खजुराहो के तत्वाधान में मातृत्व संवर्धन अभियान अंतर्गत 25 अप्रैल 2025 शुक्रवार को राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा लगभग 400 गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार की थैली एवं साड़ी वितरित किए। इस अवसर पर कानपुरवासी अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन से श्रीमती मंजु बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्रीमती प्रेमा झंवर राष्ट्रीय समिति प्रभारी, श्रीमती सीमा झंवर प्रदेश अध्यक्ष, हरगोविंद पांडे सोसायटी के अध्यक्ष,जे.पी. शर्मा के कोषाध्यक्ष, डॉ रितिका ठाकुर इस अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को निशुल्क गर्भस्थ पोषण आहार के अलावा गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण में सीएमएचओ डॉ आर पी गुप्ता, डॉ रवींद्र पुरोहित स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर कैंसर प्रोग्राम ऑफ एम ओ एच एफ डब्ल्यू किया गया एवं स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर दीपिका सोनी, डॉक्टर नेहा अरजरिया एवं डॉ भावना सोनी शिविर में डॉक्टर द्वारा चेकअप किया गया।

समाजसेवी श्री रामनिवास जी झंवर के सानिध्य से उक्त कार्यक्रम हेतु प्रेरणा मिली तथा राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी, कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा , राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता जी मोदानी तथा संरक्षक मंडल, सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, राष्ट्रीय समिति प्रभारी एवं सह प्रभारी बहनों का विशेष सहयोग मिला जिनकी प्रति आभार व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन की ओर से पोषण आहार हेतु 31000 रुपए सहयोग राशि प्रदान की और आगे भी सहयोग प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर सीएमएचओ छतरपुर स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर के एम ए प्रोग्राम ऑफ एम ओ एच एफ डब्ल्यू महिला चिकित्सक तथा आसपास के क्षेत्र से आए हुए बड़ी संख्या में गणमान्य विशेष तौर पर उपस्थित रहे। साड़ी एवं पोषण आहार पाकर जरूरतमंद बहनों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष-मंजु बांगड़

राष्ट्रीय सचिव-ज्योति राठी

मध्यांचल

पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

ई पत्रिका ''वैदेही वाचन'' का भव्य विमोचन

7 जनवरी को गुना में प्रदेश कार्यकारिणी मंडल की शुभाकार बैठक आयोजित। मुख्य अतिथि अनीता जी जावंधिया थी। उन्होंने अपने उद्बोधन में प्रोटोकॉल, मंच व्यवस्था, रिपोर्टिंग एवं बैठक विषय पर चर्चा की । इस बैठक में **''श्रीमती सद्गुणा''** प्रतियोगिता की गई। जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 6 राउंड क्वुँअल में खेले गए, आखिर राउंड मंच पर। प्रदेश की पांच बहनों का सम्मान किया गया। नागपुर शिविर में चंद्रकांताजी बियाणी का राष्ट्रीय स्तर से सम्मान। मांडना प्रतियोगिता में शशि जी डांगर राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रही। मारवाड़ी बोली की नाटिका में मध्यांचल प्रथम था, उसमें पूर्वी मध्य प्रदेश से रश्मि माहेश्वरी, कीर्ति सिंघी, सरिता जावंधिया ने, वाद-विवाद में लक्ष्मी जाजू ने **'मैं हूं स्वयं सिद्धा'** में प्रियदर्शनी नागोरी सभी की सहभागिता रही। वस्त्रम् संकलन के लिए 826 साड़ियों का वितरण हुआ उसमें राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश को द्वितीय स्थान मिला। त्रैमासिक रिपोर्ट में कोहिनूर से नवाजा गया।

5 मार्च को ई पत्रिका वैदेही वाचन का भव्य विमोचन जूम सभागृह में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़, विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति जी राठी सम्मानित अतिथि अनीताजी जावंधिया उपस्थित थे। वैदेही वाचन का वीडियो दिखाकर ऑनलाइन विमोचन संपन्न कराया गया। रंजनाजी ने शाब्दिक स्वागत किया। वैदेही वाचन के पेज की जानकारी राजश्री राठी ने दी । सुनीता जी नागौरी ने वीडियो बनाया। प्रदेश के सभी पदाधिकारी का इसमें सहयोग रहा।

''फेस एवं फाइटर कैंसर'' सेमिनार पांचों संभागों में किया गया। पिपरिया, बनखेड़ी में अनीता जी जावंधिया, राजश्री जी राठी उपस्थित थे। मुरैना में 121 बहनों को वैक्सीन लगी। बिरला नगर में 22 बहनों का वैक्सीनेशन हुआ। बृहत्तर ग्वालियर में 21000 की राशि कैंसर रोगियों के लिए प्रदान की गई। 26 जनवरी राष्ट्रीय त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गाडरवारा महिला मंडल द्वारा 500 बच्चों को एक साथ गीता के 12 वें अध्याय का कंठस्थीकरण किया गया। जिसमें उनको एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मिला। 70 स्थानीय संगठन, 22 जिले, 4 संभाग के सभी सशक्त कार्यकर्ता हर पर्व ज्ञानवर्धक उत्साह सभी प्रोजेक्ट समितियों के कार्य को बखूबी निभाते हैं। 9 मार्च को नर्मदापुरम जिले के बाबई इकाई का गठन श्रीमती अनीता जावंधिया, सचिव राजश्री राठी द्वारा किया गया। खेलकूद युवा महोत्सव में सोमवती मालपाणी को पांचवा स्थान प्राप्त हुआ । शतरंज में सिद्धि मुंद्रा, कला जगत में प्रीति सोमानी

की खेल जगत में गोल्ड मेडल मिला। मेधा राठी को साहित्य में सम्मानित। 8 मार्च को नुपुर हेडा को टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा और सोनाली बेंद्रे द्वारा सम्मानित किया गया। सभी जगह पर होली मिलन समारोह, शिवरात्रि उत्साह से मनाई। गणगौर त्यौहार उत्साह उमंग के साथ मनाया। उद्यापन सामूहिक रूप से किये गये। भव्य शोभा यात्रा निकालकर जगह-जगह उनका स्वागत, तो कहीं पर पुष्प वर्षा की गयी। भोपाल में तीनों संगठनों द्वारा गणगौर की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई।

प्रदेश अध्यक्ष-रंजना बाहेती ❖ प्रदेश सचिव-राजश्री राठी

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 'क्षितिजा' प्रदेश में सम्पन्न एवं राष्ट्रीय सम्मान 'शक्ति वंदनम्' से बहनें सम्मानित

विदर्भ प्रदेश द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सभा का सफल आयोजन। 550 बहनों कि उपस्थिति। राष्ट्रीय पदाधिकारी, समिति प्रभारी एवं प्रदेश के दानदाताओं का प्रदेश की ओर से सम्मान तथा 130 बहनों का कार्यकर्ता सम्मान किया गया। राष्ट्रीय सम्मान ''शक्ति वंदनम्'' सम्मान में विदर्भ प्रदेश की बहनें **किरणजी मुंदड़ा और मोहनीदेवी मोहता** का सम्मान हुआ। सभा में राष्ट्रीय पदाधिकारी, कैलाशबाई माहेश्वरी, राष्ट्रीय महासभा निवर्तमान अध्यक्ष श्री श्यामजी सोनी, राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष शरदजी सोनी एवम् दानदाता सहयोगियों ने मार्गदर्शन में राष्ट्रीय और विदर्भ प्रदेश महिला संगठन को सफलतम आयोजन के लिये बधाई दी। राष्ट्रीय प्रोजेक्ट- ''भोजस्विनी 2025'' अंतर्गत प्रदेश कि 5 किशोरियों को लैपटॉप दिया गया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता शिविका टर्फ बुक क्रिकेट में मध्यांचल ने प्रथम और द्वितीय स्थान पाया। प्रदेश की वैशाली कोठारी और पीनू मूंधड़ा ने प्रतियोगिता में भाग लिया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता ''हां मैं हूं स्वयंसिद्धा'' में पाचवा स्थान प्रदेश की संतोषजी भट्टड़ और 16 स्वयंसिध्दा ताक सिंधाजी जाजोदिया रही। प्रदेश की समाज की 10 मेकअप आर्टिस्ट को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये 3 दिन फ्री व्यवस्था दी गई। उद्देश्य प्रदेश की समाज बहनों को स्वयंरोजगार मिले और समाज से जुड़े रहे। प्रदेश द्वारा मेकअप आर्टिस्ट बहनों का राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सम्मान किया गया।

स्वयंसिध्दा ''घर आ यो घर-घर प्रोजेक्ट'' का थी सभी बहनों को हल्दी कुमकुम में गिफ्ट दिया गया। यह प्रोजेक्ट की जानकारी राष्ट्रीय सभा में स्नेहा भट्टड़ द्वारा दी गई। औद्योगिक मेला ''उद्यम वाटीका'' में 18 स्टाल की बुकींग, 2 स्टाल जरूरतमंद बहनो को प्रदेश द्वारा फ्री में उपलब्ध करवाये। प्रदेश की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम **''पवन बसंती''** में सभी जिला से सहभाग रहा, कार्यक्रम में 70 कलाकार के साथ नव वर्ष के आगमन को नव पिढियोंके साथ संस्कारों का ज्ञान करते हुये, संयुक्त परिवार कि महत्ता पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता **''मारवाड़ी बोली''** नृत्य नाटिका में मध्यांचल को द्वितीय स्थान। विदर्भ प्रदेश की स्मिता सोनी, शीतल मुंधड़ा, मिता माहेश्वरी प्रतियोगी और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिये प्राप, ड्रेसिंग के लिये समिती बहनों द्वारा व्यवस्था करवाई गई।

सकाल हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम राष्ट्रीय सभा में 550 बहनों का हल्दी कुमकुम लगाकर तिल गुड़, दीपक दान और लक्ष्मी पोटली, सम्मानित किये गए। राष्ट्रीय सभा नागपुर में

समाधान अवस्था, प्लास्टिक, कचरा, डिस्पोजेबल के यूज ना होने पर समिति द्वारा बहोत अच्छा काम किया गया।

राष्ट्रीय प्रोजेक्ट – वस्त्रम की 200 साड़िया नागपुर जिला के गोधनका फार्म में मजदूर बहनों को आदरणीय मंजूजी बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्राणी ज्योतिजी राठी के हाथो बांटी गई, वैसे ही यवतमाल में विदर्भ सचिव निलिमा मंत्री के नेतृत्व में वस्त्रम प्रोजेक्ट की 200 साड़िया यवतमाल जिला के किसान आत्महत्या और कुमारी माता बहनों के साथ संक्रांत निमित्त हल्दीकुमकुम कार्यक्रम करते हुये जरूरत मंद बहनों को साड़िया बांटी गई। गढ़चिरोली के मेन्धा ग्राम में मोल मजूरी करनेवाली बहनों को 200 साड़ी का वितरण हुआ साथ ही कैंसर अवेयरनेस पर डॉ सुचि माने द्वारा मार्गदर्शन हुआ। राष्ट्रीय मांडणा प्रतियोगिता में प्रदेश से ज्योती मंत्री नागपुर जिला, द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय पतंग सजाओ प्रतियोगिता में निधी सावल नागपुर जिला चतुर्थ स्थान और पूनम लाखोटिया वाशिम जिला सांत्वना पुरस्कार।

राष्ट्रीय सभा में 11 जनवरी 2025 को योगगुरु ललाजी लड्डा, नागपुर द्वारा 150 बहनों के साथ चेअर योगा क्लास का आयोजन किया गया। हेल्थ चेकअप कैंप, पर्सनल चेकअप, ब्लड चेकअप, ऑक्सीजन चेकअप, दांतों का चेक अप करवाकर 330 बहनों को लाभ मिला।

प्र. अध्यक्ष– सुषमा बंग ❁ प्रदेश सचिव– निलीमा मंत्री

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

कैंसर वेक्सीनेशन कार्यक्रम के तहत 670 किशोरियों का टीकाकरण हुआ

मांडना बनाओ, पतंग सजाओ, नृत्य नाटिका, वाद विवाद प्रतियोगिता सभी में पुरस्कृत

राष्ट्रीय बैठक 'क्षितिजा' में गुजरात प्रदेश ने लहराया परचम। सभी प्रतियोगिताओं में सहभागिता एवं पुरस्कार (रिपोर्ट वाचन, मांडना बनाओ, पतंग सजाओ, नृत्य नाटिका, वाद विवाद, स्वयंसिद्धा)। अहमदाबाद में आयोजित सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के इस प्रथम चरण में कुल 670 किशोरियों ने वैक्सीन लगाई। प्रदेश में राष्ट्रीय मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिलाजी कालानी की उपस्थिति में बनासकांठा जिले का गठन एवं शपथविधी संपन्न हुआ। श्वेताजी जाजू, सूरत का महासभा के मिशन आईएसएआई 100 समिति सदस्य और विशेष कार्यसमिति सदस्य पद पर चयन हुआ। महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय पूर्वाध्यक्ष विमलाजी साबू और इनाजी जाजू का सूरत में तथा संगीताजी बाहेती का पुणे में विविध संगठनों द्वारा सम्मान किया गया। वस्त्रम प्रोजेक्ट तहत 1516 साड़ियों का दान किया गया। मोरबी में किशोरी की पढ़ाई हेतु 20,000/– की मदद और 5 टीबी रोगियों को सालभर मुफ्त राशन देने का प्रकल्प शुरू हुआ।

अध्यक्ष – मंजुश्री कावरा ❁ सचिव– कांता मोदानी

चेतना लहर

चुनौतियां अनेक-समाधान एक

19-20 अप्रैल 2025 इन्दौर में सम्पन्न ''रिलेशनशिप सेमीनार'' पारिवारिक रिश्तों को बनाये सुदृढ़ व खुशहाल

महासभा की फ्लैगशिप योजना के अंतर्गत चेतना लहर एवं विवाह परामर्श समिति के संयुक्त तत्वावधान में इन्दौर में प्रथम पायलट प्रोजेक्ट सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम इन्दौर जिला माहेश्वरी समाज के अंतर्गत पूर्वी क्षेत्र माहेश्वरी समाज के आतिथ्य में 20 अप्रैल 2025 को नवनिर्मित माहेश्वरी भवन 'आनंदम्' में सम्पन्न हुआ। इसमें 125 दंपति और 50 ट्रेनर्स कुल 300 सदस्यों ने अपनी प्रतिभागिता दर्शाई। मध्यांचल उपाध्यक्ष श्री विजयजी राठी एवं संयुक्त सचिव श्री दिनेशजी राठी ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम के मुख्य बिंदु रहे-1. दाम्पत्य जीवन और खुशहाल परिवार की अवधारणा पर पर फोकस। 2. स्वयं का प्रबंधन, आत्ममंथन व आकलन के साथ ही भावनात्मक एवं आध्यात्मिक शक्ति द्वारा पारिवारिक संबंधों को प्रगाढ़ करने की कला। 3. सकारात्मक परिणाम के लिए अवचेतन मन की प्रोग्रामिंग का महत्व। 4. परस्पर संवाद व समझ की आवश्यकता। 5. प्रशंसा, सामंजस्य व सम्पर्क का जादू। 6. स्वयं सुधार और स्वीकार्यता है रामबाण। 7. भूल जाना, टाल देना और क्षमा करना भी है जरूरी। 8. मेरा परिवार-मेरी ताकत, परस्पर सम्बद्धता है आवश्यक।

पी.पी.टी. के साथ, इन सबके अलावा पेपर एक्सरसाइज, अभ्यास, मेडिटेशन और सेलिब्रेशन व मनोरंजन भी हुआ। प्रेम व प्रसन्नतापूर्वक भरे रिश्ते ही हमारे जीवन का सार है और हमारा परिवार ही हमारे जीवन का केंद्र बिंदु है, धुरी है, लेकिन प्रत्येक सदस्य की सोच भावनाएं एवं प्राथमिकता भिन्न होती है। जीवन साथी का प्रभाव, पारिवारिक संस्कृति और भावनात्मक उतार-चढ़ाव हमारे संबंधों पर असर डालते हैं। इन सभी चुनौतियों का समाधान लेकर, संबंधों को सहेजने और मधुरतम बनाने हेतु द्वि दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रथम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इन्दौर में सम्पन्न हुआ। 19 अप्रैल को सम्पूर्ण भारत के विभिन्न प्रदेशों से आये 40 ट्रेनर्स को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ट्रेनर श्री रमेशजी परवानी, चेतना लहर समिति के संयोजक श्री अशोकजी बंग, जे.सी.आई. के ट्रेनर श्री अनिल राठी, अमरावती द्वारा ट्रेनिंग दी गई। यहां से प्रशिक्षण लेकर ये ट्रेनर्स अपने-अपने प्रदेशों व जिलों में ये कार्यक्रम लेकर इसकी लहर सब ओर प्रवाहित करेंगे। विवाह परामर्श समिति की संयोजिका सौ. अनिता माहेश्वरी मुंबई द्वारा इस कार्यक्रम का उद्देश्य व जानकारी प्रस्तुत की गई। चेतना लहर समिति की सदस्या सौ. गीताजी मूंदड़ा, सुशीला काबरा एवं सौ. आभा माहेश्वरी कोटा ने इस कार्यक्रम में पूर्ण सहभागिता दर्शाई। तकनीकी सहयोगी डॉ. ममता बियाणी, व्यक्तित्व विकास समिति की प्रभारी रहीं। जिन्होंने पीपीटी बनाने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। जिला अध्यक्ष श्री रामस्वरूपजी धूत, सचिव श्री मुकेश असावा एवं पूर्वी क्षेत्र माहेश्वरी समाज अध्यक्ष कमलेश्वर श्री रमणजी मालपानी, सचिव राकेश लखोटिया एवं उनकी पूरी टीम का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इस प्रथम मॉडल प्रोजेक्ट को सम्पन्न करवाया।

राष्ट्रीय चेतना लहर टीम

रिलेशनशिप सेमीनार के मुख्य कर्णधार अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ट्रेनर श्री रमेशजी परतानी, हैदराबाद थे। उनके मार्गदर्शन में विभिन्न विषय विभिन्न ट्रेनर्स के द्वारा कार्यशाला में व्यक्त किये गये-

रिश्तों में प्रगाढ़ता व घनिष्ठता बनाये रखना उत्तम से सर्वोत्तम की ओर जाने की सीढ़ी

अपने अज्ञान से परिचित होना ही प्रगाढ़ रिश्तों की पहली शर्त है। मानव जीवन के केंद्र में रिश्ते हैं, एक व्यक्ति दूसरे के सहयोग से न केवल अपने जीवन को सँवारता है, बल्कि उसे पूर्णता प्रदान करता है। रिश्तों में घनिष्ठता बनाए रखना एक सतत् साधना है, जिसे सही दृष्टिकोण व जीवन मूल्यों से संभव किया जा सकता है।

रिश्तों में प्रगाढ़ता के 3 प्रमुख साधन है-'तंत्र, यंत्र और मंत्र'।

तंत्र-इसके 4 व्यावहारिक उपाय है, जो रिश्तों को मजबूत बनाते हैं।

1. ध्यान देना-साथी की भावनाओं और आवश्यकता पर ध्यान देना।
2. पहचानना-किसी के अस्तित्व, भावनाओं, योगदान को पहचानते हैं, स्वीकार करते हैं, तो वे सम्मानित व जुड़ाव महसूस करते हैं, यह रिश्तों को गहरा बनाने का महत्वपूर्ण साधन है।
3. सम्बद्धता-अपनापन, जुड़ाव और साझेदारी का भाव रिश्तों को आत्मीयता से भर देता है।
4. सराहना-छोटी-छोटी बातों की भी प्रशंसा करने से प्रेम और सम्मान का वृक्ष फलता-फूलता है।

2. यंत्र-व्यावहारिक साधन और प्रयास से रिश्तों को जीवंत बनाये रखा जा सकता है।

1. भक्ति-समर्पण भाव से संबंध निभाना, केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य भावना से प्रेम करना।
2. करुणा-साथी की कमजोरियों और कष्टों के प्रति दयालु रहना।
3. मैत्री-मित्रवत व्यवहार, जिसमें ईर्ष्या और प्रतिस्पर्धा न हो।
4. प्रेम-निःस्वार्थ प्रेम, जो कोई अपेक्षा या आकांक्षा न रखता हो, बल्कि कहे- 'मैं तुम्हारे साथ हूं।'
5. काम-स्वस्थ शारीरिक और मानसिक आकर्षण बनाये रखना।
6. प्रार्थना-रिश्तों की रक्षा और सुंदरता के लिये भीतर से ईश्वर से जुड़ना, जिससे अहंकार कम हो और प्रेम बढ़े।
7. क्षमा-छोटी-छोटी गलतियों को दिल से माफ कर देना, क्षमा रिश्तों को विषाक्त होने से बचाती है। क्षमा सबसे बड़ा धर्म है।
8. अधिकारबोध छोड़ना-रिश्तों में कोई एक दूसरे पर प्रभुत्व न जमाए, वरन समानता और स्वतंत्रता का आदर करें।
9. भावना की शुद्धता-संबंधों में केवल शब्द न हो, बल्कि गहरी व सच्ची भावनाएँ शामिल हो।
10. उचित व्यवहार-सभी रिश्तों में प्रेम, आदर व सम्मान का भाव हो। "प्रेम देना है पाना नहीं"। जैसे पुष्प बिना शर्त अपनी सुगंध सब ओर बिखेरता है। प्रेम का सबसे बड़ा उपहार, जीने में स्वतंत्रता देना है।

मंत्र-रिश्तों में ऊर्जा भरने वाले, तरंगें जमाने वाले सूत्र, मंत्र हमारे रिश्तों में मानसिक और भावनात्मक कंपन के प्रतीक है।

1. प्रेम लहरी-प्रेम की निरंतर बहती हुई ऊर्जा, जिसमें बिना किसी शर्त के अपनापन और सरसता बनी रहती है। "तुम्हारी मुस्कान मेरा दिन सुंदर बना देती है।"
2. आनंद लहरी-रिश्तों में जब हम अपेक्षाओं से मुक्त होकर जीते हैं, तब आनंद अपने आप आने लगता है, साथ खेलना, हंसना, खुशी साझा करना।
3. सौंदर्य लहरी-रिश्तों में भावनाओं, विचारों और आत्मा के सौंदर्य को देखना और सराहना करना। जैसे तुम्हारा धैर्य व स्वभाव अच्छा लगता है।

अतः प्रतिदिन प्रेम और कृतज्ञता का अभ्यास करें, रिश्तों को उपलब्धि नहीं, भेंट की तरह देखें और सुंदर शब्दों और भावों से सींचें। सच्चा प्रेम बोझ नहीं उत्सव

बन जाता है। आपको कोई और नहीं बदल सकता है, आप स्वयं अपने को बदल सकते हैं। जानकारी को ज्ञान में बदलना ही बुद्धिमानी है। यही रिश्तों को प्रगाढ़ बनाती है।

चार पुरुषार्थ का रिश्तों में संतुलन

1. धर्म–रिश्तों में अपने कर्तव्य, दायित्व व नैतिक मर्यादा का पालन करना।
2. अर्थ–रिश्तों में आर्थिक स्थिरता और सहयोग देना ताकि जीवन की बुनियादी आवश्यकताएं सहजता से पूरी हों।
3. काम–स्वस्थ और संयमित रूप से इच्छाओं व भावनाओं की पूर्ति करना।
4. मोक्ष–रिश्तों को इतना पवित्र बनाना कि उनसे से हम अपने अहंकार, मय और अपेक्षाओं से मुक्त होकर प्रेम की उच्च अवस्था में पहुँच सके।

रिश्तों में प्रगाढ़ता या घनिष्ठता एक साधन है, जब हम भीतर से प्रेममय व्यवहार से कल्याणमय और कर्मों से सौहार्दपूर्ण होते हैं, तब हमारे रिश्ते अमृत समान मधुर, स्थायी और दिव्य हो जाते हैं। मानव जीवन रिश्तों के ताने–बाने में बुना होता है। यह केवल भावना ही नहीं, बल्कि व्यवहार, आंतरिक ऊर्जा और आत्मिक साधना के साथ जीवंत बना रहता है। श्रद्धा और संयम से ही संबंधों में प्रगाढ़ता आती है। "जय जागो सभी संसार" इसे मद्देनजर रखते हुए खुशहाल परिवार की परिकल्पना करते हुए रिश्तों को बेहतर से बेहतरीन बनायें।

–रमेश परतानी, हैदराबाद

रिश्तों की गहराई–स्वीकृति का सुगम संगीत, अपने रिश्तों को उनकी कमियों के साथ स्वीकारें

जैसे दाल में नमक के बिना स्वाद अधूरा है, वैसे ही जीवन में रिश्तों के बिना अधूरापन महसूस होता है। रिश्तों में मिठास या कसक दोनों मिलकर उसे जीवन्त बनाते हैं।

हमारे रिश्ते हमारे जीवन का आधार हैं, उनकी गहराई को समझना और उन्हें पूर्णता से अपनाना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है। रिश्ते किसी सुधार या बदलने की माँग नहीं करते हैं, वे जैसे हैं वैसे ही सम्पूर्ण स्वीकार किये जाते हैं। ये एक बिंदु की तरह होते हैं, छोटे और साधारण, लेकिन अपने अंदर भावनाओं को समेटे हुए। जैसे दाल में नमक के बिना स्वाद अधूरा है, वैसे ही जीवन में रिश्तों के बिना अधूरापन महसूस होता है। रिश्तों में मिठास या कसक दोनों मिलकर उसे जीवन्त बनाते हैं।

प्रकृति में पेड़ के सब पत्ते अलग होते हैं, एक हाथ की पाँचों उंगलियाँ अलग होती हैं, पर एक हाथ का ही हिस्सा हैं, वैसे ही रिश्तों में भिन्नताएं स्वाभाविक हैं, हर व्यक्ति का दृष्टिकोण, भावनाएं, विचार और स्वभाव भिन्न होते हैं, पर उसे बदलने के बजाय सम्मान दें, स्वीकार करें। उनकी खूबियों को, गुणों के साथ कमियों व अवगुणों को भी स्वीकारें, यही स्वीकार्यता रिश्तों को मजबूत व सुदृढ़ बनाती है। रिश्ते एक–दूसरे के पूरक होते हैं। उम्र इसके लिये कभी बाधक नहीं है। रिश्तों की गहराई, सुधार की नहीं स्वीकृति की माँग करती है। जब हम रिश्तों को सम्पूर्ण रूप से अपना लेते हैं, तो जीवन की विविधताएं एक मधुर संगीत में बदल जाती हैं और हमारा अस्तित्व अधिक अर्थपूर्ण हो जाता है। भिन्नताओं को सहजता से स्वीकारें, सहज में, ताश के खेल की समझदारी निभाएं, हर पत्ते का अपना महत्त्व होता है, जहां काम आवे सुई, कहां करे तलवार। प्रेम में हर व्यक्ति की अहमियत समझें। रिश्ते एक और एक दो नहीं ग्यारह हो जाते हैं। यह सामूहिक ऊर्जा कठिन से कठिन परिस्थिति का सामना करने की शक्ति देती है। परिवार का महत्व व घनिष्ठता बनी रहती है। संगीत भी प्रवाहित होती रहती है।

"जहाँ प्रेम है, वहाँ संबद्धता स्वतः जन्म लेती है, जहाँ सम्बद्धता है, वहाँ सामंजस्य स्वाभाविक है,

जहाँ सामंजस्य है, वहाँ परिवार स्वर्ग बन जाता है।

–अशोक बंग, नासिक, संयोजक प्रेरणा लहर समिति

पति-पत्नी के रिश्तों में घोलें मिठास, कौन सी बात कैसे कही जाय कि दिल को छू जाये

कुछ रिश्ते खून के होते हैं, कुछ रिश्ते चुन के होते हैं, खून के रिश्ते तो ईश्वर बनाता है, पर दोस्त और जीवन साथी हम चुनते हैं, परंतु सभी रिश्तों में, विचारों में अंतर होता ही है। तो मतभेद होना स्वाभाविक है, पर मनभेद न हो, तनावग्रस्त न हो, रिश्तों में मिठास कैसे बनाये रखें, उसके कुछ सूत्र

1. **संवाद** : एक-दूसरे से खुलकर बात करें। अपनी भावनाओं, विचारों और जरूरतों को साझा करना बहुत जरूरी है, ताकि गलतफहमी न हो।
2. **समय साथ बिताना** : अपने व्यस्त जीवन से समय निकालकर एक-दूसरे के साथ अच्छा समय बितायें। यह न आपसी प्रेम बढ़ाता है, बल्कि रिश्तों में नयापन लाता है।
3. **सम्मान और समझ** : एक दूसरे की भावनाओं व जरूरतों को समझें। एक-दूसरे का दृष्टिकोण समझें, रिश्तों को प्रगाढ़ बनाते हैं।
4. **मूल्य और आदर्श** : रिश्ते में विश्वास और ईमानदारी होना जरूरी है, तभी रिश्ते स्थिर व मजबूत होते हैं।
5. **समझौता करना** : जीवन में उतार-चढ़ाव, हानि-लाभ आते ही हैं, इन पर समझौता करने से मिठास बनी रहती है।
6. **सकारात्मक दृष्टिकोण** : एक दूसरे के प्रति आशावादी, उत्साहवर्धक नजरिया रखें। छोटी-छोटी बातों में खुशियाँ ढूंढें।
7. **कृतज्ञता व्यक्त करना** : छोटे-छोटे प्रयास के लिये आभार व्यक्त करें, रिश्तों में प्रेम व सम्मान बढ़ता है।

जेसीआई टेनर **-अनिल राठी**, अमरावती

मेरा परिवार मेरी ताकत, मेरा हौसला

परिवार के साथ समय बिताने पर आपसी समझ और प्रेम बढ़ता है। विश्वास और अपनापन गहराता है। छोटे-छोटे सुखद क्षण यादगार बन जाते हैं और खुशियां प्रदान करते हैं। एक-दूसरे के जीवन में रुचि देते हैं, तो मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं।

परिवार ही हमारे जीवन का आधार है। परिवार से ही हम प्रेम, सुरक्षा और सहयोग का अनुभव करते हैं। परिवार न सिर्फ हमारी पहचान बनाता है, बल्कि हमारी हिम्मत और हमारे हौसलों का सबसे बड़ा स्रोत है। परिवार से ही हमें संस्कार, संरक्षण और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। परिवार हमारे जीवन का अहम इकाई है, यह हमें भावनात्मक मजबूती, नैतिक दिशा और सुरक्षित माहौल प्रदान करता है। परिवार का समर्थन व सहयोग जीवन में चुनौतियों से सामना करने का आत्मविश्वास व हौसला प्रदान करता है।

परिवार का प्यार, सहयोग व समर्थन हर परिस्थिति में, हर कठिनाई में हमारे साथ खड़ा रहता है। माता-पिता का स्नेह, भाई-बहनों का सहयोग व प्यार, दोस्ती और बुजुर्गों का आशीर्वाद जीवन को संबल प्रदान करते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास का, मूलभूत संस्कार का, जैसे ईमानदारी, त्याग, धैर्य, बड़ों का आदर-सम्मान, आज्ञा पालन आदि का पहला प्लेटफार्म है मंच है। ये संस्कार ही हमें सही और गलत का फर्क सिखाते हैं। परिवार के साथ समय बिताने पर आपसी समझ और प्रेम बढ़ता है। विश्वास और अपनापन गहराता है। छोटे-छोटे सुखद क्षण यादगार बन जाते हैं और खुशियां प्रदान करते हैं। एक-दूसरे के जीवन में रुचि देते हैं, तो मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं।

परिवार भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करता है, जब तनाव व निराशा हो तो परिवार की बातचीत, सहयोग और प्यार हमारे

मानसिक स्वास्थ्य को भी संभालता है। संकट में ढाल बनकर हमें आशा और सकारात्मकता से भर देता है। परिवार में संवाद बनाये रखें, समस्या को साझा करें, एक–दूसरे का सम्मान करें तो संबंध और प्रगाढ़ हो जाते हैं और जीवन को स्थिरता व आनंद प्रदान करते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से जीवन में सुख, शांति, संतुष्टि व खुशी स्वतः आ जाती है, जिससे आत्मिक शांति मिलती है और यही है सुखी जीवन का आधार, हमारा सुखी परिवार। अतः पारिवारिक रिश्तों को मजबूत, सुदृढ़ व घनिष्ठ बनाये रखने के लिये साथ समय बितायें, साथ भोजन करें, खेल खेलें, यात्रा साथ करें, खुलकर बात व विचार प्रकट करें, निःस्वार्थ भाव से प्रेम करें व एक–दूसरे की मदद करें तो एक मजबूत परिवार ही, एक मजबूत समाज व सुन्दर भविष्य की नींव बनेगा। मजबूत परिवार माने टीम भी बड़ी होना चाहिये। बच्चे भी 1 नहीं 2 या 3 जरूरी है, तभी उसकी शक्ति बनी रहेगी।

''मेरा परिवार ही मेरी हिम्मत मेरी हौसला मेरी ताकत है''

My Family - My Strength, My Courage, My Power

परिवार की महत्ता:

1. सहारा/Support
2. प्यार और समर्थन/Love Care
3. विकास/Growth
4. संस्कार/Values

परिवार के साथ समय बिताने के फायदे :

Benefits of Spending Time with Family

1. भावनात्मक समर्थन/Emotional Support
2. तनाव कम करने में मदद/Stress Relief
3. संबंध मजबूत होते हैं/Strengthened Bonds
4. सुख और संतुष्टि/Happiness Satisfaction

परिवार के साथ मजबूत संबंध बनाने के तरीके :

How to Build Strong Family Bonds

1. समय बितायें/Spend Time Together
2. संवाद करें/Open Communication
3. सहयोग करें/Support Each Other
4. प्यार और समर्थन दें/Show Love appreciation

Conclusion / निष्कर्ष

- Family is our biggest source of strength.

परिवार हमारी सबसे बड़ी ताकत है। Let's always value and nurture our family bonds.

–श्रीमती आशा माहेश्वरी (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)

रिलेशनशिप को प्रगाढ़ कैसे बनाएं

दांपत्य जीवन में मधुरता लाने के लिए पति–पत्नी दोनों को प्रयास करना चाहिए। पारिवारिक रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने के लिए भी प्रत्येक सदस्य को अपनी–अपनी भूमिका की जानकारी होना चाहिए। जाने अनजाने में छोटी–छोटी गल्तियां बड़ा रूप ले लेती है। नीचे लिखे संकेत संबंधों को सुदृढ़ बनाने में सहायक हो सकते है।

Increase quality of Relationship

रिश्तों में गुणवत्ता बढ़ाएं।

❖ संवेदनशील बनें। ❖ तुलना करने से बचें। ❖ एक दूसरे की सुविधा –असुविधा का ध्यान रखें। ❖ तथ्यों के साथ कहीं एक-दूसरे की बातों का सम्मान करें। कहानियों पर प्रतिक्रिया ना दें।

Create Happiness Index

खुशियां बांटो, कई गुणा होकर लौटेंगी

❖ छोटे–छोटे अवसरों में भी खुशियां ढूंढे। ❖ बिना शर्त निश्छल मन से प्रेम करें। ❖ प्रतिकूल परिस्थितियों में खुशी के क्षणों को याद करें। ❖ सामूहिक रूप से उत्सव मनाएं।

Energy of life.

हास्य और रोमांस है संजीवनी

❋ पहचान, प्रोत्साहन, ध्यानाकर्षण और अपनापन से रिश्तों में स्नेह और सम्मान बढ़ेगा। ❋ एक दूसरे को स्पेस दें। ❋ लड़ो मगर प्यार से, सूरज ढलने से पहले सब भूल जाओ। ❋ अपूर्णता में भी सुंदरता देखें।

Success of life.

परिवार का लक्ष्य और विज़न तय करें।

❋ छोटी-छोटी बातों को बड़ा मुद्दा नहीं बनावें। ❋ परस्पर विश्वास, ईमानदारी और कमिटमेंट से रिश्ते मजबूत बनेंगे। ❋ क्वालिटी टाइम साथ बिताएं। शेयरिंग केयरिंग का सूत्र अपनाएं। ❋ परिवार में सामूहिक प्रार्थना का नियम बनाएं।

गीता मून्दड़ा, इन्दौर

पारिवारिक रिश्तों को बनाएं श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम

हमारा परिवार एक यूनिवर्सिटी है, जहाँ सब गुणों का प्रशिक्षण देखकर, अनुभव से और अनुकरण व अनुसरण से ही मिल जाता है। ब्रह्मा द्वारा रचित इस संसार में हर मानव का स्वभाव, विचार, सोच, भावना भिन्न-भिन्न होती है। अतः सबको परस्पर सामंजस्य बैठाना ही पड़ता है। संयुक्त परिवार की सफलता का राज़ है- ''सहनशीलता व सामंजस्य''।

हमारे जीवन का केन्द्र बिंदु या धुरी है हमारा परिवार। उसी में आनंदपूर्वक सुखी जीवन बिताना ही जीवन का उद्देश्य व सार्थकता है। प्रेम का आधार है हमारा परिवार, प्रेम हमारे जीवन के लिये कल्प वृक्ष परिवार के लिये कामधेनु, समाज के लिये सुरक्षा और राष्ट्र के लिए सेतु का कार्य करता है। प्रेम है रिश्तों की डोर, जो परिवार के मोती रूपी सदस्यों को एक माला में गूंथ कर रखता है। प्रेम निस्वार्थ व निश्छल होता है। प्रेम के साथ त्याग, समर्पण व विश्वास का होना भी अत्यंत आवश्यक है। रिश्तों की घनिष्ठता के लिये पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनाये रखने हेतु सात 'स' का सूत्र सदैव अपनाये तो जीवन सरल व सुगम हो जाता है। वे इस प्रकार है-सहनशीलता, सामंजस्य, सहयोग, सद्भाव, संवेदना, संवाद व समर्पण।

हमारा परिवार एक यूनिवर्सिटी है, जहाँ सब गुणों का प्रशिक्षण देखकर, अनुभव से और अनुकरण व अनुसरण से ही मिल जाता है। ब्रह्मा द्वारा रचित इस संसार में हर मानव का स्वभाव, विचार, सोच, भावना भिन्न-भिन्न होती है। अतः सबको परस्पर सामंजस्य बैठाना ही पड़ता है। संयुक्त परिवार की सफलता का राज़ है- ''सहनशीलता व सामंजस्य''। ये कहानी शायद सभी ने सुनी होगी। भगवान महेश का परिवार में सभी के बहुत विपरीत स्वभाव वाले हैं, परंतु भगवान शिव की ऊर्जा व शक्ति से सब समभाव से रहते हैं। प्राचीन काल में संबंध करते समय परिवार का रहन-सहन देखा जाता था, रहन यानी रहना कैसा है व सहन अर्थात हर परिस्थिति में धैर्य पूर्वक सहन करना। उस परिवार की लड़की सब जगह सामंजस्य बना लेगी। इसीलिये परिवार को प्रथम पाठशाला कहते हैं, जहाँ सब अनुसरण करके सीख जाते हैं। कहते हैं न-

> ''ज़िंदगी एक अभिलाषा है, अजब इसकी परिभाषा है,
> सँवर गई तो जन्नत, बिगड़ गई तो तमाशा है।''

परिवार ही इसे संवार सकता है, सुधार सकता है।

प्रकृति परिवर्तनशील है, समयानुसार परिस्थितियां भी बदलती रहती हैं। परिवार की संरचना, आकार, भूमिका में बदलाव आता है, आर्थिक स्तर, शहरीकरण और व्यक्तिवाद की वजह से भी परिवर्तन हुआ है। 50 वर्ष पहले परिवार में एक-दूसरे के प्रति 'समर्पण' भाव था, जो बड़ों ने कहा मान लिया, 25 वर्ष पहले 'समझौता' भाव आया, विचार-विमर्श कर मान लेते थे और वर्तमान में 'तालमेल' पर आ गये हैं, पहले 'तर्क-वितर्क' करते हैं अर्थात उचित लगे तो मान्य अथवा नहीं भी कह देते हैं। पति-पत्नी में भी परिवार के संचालन के समानता का भाव आ गया है। पहले महिलाएं सिर्फ गृहिणी थी, आज कामकाजी हो गई है और कैरियर के प्रति जागरूक होती जा रही है। ऐसे में धन का 'लोभ' बढ़ता जा रहा है, आनंद का 'लोप' होता जा रहा है। अतः परिवार में बहू लाने के पहले मानसिक तैयारी करना जरूरी है। समय के साथ विचारों को

बदलना होगा। बहू से भी कुछ बातों की अपेक्षा न करके समुचित व्यवस्था पहले ही करना होगी। दोनों को सामंजस्य बनाना होगा तभी परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

■ **स्वीकार्यता**

आने वाली बहू को भी यही मानना होगा, मेरा ससुराल ही मेरा परिवार है, जैसा भी है बहू यदि निश्छल भाव से, प्रेम से सबका दिल जीत ले और सबके साथ धैर्यपूर्वक थोड़ा सामंजस्य बैठा ले तो परिवार सुखी हो जाता है। हमारे माता-पिता जैसे भी हैं, बच्चों के लिये सर्वश्रेष्ठ हैं और माता-पिता के लिये संतान कैसी भी हो, निःस्वार्थ भाव से प्रेम करते हैं। वैसे ही यदि ससुराल में भी जो जैसा है, उसे निश्छल भाव से प्रेम से स्वीकार कर ले तो वातावरण आनन्दमय हो जाता है। बहू को सबको समझने के लिये थोड़ा समय अवश्य दें।

■ **जैसा व्यवहार स्वयं के लिये चाहें दूसरों के साथ करें**

परस्पर बात करने से पहले सोच-समझकर, तोल-मोल कर बोलें, सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ेगा। वाणी में मिठास हो, विनम्रता हो, ताना न मारें, उलाहना न दें, आशावादी दृष्टिकोण अपनायें। हमारी बेटी पढ़ी-लिखी है, तो सोचते हैं वह नौकरी करेगी या व्यवसाय, खाना नहीं बनाएगी, तो वही व्यवहार बहू के साथ हो, उसे भी उतनी ही स्वतंत्रता हो, दोहरी नीति न हो। बहू जब दूसरे परिवार से आती है, पहले तो असुरक्षित सा महसूस करती है, उसे भी बेटी जैसा प्यार दें। बहू-बेटी दोनों के साथ एक-सा व्यवहार हो, वह भी अपनापन महसूस करे।

■ **दायित्वों से विमुक्तता, अहं का त्याग, स्वयं में बदलाव**

परिवार के वरिष्ठ सोचते हैं, हमने इस परिवार को घर को अपनी मेहनत व प्यार से सींचा है। इस मुकाम पर पहुंचाया है, उनका लगाव स्वाभाविक है, परन्तु उम्र के साथ-साथ स्वयं ही विमुक्त होते जायें, कोई पूछे तो सलाह दें, अन्यथा चुप रहें, अपना माइंड सेट कर लें तो दुःख नहीं होगा। जैसे फूलदान और मटका दोनों एक कीमत के हैं, परन्तु फूल दूसरे दिन मुरझा जायेंगे, दुःख नहीं होगा, मटका फूट जाये तो दुःख होगा। अपना अहं न पालें और दूसरों को बदलने की बजाय हम स्वयं में बदलाव लायें तो सुखी रहेंगे। एक-दूसरे की भावना की कद्र जरूर करें। जैसे ''वह एक को ही कह रहे हैं तो दूसरा दवा ले आये'' ''भूख एक को लगी हो-भोजन दूसरा लगा दे।'' रिश्तों को चीजों से नहीं भावना से जोड़ें, प्रेम दें, प्रेम लौट कर आयेगा। समर्पण, त्याग व प्यार परस्पर बना रहे।

■ **संवाद बनाये रखें, संयम का पालन व समय दें, सराहना जरूर करें**

परिवार के सदस्यों में संवाद का प्रवाह बना रहना चाहिये, कुछ गलतफहमी हो जाये उसे शीघ्र बात करके सुलझा लें। एक-दूसरे के गुण देखें, अवगुण नहीं, प्रशंसा सबके सामने करें तो प्रोत्साहन मिलता है। अहं और वहम दोनों से दूर रहें। बीच का रास्ता अपनायें, सामंजस्य बनाये रखें। न अपेक्षा रखें न किसी की उपेक्षा करें। मुखिया को सबके साथ समदृष्टि रखना चाहिये। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को गौण करके परिवार की सुख-शांति को प्राथमिकता दें। भूल जायें और क्षमा कर दें व संयम रखें। यही है सब बातों का सार, बस परस्पर प्रेम व प्यार बना रहे।

''सब प्यासे हैं प्रेम के, उन्हें खुशियों की सौगात दें हम
करके विदा नफरत को,
मुहब्बत के फूल खिलायें हम, संजोकर बिखरे
तिनके नीड़ के घर को स्वर्ग बनायें हम।।

-श्रीमती सुशीला काबरा, इन्दौर (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष)

रिलेशनशिप सेमिनार के बारे में प्रतिक्रिया

धीमे धीमे से सुलग रहे थे रिश्ते
स्वार्थ की इस दुनिया में ,
सिमट गए थे रिश्ते
स्वयं की भुलभुलैया में..
आपके समाधानों की बारिश ने
प्रेम की फुहारों में भीगा दिया

उलझे से, भूले से रिश्तों को
मीठी पुचकारों से सुलझा दिया

''रिलेशनशिप सेमिनार'' आज के समय की आवश्यकता है। एक्टिविटीज, मेडिटेशन के साथ संजोया गया। यह सेमिनार हर व्यक्ति को स्वयं के प्रति जागरूक एवं साथी के प्रति समर्पित बनाता है।

सौ.किरण मुंदड़ा, नागपुर

रिलेशनशिप सेमिनार के बारे में प्रतिक्रिया

'आनंदम के आंगन में हम समला जना के आनंद अई गियो'

कार्यक्रम में भाग लेने वाले समस्त ट्रेनर्स

श्री माहेश्वरी समाज इंदौर जिला एवं माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र के तत्वाधान में आयोजित,पारिवारिक महत्ता एवं कपल्स के बीच संबंधों में प्रेम, समर्पण और सहयोग जैसे जीवन मूल्यों पर आधारित आज का अविस्मरणीय रिलेशनशिप सेमिनार। दो सौ से अधिक हम प्रतिभागियों को एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण देकर हम अनेकों दम्पतियों के बीच एक गहरे चिंतन एवं आगे में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित कर गया।

परिवार के प्रति सोच, इनके साथ बिताये पल,तो दांपत्य जीवन की यादें ही जीवन को सार्थक बनाती है, ये ही पल हमें जीवन की सच्ची खुशियां दे हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं।

सचमुच, संपूर्ण भारत वर्ष में प्रथम बार इंदौर में हुए इस आयोजन के लिए Participate करने वाले हम इंदौरवासी तो गौरवान्वित है ही, जिसका प्रभाव भी लंबे समय तक हमारे अंतर्मन में रहे, इस अशातीत सफलतम आयोजन की 'गूंज' सभी मध्यप्रदेश के जिलों के साथ संपूर्ण भारत के समाज वासियों के बीच भी सुनाई देगी।

अंत में इस कार्यक्रम को अटेंड अनेकों के अनुभव सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि–दांपत्य जीवन और परिवार की नींव प्रेम, विश्वास, समर्पण और सहयोग पर टिकी होती है। जब यह चारों तत्व एक साथ आते हैं तो जीवन की हर चुनौती का सामना आसानी से किया जा सकता है।

अमित- ज्योति भराणी

प्रशिक्षण शिविर में सम्मिलित होने पर गर्व, सभी को बहुत-बहुत आभार

हाल ही में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत, योजना समूह द्वारा संपन्न यह कार्यक्रम बहुत ही सुचारू रूप से और समाज को एक नई दिशा देने वाला कार्यक्रम रहा। हम धन्यवाद देते हैं आदरणीय रमेश जी परतानी, अशोक जी बंग,अनिल भैया राठी, आभा जी, अमिता जी ,ममता जी और विशेष धन्यवाद देते हैं गीता दीदी सुशीला दीदी जिन्होंने इस कार्यक्रम की नींव रखी और पूरा समय देकर इसे संपन्न करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आप लोगों की इस उम्र में भी हमारे समाज के प्रति सेवा समर्पण का भाव देख हम अभिभूत हुए हैं। मैं समाज को अपनी सेवा देने के लिए तैयार हूं।

एड. महेंद्र चांडक, अमरावती, 422159942

पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

पश्चिम म.प्र. द्वारा इन्दौर में 26 अप्रैल को मेगा स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन

पश्चिमी मध्यप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य में 25 वर्ष से अधिक उम्र की उन महिलाओं के लिए जो अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी के कारण अपनी कला को विस्मृत कर चुकी थी, अपनी प्रतिभाओं को पुनः निखारने के लिए एक मेगा स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल इंदौर में किया गया। इस आयोजन में शतरंज, कैरम,टेबल-टेनिस,बैडमिंटन 4 खेलों का समावेश किया गया।

प्रदेश के पांचों अंचल से विजेता बहनों को अंतिम चरण में इंदौर में खेलने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मिक्स अवॉर्ड प्राप्त पूर्व खो – खो खिलाड़ी व कोच डॉ. हेमाली लड्ढा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाज सेवी श्रीमती रूपा सुनीलजी माहेश्वरी, विशेष अतिथि मध्यांचल स्वयं सिद्धा समिति प्रभारी श्रीमती मनीषाजी लड्ढा थी।

अतिथियों का शाब्दिक स्वागत प्रदेश अध्यक्ष उषा सोडानी एवं जिला सचिव पुष्पा मोलासरिया द्वारा किया गया। पुष्प माला द्वारा स्वागत उषा सोडानी, शोभा माहेश्वरी,साधना बियानी, प्रमिला भूतड़ा, किरण लाखोटिया ने किया कार्यक्रम संयोजक सुमन सारडा, भावना माहेश्वरी,आरती सोडानी थी।

सभी खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्र भक्ति धुन पर मार्च पास्ट भी किया गया।विजेता खिलाड़ी बहनों को ट्रॉफी, नगद राशि, प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग प्रदेश सचिव शोभा माहेश्वरी द्वारा किया गया। आभार प्रदेश संगठन मंत्री प्रमिला भूतड़ा ने ज्ञापित किया । विभिन्न खेलों में विजेता एवं उप विजेता इस प्रकार रहे–

कैरम– अंकिता माहेश्वरी सोनी इंदौर, प्रीति चांडक इंदौर, **टेबल टेनिस–** आशा भंडारी इंदौर, आभा बियानी इंदौर, **शतरंज–** राजकुमारी पलोड़, उज्जैन, रश्मि नवाल मंडू, **बैड मिंटन–** सीमा मुछाल नीमच, प्रियंका काबरा इंदौर

पंचकोशी यात्रा का आयोजन

दिनांक 25 अप्रैल को श्री माहेश्वरी मारवाड़ी महिला मंडल नरसिंह मंदिर उज्जैन द्वारा एक दिवसीय पंचकोशी यात्रा का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य संयोजिका श्रीमती शारदा जी भंडारी थी। 118 किलोमीटर की यात्रा सुबह 7:00 बजे शुरू होकर शाम 7:30 बजे समाप्त हुई। यात्रा के दौरान श्री मीरा माधव मंदिर करोंदिया गांव तपोभूमि रोड में पहलगांव में जघन्य हत्याकांड में मारे गए निर्दोष पर्यटकों को प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती उषा जी सोडाणी की सानिध्य में मौन श्रद्धांजलि दी गई। साथ ही स्वर्ण मीरा वृद्ध आश्रम में भी सहायता राशि दी गई। यात्रा में पुष्पा कोठारी ,पुष्पा मालिक,शीला मूंदड़ा, शैल शारदा, प्रांति मंडल अध्यक्ष संगीता सोमानी, दीपाली सोमानी ,विनीता बियानी आदि महिलाओं सहित 35 सदस्य उपस्थित थी। यह जानकारी स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा जी लड्ढा ने दी। श्रीमती रितु जी समदानी द्वारा बहुत स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गई।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

चतुर्थ कार्य समिति बैठक "नैवेद्यम्"

अंग्रेजी नव वर्ष का आगमन, क्षितिजा 2025 में छत्तीसगढ़ ने लहराया परचम, **"हाँ मैं हूं स्वयं सिद्धा"** में महत्ता जाने स्वाती राठी के प्रथम प्रोजेक्ट के तहत किया सहयोग सभी ने संक्रांति पर्व ब्राइट इवेंट, हल्दी कुमकुम के साथ आरंभ। तिल की मिठास के साथ शुभ कार्यों का शुभारंभ। देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत रहा प्रदेश। ऑनलाइन क्विज कम्पटीशन को मिला अच्छा प्रतिसाद एवं अन्य कार्यों की रही बरसात। माँ सरस्वती का पूजन बसंत उत्सव मनाया शिवरात्रि में 2000 से अधिक अभिषेक कर शिवरात्रि मनाया। फाग उत्सव की मस्ती और छटा बिखरी। ईशा ने शार्क टैंक में जाकर गौरवान्वित किया छत्तीसगढ़ को। ललिता राठी और अनुज दम्माणी को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के लिए सम्मानित किया गया। महिलाओं का किया सम्मान होली गणगौर, नवरात्र, हिंदू त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मना। चतुर्थ कार्य समिति बैठक "नैवेद्यम्" भिलाई में 60 बहनों की उपस्थिति में हुआ। अक्टूबर नवंबर दिसंबर रिपोर्टिंग में छत्तीसगढ़ को कोहिनूर कैटेगरी, अर्थ सिद्धा–मधु जी राठी, स्पीकर्स क्लब एपिसोड आयोजित। संस्कार सिद्धा–पिंकी जी भूत, संस्कार सिद्धा समिति के साथ मिलकर बच्चों के लिए ऑनलाइन क्विज कम्पटीशन 26 जनवरी के अवसर पर 300 से अधिक बच्चों की सहभागिता। आकांक्षा एनजीओ में 11000 नगद राशि

स्वयं सिद्धा–शशि जी बागड़ी, श्रीमती स्वाती जी राठी "हाँ मैं हूं स्वयं सिद्धा" में प्रथम एवं श्रीमती संगीता जी [illegible] को Beacon of Brilliance अवार्ड से नवाजा गया। चैरिटेबल इवेंट स्पार्क नेत्रहीन बालिकाओं के लिए आयोजित जो की भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

महिला उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एग्जिबिशन कम सेल का आयोजन ज्ञान संचार कार्यक्रम 19 फरवरी को [illegible] में संचालित नीलम जी मूंदड़ा और शताब्दी पांडे सम्माननीय अतिथि मनोनीत पार्षद एवं सरपंच का कार्य समिति बैठक में प्रदेश द्वारा सम्मान महिला दिवस पर अनेकों कार्यक्रम।

ज्ञान सिद्धा–रमा जी मल, राष्ट्र से आए लेखन प्रतियोगिता **"प्रकृति का मानवीय गद्यात्मक चित्रण"** प्रतियोगिता आयोजित। ज्ञान सिद्धा के मासिक [illegible] वाद विवाद प्रतियोगिता विविधा दर्पण में मध्यांचल उपविजेता रही।

संस्कृति सिद्धा–किरण जी दम्माणी, मकर संक्रांति पर 1700 किलो लड्डू दान एवं 700 से अधिक पीड़ित लोगों को भोजन, 1000 से अधिक किलो अनाज दान देश प्रेम की भावना एवं सम्मान के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में 11000 दिये प्रज्वलित, सुंदरकांड पाठ हल्दी कुमकुम का आयोजन, डोंगरगढ़

माँ कमलेश्वरी में दूसरी मनोरथ, रामदेव बाबा का दुग्ध अभिषेक, गणगौर भजनांजलि ग्रीट का आयोजन बुकार गीता की शोभायात्रा। देवी भागवत 701 कलश यात्रा के साथ भव्यता से सम्पन्न।

रघुकुल रीत सिद्धा–शशिकला जी लाखन, बिलासपुर जिले में सामाजिक चिंतन विषयों पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन। मारवाड़ी भाषा नाटिका "त्यौहारों रा रंग मारवाड़ी रे संग" में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त।

संकल्प सिद्धा–शिल्पा जी लाखन, क्वसम प्रोजेक्ट के तहत 442 राखी प्रदेश में बनाई गई छोटा प्रदेश होने के बावजूद अच्छे सहयोग के लिए पुरस्कृत किया गया। मेरी दुकान के माध्यम से ग्रामीण उद्यमी महिलाओं को आगे लाने का प्रयास।

संजीवन सिद्धा–दिव्या जी राठी, कैंसर जागरूकता के लिए सेमिनार। मासिक सेवा चिकित्सा का शिविर आयोजन 11 जनवरी को बस्तर ऑफ चैंबर्स और बस्तर जिला महिला मंडल के द्वारा सुकमा में करवाया गया।

जिसमें 700 लोगों ने इसका लाभ उठाया। इस शिविर में मुख कैंसर और स्तन कैंसर की भी जांच की गई मैमोग्राफी के द्वारा कैंसर से जंग जीतेंगे हम जिला स्तर पर कार्यान्वित सेमिनार और टीकाकरण अभियान आरंभ।

संस्कार सिद्धा–नीमा जी राठी, गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को संस्कारसिद्धा एवं संस्कृतिसिद्धा समिति के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन क्विज कम्पटीशन का सफलतापूर्वक आयोजन राखी योगा गीत में प्रदेश को द्वितीय स्थान। कुशल सिद्धा–लता जी मंत्री, गरीब कन्या की शादी के लिए उपहार एकत्रित कर कन्यादान में दिया गया।

अध्यक्ष –शशि मदानी ● सचिव –माया मुंदड़ा

वंदना लड्ढा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में शीर्ष 10 महिला उद्यमियों में चुनी गई

इंदौर की श्रीमती वंदना लड्ढा को 7वें इंडिया लॉजिस्टिक्स रैंकिंग एंड अवॉर्ड्स समिट 2025 में लॉजिस्टिक के क्षेत्र में देश की शीर्ष 10 महिला उद्यमियों में शामिल किया गया। यह सम्मान इंस्टिट्यूट ऑफ सप्लाई चेन एंड मैनेजमेंट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुंबई के होटल सहारा स्टार में 7 मई को प्रदान किया गया। लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्टेशन क्षेत्र लंबे समय से पुरुषों के प्रभुत्व वाला क्षेत्र माना जाता है, लेकिन वंदना लड्ढा ने अपने समर्पण, नेतृत्व क्षमता और व्यावसायिक सूझबूझ से इस सोच को चुनौती दी है। वे अपने पारिवारिक व्यवसाय शिवानी कैरियर्स प्रा. लिमिटेड की डायरेक्टर हैं। उन्होंने न केवल अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया, बल्कि महिलाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत भी बनकर उभरीं। वंदना लड्ढा ने यह पुरस्कार उन सभी महिलाओं को समर्पित किया है जो सीमाओं को तोड़कर अपने सपनों को साकार करने का साहस रखती हैं।

जिस घर में संवाद नहीं

जिस घर में है संवाद नहीं, वह घर भी है आबाद नहीं
जहां बुजुर्ग जीवन का अनुभव किसी की बुनियाद नहीं,
दिखने को वह भरी गृहस्थी बरबाद नहीं तो शाद नहीं।
यह क्या कोई जीना है चुप रहकर खाना, पीना है
भले तेरती लगे तुम्हें, पर वह छेदों भरी सफीना है।
एक दूसरे को देखें, पर आपस कोई बात नहीं,
कहने को वह घर है, लेकिन वहां प्रेम जज्बात नहीं,
जहां न मुखिया सजग नियंत्रण युवा, बाल, मनमानी हो,
अपनी–अपनी ढपली सबकी गाते राग विरानी हो।
केवल चेहरे देख देखकर वह घर कैसे जीएगा,
दुर्लभ मिले मनुज जीवन में कैसे मधुरस पीयेगा ?
जहाँ व्याप्त अतुल कण्ठ में नेह भरा मनुहार की
अन्न धान से भरे हों कोठे किन्तु कमी हो प्यार की।

उत्तरांचल

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

खाटू श्याम मंदिर दर्शन, पिकनिक, सामूहिक लंगर-भंडारा, संगीतमय सुंदरकांड

गूंजे चंग रा सुर, रंग बरसे री बौछार,
सब बहनां ने मिल धूम मचा,
मनायो होली रो त्योहार।

क्षितिजा – 2025 नागपुर बैठक में दिल्ली प्रदेश से 19 बहनों की उपस्थिति तथा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में सहभागिता व खूब पुरस्कार प्राप्त किए।

घर बैठे मतदान – व्यंग्यात्मक कविता लेखन प्रतियोगिता में प्रदेश बहन आरती भंडारी ने राष्ट्रीय मंच से प्रथम विजेता पुरस्कार हासिल किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता ''हां मैं हूं स्वयंसिद्धा'' में प्रदेश की बहन पूजा काल्या ने टॉप 10 में अपना स्थान बनाया। आंचलिक वाद-विवाद प्रतियोगिता ''मिलिया दर्पण'' में बहन शीतिका ढिंगानी ने विषय के पक्ष टीम साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आंचलिक प्रतियोगिता **''त्योहारों री रंग-मीठी मारवाड़ी के संग''** नृत्य नाटिका में उत्तरांचल की टीम प्रथम स्थान पर रही जिसमें दिल्ली प्रदेश से नीरू लाहोटी, प्रीति लड्ढा व शालिनी माहेश्वरी ने सहभागिता प्रदान कर प्रथम विजेता पुरस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता ''पतंग सजाओ'' में दिल्ली से मोनिका लड्ढा को तृतीय स्थान तथा पूजा विजयवर्गीया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वस्त्रम् – साड़ी वितरण में राष्ट्रीय मंच से मिडिल प्रदेश कैटेगरी में दिल्ली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वार्षिक रिपोर्ट वाचन प्रतियोगिता में दिल्ली प्रदेश को उत्तरांचल में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बच्चों को अपने संस्कारों से अवगत करवाने हेतु संक्रांति, कुंभ मेला तथा महाशिवरात्रि पर्व के महत्व व अलग अलग प्रांतों में मनाने के तरीकों को समझाने हेतु कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा दिवस प्रथम सालगिरह, बसंत

पंचमी त्यौहार तथा नव वर्ष की शुरुआत खाटू श्याम मंदिर दर्शन, पिकनिक, सामूहिक भजन–भंडारा, संगीतमय सुंदरकांड पाठ वाचन, गौ सेवा और जरूरतमंद गरीब बच्चों की शादी में सहायता जैसे पुण्य कार्य के साथ की गई।

पारंपरिक परिधानों में सज–धज कर सखियों संग नाचते गाते, सब बहनों ने मनाया सुख सौभाग्य मंगल पर्व गणगौर का त्यौहार। दिल्ली प्रदेश द्वारा अमृत उद्यान राष्ट्रपति भवन भ्रमण के साथ होली मिलन समारोह आयोजित किया गया।

सभी क्षेत्रों द्वारा भरपूर हर्षोल्लास सहित चंदन–गुलाल तिलक से स्वागत करते हुए होली गीतों पर चंग वादन, हास्य नाटिका मंचन, कविता पाठ, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, गणगौर क्वीन प्रतियोगिता संग विभिन्न प्रकार से होली तथा गणगौर पर्व मनाया।

महिला दिवस पर 50+ उम्र की बहनों के डिजनरेटिव चेंजेस की प्रक्रिया को कैसे धीमा करें, फिजिकल व मेंटल फिटनेस, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, मेनोपॉज, पीसीओएस, मैमोग्राफी का महत्व, ब्रेस्ट कैंसर व सेल्फ एग्जामिनेशन इत्यादि विषयों पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता लाने हेतु वरिष्ठ डॉक्टरों के साथ कार्यशालाएं आयोजित की गई।

सेवार्थ कार्य अन्तर्गत दिल्ली प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा दो जरूरतमंद माहेश्वरी परिवार के बच्चों की पढ़ाई हेतु प्रति माह 2500/- तथा 3525/- की सहायता दी जा रही है।

अध्यक्ष : श्यामा भांगड़िया ❖ सचिव : लक्ष्मी बाहेती

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''नानी बाई रो मायरो'' त्रिदिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम एवं चुनरी मनोरथ सम्पन्न

> जीवन में भक्ति का होता मूल्य अपार,
> सच्चे मन से जब भी कोई करता है पुकार,
> दीन दुखी की सेवा में प्रभु रहते हैं तैयार,
> चाहे भक्ति मीरा की हो या नरसी का भाव।

नानी बाई रो मायरो त्रिदिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत 15,16,17 अप्रैल को पूर्ण किया गया। भक्ति रस में आनंद ऋषिकेश के गंगा तट त्रिवेणी घाट पर लिए गए।

उद्घाटन कर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़, पूर्व वित्त मंत्री उत्तराखंड प्रेमचंद जी अग्रवाल, ऐलेम्बक फार्मा के ओनर अमर जी बेरवाल, मंजु जी मांधना, प्रीति जी तोषनीवाल, मंजु जी हरकुट, मंजु जी माहेश्वरी, सुरेन्द्र जी कालंत्री, महेश जी राठी, अनिल जी माहेश्वरी, सौरभ माहेश्वरी एवं अन्य कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति से उद्घाटन सत्र शोभायमान हुआ।

केन्द्रीय पदों की शुभकामनाओं से प्रदेश को कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रोत्साहन मिला। प्रदेश पदाधिकारी मंजु जी सोमानी और अध्यक्ष सीमा जी मूंदड़ा द्वारा स्वागत किया गया। सेवा कार्य अंतर्गत बत्ती बनाने वाली मशीन एक बहन को जीवन यापन हेतु भेंट की गई। कथा आचार्य महावीर प्रसाद जी वशिष्ठ द्वारा कथा का आरंभ किया गया। सुंदर झांकी से मनोरंजन किया गया। सांस्कृतिक संध्या में रिश्तों पर आधारित कार्यक्रम किया गया, जिसमें विभिन्न रिश्तों की नोकझोंक और त्योहार का महत्व संदेश सहित दर्शाया गया। फूलों की होली से वृंदावन और बांके बिहारी की झांकी सज गई। द्वितीय दिवस कथा में नरसी जी की भक्ति के बारे में चर्चा हुई। जूना अखाड़ा प्रमुख महामंडलेश्वर रवींद्र पुरी जी महाराज द्वारा सुंदर प्रवचन दिया गया।

''चुनरी मनोरथ'' में मां गंगा को चुनरियां समर्पित करते हुए पंडितों को दी गई और घाट पर उपस्थित अन्य जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां भेंट की गई। त्रिवेणी घाट की सुंदर आरती से भक्तजनों को आनंद आया और दीपदान के अंतर्गत माहेश्वरी हैं हम लिखकर अपने अस्तित्व की

पहचान को रखने का प्रयास किया। आध्यात्मिक तंबोला और खेलों से उपस्थित स्वजनों का मनोरंजन किया गया पुरस्कार वितरण भी संपन्न हुआ। गुरुकुल के विद्यार्थियों को स्टेशनरी सामान के साथ नाश्ते का और दक्षिणा का वितरण किया गया। तृतीय दिवस मातृ उत्सव में भगवान श्री कृष्ण की कृपा से भाव भरा गया बहनों ने अपनी आध्यात्मिक और भक्ति का परिचय दिया निर्मोही अखाड़ा प्रमुख श्री यतीन्द्र नन्द गिरी जी महाराज की उपस्थिति से आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रदेश की बहनों के सहयोग, समझ और कार्य कुशलता द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास किया गया। विशेष राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ और उत्तरांचल संयुक्त मंत्री मंजु हरकुट द्वारा प्रदेश अध्यक्ष और सचिव को सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष –सीमा मूंदड़ा ● सचिव–अनु सोमानी

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

प्रदेश कार्यसमिति कार्यकारिणी बैठक ''धूलिवंदन''

प्रदेश कार्यसमिति कार्यकारिणी बैठक ''धूलिवंदन'' में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ की वर्चुअल शुभकामनाओं के साथ गणगौर दुलार बनौरा एवं होली कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्कृति और परंपराओं और विविध प्रतियोगिता के साथ चार पीढ़ी एवं सभी साथियों संग उत्सव मनाना।

गणतंत्र दिवस 150 गीत गाये तिरंगा लहराते राष्ट्रगान, झांकियां, बच्चों द्वारा भारत दर्शन, 6-14 वर्षीय 75 बच्चों ने रामायण कथा सुनी। सक्षम के अंतर्गत गोबर के उपलों के अलावा गोबर के लड्डू, रंग बिरंगी कपड़े की टोपी और फूलों एवं पत्तों से हर्बल कलर को भोलिन बस्ती में बनवाकर सेल। प्रकृति का माननीय गद्यात्मक चित्रण चतुर्थ प्रतियोगिता 3 प्रविष्टि राष्ट्र में भेजी गई। गोदाजी व श्री रघुनाथ भगवान विवाह, प्रसिद्ध गायक संजय मुकुंदगढ़ द्वारा मारवाड़ी गीतों का चंग व बांसुरी धमाल, माघी पूर्णिमा गंगा स्नान। शीतला माता पूजा, 108 कुंडी गायत्री महायज्ञ, राम मंदिर प्रथम प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर यात्रा, महाशिवरात्रि अभिषेक परिवार संग प्रयागराज महाकुंभ स्नान। धुलंडी पर सीमा डाबर के निवास स्थान पर एकत्रित हो अबीर गुलाल संग होली, रंजना भट्टड़ के सौजन्य से ब्रज में 250 लोगों के साथ कुंजमाला, गुम्मी मनोरथ आयोजन।

अपना घर आश्रम में मानसिक विक्षिप्त (प्रभु जी) अगरबत्ती, साबुन, धूपबत्ती टिशु, रजाई कंबल, साड़ी, बच्चों को ब्लैक बोर्ड, स्टेशनरी, धार्मिक पुस्तक सामग्री, कुल

सहयोग 43200 एवं राष्ट्रीय प्रोजेक्ट वस्त्रम् साड़ी, सिलाई मशीन, एकलव्य एकेडमी में दाखिला हेतु दक्षिणा, 56 किलो गुड़ सवा मणि, 470 दरिद्रनारायण भोजन-दक्षिणा व अबीर- गुलाल, पिचकारी वितरण।

सह प्रभारी श्रीमती कल्पना अटल के प्रयास से एक संबंध में सफलता। राष्ट्रीय बैठक क्षितिजा में त्रैमासिक रिपोर्ट में प्रदेश को कोहिनूर केटेगरी, विविधा दर्पण में रुचि उपविजेता, त्यौहार री रस मीठी मारवाड़ी के रंग में सीमा, रजनी, राधिका प्रथम स्थान, पतंग सजाओ प्रतियोगिता में

माधवश्री प्रथम एवं रजनी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

अध्यक्ष–सीमा झंवर ◆ सचिव–नीलम मंत्री

पश्चिमी उत्तरप्रदेशमाहेश्वरी महिला संगठन

पश्चिमी उत्तरप्रदेश की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक एवं वस्त्रम् प्रोजेक्ट सम्पन्न

राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक क्षितिजा नागपुर में प्रदेश की 14 बहनों की उपस्थिति। आंचलिक प्रतियोगिता त्यौहारा री रस मीठी मारवाड़ी के संग नृत्य नाटिका में उत्तरांचल की टीम प्रथम विजेता रही। 'मैं हूं स्वयं सिद्धा' प्रतियोगिता में शिप्रा जी राठी (मथुरा) को Top Ten में स्थान व Beauty with substance के खिताब मिला। आंचलिक वाद विवाद प्रतियोगिता विविधा दर्पण में परिवार में व्यक्तिगत स्वतंत्रता उचित या अनुचित टॉपिक पर पक्ष में खड़ी टीम में प्रदेश से अपूर्वा जी माहेश्वरी विजेता रही। विपक्ष टीम में भी प्रदेश से कविता जी माहेश्वरी उपविजेता बनी। वस्त्रम् साड़ी वितरण प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय मंच से मिडिल प्रदेश केटेगरी में प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मकर संक्रांति पर सभी संगठनों द्वारा ऊनी वस्त्र खाद्य सामग्री एवं वस्त्रम् प्रोजेक्ट के अंतर्गत ली गई साड़ियां प्रदेश के 17 संगठनों ने विभिन्न स्थान अपना घर आश्रम, कुष्ठ आश्रम, वृद्धाश्रम, मलिन बस्तियां, मजदूर वर्गों इत्यादि में बांटी गई। मौनी अमावस्या पर गौशाला में दान दिया गया। जूम बैठक के अंतर्गत फिजियोथैरेपिस्ट एकता माहेश्वरी द्वारा सर्दियों में बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने व सर्वाइकल के दर्द की रोकथाम हेतु विभिन्न एक्सरसाइज बताईं। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट face and fight with कैंसर की जानकारी से अवगत कराया। कैंसर उन्मूलन योजना के अंतर्गत वैक्सीनेशन की अपील की गई। प्रदेश की कोशिशों से मान्सी राठी ग्वालियर के साथ माधव केला फरीदाबाद का संबंध तय हुआ। आईडी मंडलम एप में अपलोड की गई। 5 संगठनों द्वारा विभिन्न त्यौहार पर कन्या के विवाह हेतु जरूरत का सामान प्रदान किया गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मथुरा माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 25 फरवरी दिन मंगलवार को स्थानीय एस डी टी खजानी इंस्टिट्यूट में एक बैठक का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ व संस्कृति सिद्धा राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी ने सभी प्रदेश पदाधिकारियों के साथ सांसद हेमा

मालिनी जी के आवास पर उनसे मुलाकात की एवं उनको शक्ति वंदन सम्मान एवं हस्त निर्मित छवि चित्र प्रदान किया गया। प्रदेश संरक्षिका कांता जी भगवानी सामाजिक कार्य की प्रति समर्पण हेतु लोक सभा स्पीकर ओम जी बिरला द्वारा सम्मानित की गईं। एवं सक्षम प्रोजेक्ट में राष्ट्रीय संगठन द्वारा स्टार सदस्य का सम्मान मिला।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा मथुरा भ्रमण एवं सुप्रसिद्ध नृत्यांगना व सांसद हेमा मालिनी का सम्मान

माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा स्थानीय एल.डी.टी. ब्रजवासी इंस्टिट्यूट (मथुरा) में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कानपुर से पधारी राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर के साथ इस आयोजन को सफल बनाया ।

प्रदेश अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी, सचिव–रजनी हरकुट, विनीता राठी,कांता भगवानी,अनुपम माहेश्वरी सभी सम्मानित अतिथियों ने अपने उद्‌गार व्यक्त किए।

इंस्टिट्यूट की डायरेक्टर शिप्रा राठी ने अपने इंस्टिट्यूट में हस्तनिर्मित पटकों एवं गाय के गोबर से निर्मित प्लांटर के साथ एवं महिला संगठन अध्यक्ष रेखा शारदा एवं तृप्ति द्वारा धार्मिक पुस्तकों से सभी का अभिनंदन किया गया। मंजुजी ने अपने उद्बोधन में प्रभु श्री राम के स्वरूप का स्मरण करते हुए विचार व्यक्त किए।

1–संस्कारों के प्रति सजग रहने–आपने कहा–अकाल हो अगर अनाज का तो मानव मरता है, अकाल हो अगर संस्कारों का तो समूल बिगड़ता है। आपने पदाधिकारियों को इंजन की तरह भूमिका निभाने का कहा व निर्धारित लक्ष्य पर चलने को कहा।

इंस्टिट्यूट के प्रमुख एवं शिप्रा राठी (स्वयं सिद्धा में टॉप टेन में चयनित) द्वारा किए जा रहे कार्यों (सामाजिक ढांचे की बेहतरी की ओर कृत संकल्पित) की मंजू जी बांगड़ ने मुक्त कंठ से सराहना की। उन्हें असल में स्वयं सिद्धा कहा । रेखा शारदा ने स्वागत भाषण,प्रिया,शिप्रा एवं तृप्ति राठी द्वारा संचालन एवं आभार किया गया ।

इस अवसर पर वृंदावन में मंजू जी बांगड़ ने सभी पदाधिकारियों के साथ भारतीय अभिनेत्री, प्रसिद्ध नृत्यांगना, राजनेता सांसद हेमा मालिनी जी से भी मुलाकात की– उनका अभिनंदन करते हुए राष्ट्रीय संगठन की ओर से शक्ति वंदन सम्मान दिया एवं संगठन की एक बहिन द्वारा बनाया गया पोर्ट्रेट प्रदान भी किया गया । इस अवसर पर अनुपम माहेश्वरी द्वारा एक धार्मिक एप भी हेमा जी के द्वारा लांच किया गया–जिसमें बाहर से आए तीर्थ यात्रियों को ब्रज के भ्रमण से संबंधित सभी जानकारियों से अवगत कराया जाएगा। बहुत ही कम समय में मथुरा स्थानीय महिला संगठन द्वारा आयोजित कार्यक्रम सराहनीय रहा।

प्र.अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी ❖ प्र.सचिव–रजनी हरकुट

पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

सप्तम कार्य समिति एवं चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक उत्कर्षा का था आगाज

सप्तम कार्य समिति एवं चतुर्थ कार्यकारिणी बैठक उत्कर्षा का था आगाज।
भदोही के ग्रीन व्यू पब्लिक स्कूल में उपस्थित,
सभी को मिल गई जैसे एक नई परवाज।
आगाज से अंजाम तक सब कुछ था लुभावन।
यादगार बन गया हर पल, कुछ यूं पकड़ा खुशियों ने दामन।।
दिल जीत लिया, अप के अन्दर संस्कार ने।
बिना बरसे भी बरस गया, स्नेह का सावन।।
बहुत सुंदर मुस्कान,रिद्धिमा,जागृति,ध्रुवी,वामाक्षी द्वारा गणेश वंदना,भदोही से अति सुन्दर थी महेश वंदना।
उत्कर्षा नाम को सार्थक कर गया,
ममता,रेखा,वीणा भदोही द्वारा स्वागत गीत ने दिल जीत लिया।
रेखा,अंकिता की नपी-तुली एवं सधी वाणी ने पूरे कार्यक्रम को गरिमामय कर दिया।
रेखा,पारूल,कुमुद द्वारा वाराणसी की सहेलियों की नोक झोंक,
मस्ती मजाक में समझा गए, घर में ही है चारों धाम।
सभी बहनों का भरपूर जोश,मौसम की गर्मी का बिल्कुल भी ना हुआ एहसास,
मोना,गरिमा,सीमा,नंदिनी,पूजा भदोही की बहुओं के सुन्दर नारी ऐक्ट ने सभी में डाल दी नई श्वास।
मिर्जापुर से आई स्मिता की निगाहों पर अद्भुत प्रस्तुति,
सभी के मन को मंत्र मुग्ध कर गई।
महिलाओं द्वारा किए जाने वाले अपने कामों का सुंदर विवरण विज्ञापन के माध्यम से किया उसका सुंदर चित्रण।
ठाकुर जी की सुन्दर, मनमोहक पोशाकें,निर्णायकों का सुंदर निर्णय
सुस्वाद नाश्ता एवं भोजन,कैसे करें आपको शुक्रिया अर्पण।
मुख्य अतिथि अ.भा.मा.महासभा महा मंत्री श्री अजय जी काबरा का आशीर्वाद मिला,
किस-किस का धन्यवाद करूं, सभी से इतना स्नेह मिला।
सभी समितियों ने किया, अलग अनूठा काम,
अपने अपने स्तर पर, सभी का बढ़ा दिया है ज्ञान।
प्रदेश की बहनों का उत्साह,जैसे तपती धूप में छिटक गयी हो चांदनी,
एक दूसरे से मिले ऐसे, जैसे बज उठी हो शहनाई
खुशी हर चेहरे पर दिख रही थी प्रत्यक्ष
जब सभागार में सभी बहनें, आयी एक दूसरे के समकक्ष
यूं ही चढ़ता रहे प्रदेश नित नए सोपान
बढ़ता रहे सदा प्रदेश का सम्मान
भदोही की बैठक प्रदेश अध्यक्ष भारती करवा जी की अध्यक्षता में शुरू हुई। बैठक का संचालन सचिव पुष्प धूत ने किया। इसमें पूर्व संयुक्त मंत्री एवं संरक्षक श्रीमती शशि जी नेवर, कार्य समिति उमा जी डागा, कोषाध्यक्ष स्मिता बियानी, संगठन मंत्री आभाजी काबरा उपस्थित रहीं। धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष सीमा जी लखोटिया ने दिया।बैठक में समाज की 125 बहनें उपस्थित थीं।

अध्यक्ष -भारती करवा ❖ मंत्री -पुष्पा धूत

मानवता की सेवा महाकुंभ में 30000 श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण करवाया

मानवता की सेवा,ईश्वर की सच्ची सेवा माहेश्वरी समाज, जो बरसों से सेवा कार्य के लिए जाना और पहचाना जाता है समाज के हर एक समाज बंधु के अंदर समाज को कुछ देने की प्रवृत्ति हमेशा से ही रही है एवं रहती है। और यही वजह थी। समाज के प्रत्येक व्यक्ति ने महाकुंभ में आए यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए उनके खाने एवं स्वच्छ जल की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 31 जनवरी से 04फरवरी तक भोजन कराने का संकल्प लिया। जिसमें लगभग 30000 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। प्रदेश द्वारा Emotional Weight loss पर एक सेमिनार लिया जिसकी मुख्य वक्ता मैडिटेशन कोच श्रेया लाखोटिया ने बहुत ही ज्ञानवर्धक सेमिनार लिया जिसमें उन्होंने मन को स्वस्थ करने की बहुत सारी सरल टेक्निक से हमें परिचित करवाया एवं यौगिक प्राणायाम के बारे में भी बताया। सदस्यों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों के भी समाधान दिए। इसमें 80 सदस्यों की उपस्थिति थी।

प्र.अध्यक्ष-भारती करवा ※ प्र.सचिव-पुष्पा धुत

आतंकी हमले के विरोध में महिलाओं ने निकाला कैंडल मार्च

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से पहलगाम नरसंहार के विरोध में नयागंज में कैंडिल मार्च निकाला गया। इस दौरान आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। श्रीमती मंजु बांगड़, शोभा झंवर, नीलम, शालिनी करनानी, रिया बांगड़, रुचि बाहेती, तुषिता, प्रीति आदि शामिल रहीं।

दक्षिणांचल

तेलंगाना आंध्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

40 साड़ियां गांव-गांव जाकर जरूरतमंद बहनों में बांटी व गीजर लगवाये

तेलंगाना आंध्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन में तेलंगाना सभा एवं युवा संगठन के साथ में सभापति संदीप जी काबरा का कार्यक्रम संगठन आपके द्वारा संपन्न हुआ। मेन्स्ट्रुअल हाइजीन की कार्यशाला 70 किशोरी लाभान्वित बसंत ऋतु में भजन के कार्यक्रम वस्त्रम प्रोजेक्ट के अंतर्गत 340 साड़िया गांव-गांव जाकर जरूरतमंद बहनों में बांटी गई। अनाथालय में तीन गीजर लगाए गए एवं तिल के लड्डू बांटे गए गर्ल्स हॉस्टल में 87 गर्ल्स को रक्त परीक्षण सेनेटरी पैड मल्टी विटामिन दवा वितरित की गई। गणतंत्र दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर, प्रभात रैली एवं बच्चों के हॉस्टल में जाकर पुराने गेम्स खिलाए गए। ज्योमेट्री बॉक्स स्टेशनरी का वितरण जिला संगठन द्वारा नारी शक्ति द्रौपदी का मंचन, प्रतिमाह सिलाई मशीन संगठन की तरफ से दी जा रही है। सभी जिले एवं स्थानीय संगठन में शीतला माता की पूजा का प्रसाद डिस्पोजेबल थालिया में पैक करके लाने का आवाहन। 1500 थालियां मजदूर एवं जरूरतमंद में बांटी। 4 जरूरतमंद कन्या को दायजे का पूरा सामान दिया गया। सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण के प्रचार प्रसार हेतु डॉक्टर सचिन मरदा कैंसर विशेषज्ञ का सेमिनार रखा गया। नागपुर बिजिज मीटिंग में रिपोर्ट वाचन में दक्षिणांचल के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार एवं शालीमार कैटेगरी प्राप्त हुई। सभी स्थानीय संगठन में एवं जिलों में होली के भजन एवं गोरजा माता के सांस्कृतिक कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से मनाए गए आगामी अप्रैल में दक्षिणांचल अधिवेशन हमी में लिया जा रहा है। उसकी तहत तैयारी शुरू हो चुकी है जिला के साथ मीटिंग ली गई एवं फंड रेजिंग के लिए तंबोला का आयोजन किया गया। मकर संक्रांति के उपलक्ष में गायों को गुड़ के आइटम बनाकर के जाकर खिलाए गए बहनों को नई-नई तकनीक से अवगत कराने के लिए स्थानीय संगठन में संचार समिति द्वारा कार्यशालाएं ली गई।

शीतला माता की पूजा का प्रसाद डिस्पोजेबल थालिया में पैक करके लाने का आवाहन। 1500 थालियां मजदूर एवं जरूरतमंद में बांटी। 4 जरूरतमंद कन्या को दायजे का पूरा सामान दिया गया।

प्र.अध्यक्ष-रजनी राठी • प्र.सचिव-मंजु लाहोटी

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

10 मार्च को महिला संगठन की बैठक गदग जिला में सम्पन्न
बढ़ती धूप से बचने हेतु संभाजी नगर में 100 छतरी व खजूर पैकेट का वितरण

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक ''सानिध्यम'' 10 मार्च को गदग जिला के विमल रिसोर्ट में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उद्घाटनकर्ता दक्षिणांचल संयुक्त मंत्राणी रेणुजी सारडा मुख्य अतिथि ज्ञान सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. अनुराधाजी जाजू विशिष्ट अतिथि अष्ट सिद्धा समिति की दक्षिणांचल सह प्रभारी शोभाजी मूंदड़ा। मातृकुल रीत सिद्धा समिति की दक्षिणांचल सह प्रभारी कमलाजी लोयलीवाल, राष्ट्रीय ट्रस्ट कोषाध्यक्ष प्रकाशजी मूंदड़ा एवं कार्य समिति सदस्य पुष्पाजी सिलखा की उपस्थिति में यह कार्यक्रम धूमधाम से दसों समितियों के साथ संपन्न हुआ।

द्वितीय सत्र दसों समितियों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभी स्थानीय अध्यक्षों द्वारा रिपोर्ट वाचन प्रतियोगिता रखी गई जिसके निर्णायक दक्षिणांचल संयुक्त मंत्राणी रेणुजी सारडा एवं सत्र संचालक प्रकाशजी मूंदड़ा रहे। सभी अध्यक्षों द्वारा बहुत सुंदर रिपोर्ट वाचन हुआ विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति के अंतर्गत परिवर्तन के रंग अनुशासन के संग विषय पर डॉ. अनुराधाजी जाजू द्वारा वक्तव्य रखा गया। संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति द्वारा बढ़ते बच्चों के हिसाब से प्रेजेंटेशन दिखा दिए गए।

स्वयंसिद्धा महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा महिलाओं को सशक्त होना क्यों जरूरी कारण निवारण सभी पॉइंट टू पॉइंट समझाए गए। प्रदेश के कई शहरों में महिला दिवस के अंतर्गत कार्यक्रम हुए।

जन्मदिन मनाने के तरीकों पर आधारित अथवा जन्मदिन स्वरचित कविता प्रस्तुत की गई। राम नाम की महिमा का वर्णन करते हुए नाटिका प्रस्तुत की गई, उज्वला जी बासट और टीम द्वारा सुंदर होली धमाल भजन प्रस्तुत किया गया, एवं कार्यक्रम के अंत में फूलों की होली का सुंदर आयोजन हुआ। होली के निमित्त बागलकोट गुलेजगुड इलकल दांडेली बेंगलुरु आदि शहरों में लड्डू गोपाल संग फूलों की होली का आयोजन धूमधाम से हुआ।

बचपन से ही महिलाओं के अलग-अलग रूप और रिश्तों की जानकारी देते हुए नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई।

बेंगलुरु में गणगौर सिंजारा कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान हुआ। ''प्रदूषण हटाओ-प्रकृति को बचाओ'' नुक्कड़ नाटिका प्रस्तुत की गई। तकनीकी ज्ञान समिति द्वारा प्रभावशाली : 24 सवालों का क्विज प्रतियोगिता लिया गया। गूगल मैप और गूगल लेंस के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और सवालों का समाधान भी किया गया।

''**रीत वही सोच नई**'' नाटिका प्रस्तुत की गई जिसका संदेश ''समानता की सिर्फ बातें ना करके अगर हम अपने रिश्तों में समानता लाए तो हमारा रिश्ता बहुत सुन्दर और मजबूत बनेगा।''

अध्यक्ष-सरोज बासट ◆ सचिव-सुनीता लाहोटी

मुंबई प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

हल्दी कुमकुम का सफल कार्यक्रम

मुंबई प्रदेश में विवाह समिति द्वारा कांता जी मालपानी, संयोजिका विवाह समिति , कल्पना जी लोहिया अध्यक्ष विवाह समिति, अनिताजी माहेश्वरी, अध्यक्ष मुंबई प्रदेश, सीमा जी बागला, मंत्री मुंबई प्रदेश, मोनिकाजी मालपानी, संयोजिका गठबंधन समिति के नेतृत्व में Meet and Greet अविवाहित लड़के और लड़कियों के लिए 16 फरवरी 2025 को संजय गांधी नेशनल पार्क, बोरीवली में आयोजित किया गया, इसमें 24 लड़के और 26 लड़कियों ने भाग लिया। गेम्स खिलाए गए, सभी को बोटिंग करवाई गई ताकि एक दूसरे से पहचान बना सके, सभी ने स्वादिष्ट नाश्ते का आनंद उठाया, चटपटी चाट और बोटिंग का मजा लिया, ऐसा लग रहा था कि इतना अच्छा समय मिला सभी को एक दूसरे को जानने के लिए, सभी ने ये इच्छा जताई कि ऐसे ही आयोजन आगे भी होने चाहिए। हमें सबसे प्रतिक्रिया में यही सुनने मिला कि यह इनफॉर्मल को फॉर्मल बनाने का अच्छा तरीका है। सभी ने इस प्रयास की सराहना की। क्योंकि इस तरह से बिना पारिवारिक दबाव के मिलना बहुत ही अच्छा महसूस हुआ।

मुंबई प्रदेश के अंतर्गत घाटकोपर महिला समिति द्वारा संक्रांति के पावन अवसर पर उर्मिलजी सिंगी, संयोजिका के नेतृत्व में हल्दी कुमकुम का सफल कार्यक्रम संपन्न हुआ। समिति की सभी बहनों ने मिलजुल कर डेकोरेशन किया है जिससे नजदीकियां बढ़े।

बोरीवली क्षेत्रीय महिला समिति द्वारा सुनीता जी लोया के नेतृत्व में 22 जनवरी को महिला स्वास्थ्य परिचर्चा रखी गई डॉक्टर मनीषा दम्माणी गायनोलाजिस्ट जलगांव से आई। उन्होंने महिला स्वास्थ्य से संबंधित सरल,सहज तरीके से पीपीटी पर ज्ञान वर्धक जानकारी दी। कार्यक्रम का 75 बहनों ने लाभ लिया और सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।

वृद्ध आश्रम में भोजन, दैनिक उपयोग का सामान वितरित

मुंबई प्रदेश के अंतर्गत गोरेगांव क्षेत्रीय महिला समिति, द्वारा आयोजित मकर संक्रांति के अवसर पर 24 जनवरी 2025 को केशव सृष्टि भाइंदर में समाज की बहनों के सहयोग से वृद्ध आश्रम में पूरे दिन का भोजन, दैनिक उपयोग का सामान,गोदान एवं गायों के लिए सवामणी का कार्यक्रम लता जी परवाल के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्र.अध्यक्षा–अनीता माहेश्वरी ❖ प्र. मंत्री–सीमा बागला

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

बढ़ती धूप से बचने हेतु संभाजी नगर में 100 छतरी व खजूर पैकेट का वितरण

कार्यकारिणी बैठक ''संजोग सिद्धि'' का आयोजन

4-5 जनवरी को सोलापुर में द्वितीय कार्यकारिणी बैठक ''संजोग सिद्धि'' का आयोजन हुआ। उद्घाटनकर्ता आदरणीय अन्नाजी लाहोटी थी। मुख्य वक्ता डॉ अनुराधाजी मालू थी। बचत प्रोजेक्ट में महाराष्ट्र-राष्ट्र में अव्वल रहा। ओजस्विनी सहल दो लोकदान अंजलिजी तापड़िया और आ. अरुणा जी लड्ढाने दिए। संभाजी नगर में डॉ सूर्यकांताजी जाजू का पारिवारिक जीवन को कैसे सुलभ बनाएं पर व्याख्यान हुआ। सोलापुर में 4000 बहनों की उपस्थिति में महालक्ष्मीजी की कुमकुम अर्चना की गई। जलगांव में 10 महिला क्रिकेट टीम ने स्पर्धा में हिस्सा लिया। शैलाजी कलंत्री को जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जलगांव ने 500 जरूरतमंदों को स्वेटर शॉल मफलर वितरीत किए। चि. विहान बागलाने गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर बैंड में प्रतिनिधित्व किया। बढ़ती धूप से बचने हेतु संभाजी नगर में 100 छतरी व खजूर पैकेट का वितरण हुआ। मंठा में गुरुकुल विद्यालय में खाना गर्म करने का मशीन दिया गया। जालना में 200 कन्याओं को गर्भाशय कैंसर रोकने हेतु एचपीवी वैक्सीन दिया। सखी खेल स्पर्धा प्रदेश स्तर पर अहिल्या नगर जिला ने ली, 144 एंट्रीज आई प्रदेश से बाहर की 27 एंट्री थी। सोलापुर में बच्चों का सर्वांगीण विकास, समय अनुसार बदलते मातृत्व की भूमिका और संस्कारों का समन्वय इस विषय पर विविध विद्यालयों में व्याख्यान का आयोजन हुआ।

प्र.अध्यक्ष-सुनीता पलोड़ ❀ प्र.सचिव-सुनीता परख

ध्यान से पढ़ें और अमल में लायें माहेश्वरी समाज के सभी भाई- बहनों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

जाति जनगणना में माहेश्वरी लिखवाना अत्यंत आवश्यक

भारत सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत विवरण शामिल करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस जनगणना में प्रत्येक नागरिक से उनकी जाति पूछी जाएगी और उसका विधिवत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इस सन्दर्भ में सभी माहेश्वरी भाई-बहनों से विनम्र अपील है कि जब भी आपसे जाति पूछी जाए, तो जाति के कॉलम में केवल माहेश्वरी ही लिखवाएं। कृपया निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें

❀ जाति कॉलम में केवल माहेश्वरी लिखवाएं। ❀ कोई उपनाम या गच्छ/संप्रदाय जैसे शब्द न जोड़ें।

❀ अपने परिवार के सभी सदस्यों को इस निर्देश का पालन करने के लिए सुनिश्चित करें।

इससे क्या लाभ होगा?

❀ सरकार के पास हमारे समाज की वास्तविक जनसंख्या का सही आँकड़ा उपलब्ध होगा। ❀ सरकार द्वारा माहेश्वरी समाज के लिए योजनाएं बनाना आसान होगा। ❀ माहेश्वरी समाज की सांख्यिकीय पहचान सुदृढ़ होगी। हमारी मांगों को अधिक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सकेगा। आपका यह छोटा सा प्रयास समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगा।

पश्चिमांचल

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

वियतनाम सद्भावना यात्रा, मांडना एवं पतंग सजाओ प्रतियोगिता

''तेजस'' कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर,पश्चिमांचल एवं पूर्वी राजस्थान ''वियतनाम सद्भावना यात्रा'' रखी गई। जनवरी माह में कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर रखा गया। पश्चिमांचल एवं पूर्वी राजस्थान की बहनों की सहभागिता रही सुबह 9.00 बजे दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई इसमें संजय जी मालपानी गीता परिवार के उपाध्यक्ष गोविंद जी मान्धना , निर्मला मारू भाभी का सानिध्य मिला कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया कि बच्चों को कैसे संस्कारित किया जाए ,किस तरीके से खेल-खेल में हम सभी चीज सिखा सकते हैं जैसे कि भावना, योग प्राणायाम भोजन के पहले मंत्र बोलना सभी को सिखाया गया।

वियतनाम यात्रा 17 मार्च से 22 मार्च तक इस फैलोशिप टूर में 13 वर्ष से 76 वर्ष तक के बच्चे युवा और सीनियर सिटीजन शामिल हुए इस यात्रा में कोटा, भवानी मंडी, इंदौर, जयपुर, दिल्ली, कोलकाता से दंपति शामिल हुए। वियतनाम के होचिमिन, दनांग, हनोई इत्यादि शहरों के दर्शनीय स्थलों की सैर की गई हंगान,ओल्ड सिटी, सुभान टेंपल, होचीमिन म्यूजियम, बाना हिल की रोमांचक यात्रा सन फ्लावर सिटी, मैकॉग डेल्टा, बैंबू एंड कॉफी फैक्ट्री, स्काई वॉक, साइकलो टूर, हॉलिंग बे, टेंपल ऑफ फादर ऑफ फिलोसफी कन्फ्यूशियस, गुफा, केव्स आदि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासतों के भी दर्शन किये

1.मकर संक्रांति पर दान का महत्व देखते हुए वस्त्र अभियान के तहत सभी जिलों में साड़ी का वितरण किया गया।

2. राष्ट्रीय प्रतियोगिता मांडना एवं पतंग सजाओ प्रतियोगिता रखी गई।

3. किरण जी मान्धना द्वारा महिला ट्रस्ट में जन्मदिन पर 11,000 रु. की राशि का सहयोग किया।

4. दो कन्याओं को शादी में काम आने वाला सभी जरूरत का सामान दिया गया ।

5. पूर्वी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मंजू भराडिया प्रदेश सचिव नीलम लापसिया द्वारा मनोहर थाना ब्लॉक का भ्रमण किया गया।

6. गणगौर उत्सव धूमधाम मनाया गया गणगौर पर गीत प्रतियोगिता रखी गई।

प्र.अध्यक्ष-मंजु भराडिया ❖ प्र.सचिव-नीलम लापसिया

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

400 मरीजों की नि:शुल्क जांच एवं 2 बच्चों की पढ़ाई में सहयोग

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन, जिला एवं नगर महिला संस्थान, भीलवाड़ा द्वारा भव्य चुनरी मनोरथ का आयोजन किया गया, जिसमें दो दिवसीय धार्मिक यात्रा के दौरान यमुनाजी को 160 चुनरियाँ ओढ़ाकर महोत्सव मनाया गया। विशेष रूप से दो महिलाओं को निःशुल्क चुनरी मनोरथ करवाया गया। शिक्षा क्षेत्र में सोपान स्वरूप दो बच्चों की पढ़ाई हेतु 32,760 रुपए की सहायता दी गई। एक बहन को सिलाई मशीन एवं दो परिवारों को ट्रस्ट से आर्थिक सहायता दिलाई गई।

बसन्त प्रोजेक्ट में प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान मिला। नागपुर में आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रदेश की दो बहनों ने प्रथम स्थान एवं पांच संभागों में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। स्वयं सिद्धा में दो बहनों ने भाग लिया।

राजसमन्द में महिला दिवस पर 16 वरिष्ठ माताओं का सम्मान किया गया। भीलवाड़ा जिले में काछोला को नई तहसील घोषित किया, जहां 145 महिलाओं ने गणगौर पर सामूहिक उद्यापन किया। उदयपुर में नाटिका द्वारा समाज की समस्याओं पर जागरूकता फैलाई गई। चित्तौड़गढ़ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में लगभग 400 मरीजों की जांच हुई। समस्त जिले में फाग उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया।

अध्यक्ष: सीमा कोगटा • सचिव: डॉ. सुशीला अजमेरा

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

मथुरा में चुनरी मनोरथ एवं रामलला की मूर्ति बनाने वाले का स्वागत

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की तरफ से मथुरा में चुनरी मनोरथ का आयोजन किया गया। वृंदावन, जातीपुरा, बरसाना, नंदगांव में भी दर्शन किए।

8 मार्च महिला दिवस पर के उपलक्ष्य में श्री माहेश्वरी महिला समिति श्रीगंगानगर द्वारा निःशुल्क कैंसर शिविर का आयोजन किया गया। 25000 गायों के लिए टीन शेड बनाने के लिए भेंट किये गए। छोटी काशी बीकानेर में अरुण जी योगीराज अयोध्या में राम मंदिर में

स्थापित रामलला की मूर्ति बनाने वाले योगीराज जी का सीने की सामग्री वितरित की गई। जिला बीकानेर में श्री स्वागत करने का सौभाग्य माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पांच दिवसीय गौ कथा का को प्राप्त हुआ। सोमवती अमावस्या माह माघ में पौलीबना आयोजन किया गया।

द्वारा 100 कम्बल और जूते वितरित किए गए और साथ में महात्मा गांधी स्कूल में 75 बच्चों को जूते, मोजे और खाने

अध्यक्ष-निशा झंवर ❋ सचिव-बेबी कल्लानी

पश्चिमी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

महिला दिवस के उपलक्ष्य में ''फ्री मेडिकल कैंप'' लगाया

जनवरी 10 ,11 ,12 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बिठिजा में त्रैमासिक रिपोर्ट मूल्यांकन में प्रदेश को कोहिनूर कैटेगरी से नवाजा गया। **''मैं हूं स्वयं सिद्धा''** में स्वाति जी मंधना की शानदार प्रस्तुति रही, वाद विवाद में उर्मिला जी की, मारवाड़ी नाटिका त्यौहारों का रंग मारवाड़ी के संग में प्रदेश अध्यक्ष मनीषा जी मूंदड़ा एवं मंजू जी सोनी की सुंदर प्रस्तुति रही, परंपरा सजाओ प्रतियोगिता में मंजू जी ओझिया व शिखा जी मूंदड़ा की प्रविष्टि प्रदेश द्वारा भेजी गई, मांडना प्रतियोगिता में आस्था लाखोटिया जालौर का मांडना भेजा गया एवं प्रदेश की 11 बहनों ने इस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रदेश की सभी जिलों में जनवरी माह में उत्तम प्रोजेक्ट की साड़ियों का वितरण किया गया। अनाथालय में गौशाला में गरीब बस्तियों में विभिन्न प्रकार की खाद्य एवं वस्त्र सामग्री फल आदि सभी जिलों में वितरित किए गए।

बाड़मेर जिले में जनवरी माह में गीता जयंती पर मुकुंद जी के मंदिर में सप्तश्लोकी गीता जी का सामूहिक पाठ किया गया। जोधपुर जिले में भी गीता ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 15500 रुपए बच्चों के स्कूल की फीस भरी गई। जोधपुर जिला पूर्वी क्षेत्र द्वारा 5100 रुपए कन्या विवाह हेतु भेंट किए गए।महिला संगठन उत्तरी क्षेत्र द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कई रोग विशेषज्ञ एवं एक्यूप्रेशर विशेषज्ञ ने अपनी सेवाएं दी। फरवरी 2025 में प्रदेश के सभी जिलों में महिला मंडल द्वारा बसंत पंचमी का एवं उत्सव फाग उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। राष्ट्रीय साहित्य समिति द्वारा आयोजित प्रतियोगिता प्रकृति का मानवीय भावात्मक चित्रण के लिए बाल रूप तक भेजा गया। जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीन के कार्यक्रम का आयोजन 16 फरवरी 2025 को किया गया जिसमें 281 बहनों ने सर्वाइकल वैक्सीन लगवाई।

प्रदेश सचिव श्रीमती रीटा बाहेती द्वारा मोहटन गांव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय भाटियों की ढाणी में 30 मार्च को राजस्थान दिवस एवं नव वर्ष मनाया गया। इस उपलक्ष पर बच्चों को चैत्र नवरात्र एवं नव वर्ष की जानकारी दी गई। रंगोली प्रतियोगिता एवं राजस्थानी नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया।

बाड़मेर जिला सभा द्वारा बालोतरा में श्रीमती अनीता राठी बाड़मेर को पावरलिफ्टिंग में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। बाड़मेर की ही हेमलता माहेश्वरी एवं कल्पना केला को शिक्षक लेवल 2 में सिलेक्शन होने पर सम्मानित किया गया। चौहटन की पूजा माहेश्वरी को शिक्षक लेवल फर्स्ट में सिलेक्शन होने पर सम्मानित किया गया। प्रदेश के सभी जिलों में गणगौर उत्सव को धूमधाम से मनाया गया। माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणी क्षेत्र द्वारा लकवा पीड़ितों को 2100 की दवा प्रदान की गई। सिटी

महिला मंडल द्वारा संयुक्त रूप से कैंसर की जंग जीतेंगे हम पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष पर फ्री मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमें गर्भाशय की गांठ, पीसीओडी, श्वेत प्रदर, मासिक धर्म में होने वाली परेशानी के बारे में जानकारी दी गई। जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के कोषाध्यक्ष का भी चयन कर रिक्त स्थान की पूर्ति की गई।

अध्यक्ष–मनीषा मूंदड़ा ● सचिव–रीटा बाहेती

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

'बदलो दिशा, सुधारो दशा, बढ़ाओ कदम नई राह पर हो जीवन'

संबंध, स्वास्थ्य, संस्कार और संस्कृति की वाहिनी–सुबोधिनी संबंध संस्कार संस्कृति ही है रिश्तों का आधार, जिससे महकता है हमारा संगठन व परिवार।

मध्य राजस्थान प्रदेश के तत्वाधान में विभिन्न समितियों द्वारा आयोजित चतुर्थ प्रदेश कार्यकारिणी व साधारण कार्य समिति बैठक का आयोजन डेगाना में किया गया। मुख्य अतिथि पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती शिखा जी भदादा, अंचल सहप्रभारी श्रीमती सुनीता जी राठी, प्रदेश सभा अध्यक्ष श्री गोपी किशनजी बंग, युवा संगठन अध्यक्ष मधुर जी भिलवा की प्रत्यक्ष उपस्थिति से संपूर्ण मंच प्रकाशमान हो गया। प्रदेश अध्यक्ष शशि लड्ढा, जिला अध्यक्ष शोभा मूंदड़ा, स्थानीय अध्यक्ष सुमित्रा सारड़ा द्वारा अतिथियों का स्नेहपूर्ण शब्द सुमनों द्वारा स्वागत किया गया और प्रदेश सचिव मनीषा बागला द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। संस्कार सिद्धा समिति द्वारा डेगाना के 45 बच्चों के साथ सभी उपस्थित बहनों ने गीता जी के 12वें अध्याय का पारायण किया जिसे सुन सभी का मन अभिभूत हो गया।

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री ने- **''बदलो दिशा, सुधरेगी दशा, बढ़ाओ कदम नई राह पर हो जीवन''** के प्रत्यक्ष उदाहरण विषय से समझाया कि अपने मन की आकांक्षाओं को मत मारो। उन्हें पूर्ण करने का प्रयास करो। **''त्योहारों रो रंग, मीठी मारवाड़ी रे संग''** अंतर्गत बारह महीनों के त्योहारों पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। प्रदेश द्वारा 32 स्थानीय अध्यक्षों को श्रेष्ठतम कार्य के लिए सम्मानित किया गया। नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय बैठक क्षितिजा में प्रदेश से 18 बहनों की उपस्थिति रही जिसमें मध्य राजस्थान से वैदेही गालछन्या ने पत्रम प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। **''हां मैं हूं स्वयंसिद्धा''** में मंजु मुण्डा प्रथम दस व रानी चौधरी प्रथम सोलह में चयनित हुईं। रिपोर्टिंग वचन में प्रदेश को पश्चिमांचल में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ व त्रैमासिक रिपोर्टिंग में प्रदेश को कोहिनूर कैटेगरी से नवाजा गया। मातृशक्ति कैंसर प्रीवेंशन टीकाकरण अंतर्गत किशनगढ़, कुचामन, मकराना, परबतसर, केकड़ी, विजयनगर, मसूदा, भीलवाड़ी मंडल द्वारा जागरूकता शिविर व कार्यशालाएं आयोजित की गयी जिसके अंतर्गत 795 टीकाकरण फॉर्म भरवाये गए। युवा सिद्धा समिति अंतर्गत वर्तमान परिपेक्ष्य में **''रिश्तों में आ रहे बदलाव-सुखद या दुःखद''** पर चर्चा की गई एवं राष्ट्रीय संगठन द्वारा संचालित सभी ट्रस्टों की जानकारी बहनों तक पहुंचाई गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हिंदी ओलंपियाड में आरवी झाबक व काव्या झंवर ने स्टार चैम्पियन बनाया। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज करवाने वाले विधान राठी, सिद्धि डालानी, आरव राठी, आरवी राठी, विवान शारदा व जीनल लाहोटी का सम्मान किया गया। सभी संगठनों द्वारा गणगौर उत्सव बहुत ही हर्ष से मनाया गया।

प्रदेश अध्यक्ष-शशि लढ्ढा ❖ प्रदेश सचिव-मनीषा बागला

अनुकरणीय पहल

मुंबई के अंधेरी ओशीवाड़ा में स्थित माहेश्वरी भवन के सामने के मार्ग का श्रीराम तापड़िया मार्ग नामकरण का ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न

20 अप्रैल को मुंबई के अंधेरी ओशीवाड़ा में स्थित माहेश्वरी भवन के सामने के मार्ग का श्री राम तापड़िया मार्ग नामकरण का ऐतिहासिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी प्रगति मंडल की व्यवस्थापिका का सालों साल निर्विरोध बिना चुनाव के मनोनयन से चयन करने का तरीका उनकी दूरगामी सोच का परिणाम है। उनकी छत्रछाया में समाज का हर व्यक्ति स्वयं को सुरक्षित महसूस करता था, क्योंकि वे सभी को अपने परिवार का भाई मानते थे। मुंबई का माहेश्वरी प्रगति मंडल उनको एक आधार स्तंभ और समाज महर्षि मानता है। माहेश्वरी महासभा में उनके कार्यों की सराहना व याद आज भी की जाती है। आज हम अंधेरी भवन के सामने वाले मार्ग को श्रीराम तापड़िया मार्ग नाम देकर उन्हें गुरु दक्षिणा आदरांजलि अर्पित कर रहे हैं।

पूर्वांचल

वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

300 लोगों के मृत्यु उपरांत नेत्रदान फॉर्म भरवाए

राष्ट्र द्वारा क्षितिजा कार्यकारिणी की बैठक नागपुर में "हाँ मैं हूँ स्वयं सिद्धा" प्रतियोगिता में द्वितीय रनरअप पुरस्कार प्राप्त कोहिनूर कैटेगिरी प्राप्त, रिपोर्टिंग प्रतियोगिता में पूर्वांचल में प्रथम स्थान प्राप्त, पतंग सजाओ प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त,विविधा दर्पण वर्तमान सामाजिक व ज्वलन्त विषयों पर वाद विवाद प्रतियोगिता में विपक्ष ग्रुप में प्रथम स्थान प्राप्त।नवद्वीप भजनाश्रम में 400 बूढ़ी माँओं को ठंड के बचाव हेतु गरम 400 शॉल एवं खाद्य सामग्री प्रदान। प्रत्येक अमावस्या को गौ सेवा करने के संकल्प में मौनी अमावस्या को गौशाला में गायों को रोटियां, गुड़ दलिया,सवामणी, बोरी हरा चारा खिलाकर गौसेवा की गई।

एक छात्रा की 6 महीने की 18000/–फीस विद्यालय में दी गई और ट्रांसपोर्ट 13200/– का रुपया दिया गया।

प्रदेश व आयोजक संस्था सिसक्का माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण एवं नेत्र ऑपरेशन का निःशुल्क कैम्प का आयोजन में करीबन 500 जरूरतमंद व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण, चश्मा वितरण एवं ऑपरेशन नागरिक सेवा संघ की टीम के सहयोग से किया गया।

ईसीजी, ब्लड ग्रुप, शुगर टेस्टिंग एल.पी. सिन्हा, आई बैंक की टीम के द्वारा करीबन 300 लोगों के मृत्यु उपरांत नेत्रदान फॉर्म भरवाए गए। 100 बच्चों के मध्य नए वस्त्र प्रदान महिलाओं को साड़िया वितरण। 1000 लोगों के अंतर्गत खिचड़ी का वितरण।

प्रदेश एवं सभी 10 जिलों के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृ शक्ति को शाल,श्रीफल,माला, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार से 78 मातृशक्ति का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त किया। एक 11 th Class जरूरतमंद छात्रा का एडमिशन फीस एवं एक महीने की फीस 25000/–दी गई। गणगौर सिंजारा उत्सव प्रोग्राम में सभी जिलों की 165 सखियों के साथ उमंगों से भरी हुई ईसर–गणगौर के आगमन व गीतों के सुरों के साथ भव्य रूप में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती गीता जी मूंदड़ा की गरिमामय उपस्थिति रही।

पूर्व कोलकाता जिला आदर्श शिक्षा निकेतन में वॉटर कूलर मशीन फिल्टर के साथ लगाया, मध्य कोलकाता जिला एक जरूरत मंद महिला के इलाज हेतु 7 हजार रुपया प्रदान, बीआईपी जिला कन्या के विवाह पर जरूरत के

सामान, गहने आदि दान में प्रदान।

बेलघरिया जिला जरूरतमंद बच्चे को 4000 रुपया फीस जमा, हावड़ा जिला 21 स्टॉल लगाकर नवरंग मेला का भव्य आयोजन, दक्षिण कोलकाता जिला 31 जरूरतमंद लोगों को मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाकर नेत्र ज्योति प्रदान, हिन्मोटर जिला गंगासागर मेले में 75 टीशर्ट जरूरतमंदों के बीच वितरण, बाली जिला बस्ती में 150 महिलाओं के मध्य साड़ी वितरण, रिसड़ा जिला 101 साड़िया जरूरतमंद महिलाओं में दी गई, नवकुवली जिला जरूरतमंद परिवार को फ्रीज, वाशिंग मशीन, टेबल पंखा, टेबल, कुर्सी प्रदान।

प्रदेश अध्यक्ष-मंजु पेड़ीवाल ० प्रदेश मंत्री-कुसुम मुंदड़ा

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

प्रादेशिक द्वितीय साधारण सभा ''स्नेहम'' का सफल आयोजन

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा विविध क्षेत्रों में अनेक सराहनीय गतिविधियाँ सम्पन्न की गईं, जिनमें सेवा, संस्कार, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। जनवरी माह की शुरुआत संगठन की द्वितीय साधारण सभा ''स्नेहम'' से हुई। साथ ही नागपुर में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में नेपाल क्लस्टर की बहनों ने सहभागिता निभाई एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में विशिष्ट प्रदर्शन कर सम्मान प्राप्त किया। वत्सम प्रोजेक्ट के अंतर्गत नेपाल के विभिन्न मंचों द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियाँ, खाद्य सामग्री एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएँ वितरित की गईं।

फरवरी माह में आध्यात्मिक क्षेत्र में उल्लेखनीय गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं। बहनों ने प्रयागराज महाकुंभ स्नान, अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि दर्शन तथा धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की। सेवा समिति द्वारा विराटनगर के कोशी अस्पताल में डस्टबिन वितरण किया गया तथा महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्कार समिति द्वारा युवतियों हेतु नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम का आयोजन कर आत्मबल एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा दिया गया।

मार्च माह में विविध रचनात्मक कार्यक्रम सम्पन्न हुए। विराटनगर में होली मिलन समारोह, टीकाकरण शिविर एवं नारी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। साहित्य समिति द्वारा कवि सम्मेलन, वाचन प्रतियोगिता एवं लेखन कार्यशाला जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन तीन महीनों में नेपाल चैप्टर की बहनों की सक्रिय भागीदारी और समर्पण से संगठन की गरिमा और प्रभावशीलता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। सभी समितियों ने अपने दायित्वों का समर्पित भाव से निर्वहन करते हुए संगठन की गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालित किया और संगठन को मजबूती प्रदान की।

अध्यक्ष-निशा माहेश्वरी ० सचिव-मल्लिका शाही

झारखण्ड बिहार माहेश्वरी महिला संगठन

सामूहिक गणगौर पूजन के लिए मंदिर के ईसर जी एवं गणगौर माता का श्रृंगार

नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय मीटिंग में झारखण्ड बिहार प्रदेश की त्रिमासिक रिपोर्ट अक्टूबर से दिसंबर में दूसरी बार कोहिनूर कैटेगरी प्राप्त। मंच में 3 मिनट में पूरे साल की रिपोर्ट में पूर्वांचल में दूसरे स्थान, मांडना प्रतियोगिता में कोलकाता मांडना को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। "घर बैठे मतदान" में शक्ति जी मालपाणी ने राष्ट्रीय स्तर में श्रेष्ठ लेख में अपनी रचना के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रदेश भ्रमण यात्रा प्रदेश के छोटानागपुर एवं कोल्हान अंचल के अलग अलग शाखा सदस्यों से प्रदेश अध्यक्ष, कार्यसमिति सदस्य, सचिव, कोषाध्यक्ष मिले सभी शाखाओं के सदस्यों से परिवार की तरह, देवघर भ्रमण पर वहाँ आहार सेवा में प्रदेश से 5000/ रुपए की सहयोग राशि प्रदान गई। स्कूल में करीब 370 पैकेट बिस्कुट, संक्रांति पर बच्चों के बीच खिचड़ी, चाय, ढोकला इसके अतिरिक्त वस्त्रदान, वनवासी आश्रम में बच्चों को भोजन, कपड़े, मच्छरदानी, मिठाई दी गई। पुर्लिया गुरुकुल में 7100/- रुपये का राशन और 4100 रुपये नकद राशि प्रदान। साईं मंदिर में श्रद्धालुओं में 1400 गिलास सत्तू पानी वितरण, मूकबधिर स्कूल में 60 बच्चों को मफलर, मौजा, सोनपापड़ी, बिस्कुट आदि दिया गया एवं दिव्यांग दिवस पर स्कूल में बच्चों का ड्राइंग और स्पोर्ट्स प्रतियोगिता आयोजन। 11 टीबी मरीजों को गोद लिया सभी को कंबल, नाश्ता, 6 महीने का राशन का सामान दिया, गोद लेने से सरकार के द्वारा प्रोत्साहन पत्र प्राप्त हुआ। 10 और 12 कक्षा में 85% लाने वाले बच्चों को सम्मानित। कालीबाड़ी, धर्मशाला में खिचड़ी, संतरा, मूढ़ी के लड्डू, दही, चूड़ा, चाय समोसे का वितरण, नववर्ष 2082 के आगमन पर बच्चों के लिए मनोरंजन खेलकूद का आयोजन, सामूहिक गणगौर पूजन के लिए मंदिर के ईसर जी एवं गणगौर माता का श्रृंगार कार्य मंदिर परिसर में सिंधारा, सर्दी में गांव में जाकर कंबल बांटे, विकास विकलांग अस्पताल में 21000 रु.और कंबल, शॉल व खाद्य सामग्री का वितरण, राजस्थान में बच्चों को 4000/- का नाश्ता वितरण, इस्कॉन मंदिर दर्शन और महाप्रसाद का आयोजन।

गौशाला में गाय के लिए तुलादान, 50 किलो गुड़, हरी सब्जी चोकर से गौसेवा, राजस्थान में पक्षियों की सवामणी के लिए रुपए भेजे गए। गणतंत्र दिवस पर संयुक्त रूप से झंडा फहराया, सरस्वती पूजा, कान्हा के संग अबीर गुलाल एवं फूलों की होली, होली मिलन एवं महिलाओं के लिए गणगौर सिंजारा का आयोजन, श्याम बाबा के निशान यात्रा में शामिल, विक्रम संवत हिंदू नव वर्ष मनाया। प्रभात फेरी निकली, अपने घर में दीप जलाए और मिठाई बनाए, नवरात्र में मां दुर्गा की आराधना। अखिल भारतीय युवा संगठन के पूर्वांचल सांस्कृतिक प्रतियोगिता में मिस माहेश्वरी श्रुति चांडक, एकल नृत्य पर में प्रथम दिशा माहेश्वरी एवं द्वितीय ज्योति राठी ने जीतकर गौरव बढ़ाया। राखी बांगड़ ने हैदराबाद में आयोजित नेशनल टेकवांडो चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल हासिल किया।

अध्यक्ष-निर्मला लड्ढा ❖ सचिव-संगीता चिरानिया

पूर्वोत्तर माहेश्वरी महिला संगठन (असम)

उतना ही लो थाली में व्यर्थ ना जाए नाली में अभियान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

मात्र 11 वर्षीय अन्वी लोहिया द्वारा कैंसर पीड़ित मित्र हेतु केश दान। **"उतना ही लो थाली में व्यर्थ ना जाए नाली में"** अभियान। पूर्वोत्तर में ब्रह्मकुमारी सिस्टर शिवानी के व्याख्यान से बहनें लाभान्वित। पूर्वोत्तर स्तरीय स्वरचित गणगौर गीतों की प्रतियोगिता। शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्वोत्तर से बच्चों ने परचम लहराया। बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक रचनात्मक प्रतियोगिताएं व खेलों का आयोजन। आवश्यक वस्तुओं का विद्यालयों में वितरण। महिला क्रिकेट एवं उम्र दराज महिलाओं के लिए खेल आयोजित। धनोपार्जन हेतु उत्कर्ष एवं गणगौर मेलों का आयोजन। नारी तेरे रूप अनेक कार्यक्रम एवं उत्थान हेतु काव्य गोष्ठी व अंताक्षरी आयोजित। वरिष्ठ महिलाओं का एवं निवर्तमान पदाधिकारियों का सम्मान। शिव पार्वती पर आधारित रोचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता। सभी पर्व एवं त्यौहार विभिन्न दान पुण्य, पूजापाठ, अनुष्ठान, सवामणी, छप्पनभोग, शोभायात्राएं, सुंदरकांड, भजन कीर्तन, शिव अभिषेक, फूलों की होली, गणगौर सिंझारे, विभिन्न प्रतियोगिताओं व खेलों के साथ धूमधाम से संपन्न। गणतंत्र दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन। सहभोज एवं पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित। संगठन आपके द्वार अभियान। गौशालाओं में गुड़ पापड़, हरा घास, स्वयंसेवियों एवं कार्यकर्ताओं को खाद्य सामग्री। बुजुर्गों एवं बच्चों के अनाथालयों में आवश्यक वस्तुएं वितरित। 500 व्यक्तियों में खिचड़ी वितरण। सामाजिक विषय का प्रचार प्रसार एवं शुभकामना तथा मरणोपरांत संवेदना संदेश प्रेषित। जूम कार्यशालाओं में सहभागिता एवं स्थानीय बैठकें आयोजित। जरूरतमंद सुकन्या को गृहस्थी व विवाह उपयोगी सामग्री उपलब्ध।

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

किशोरियों में सर्वाइकल कैंसर की जागरूकता फैलाई, सेनेटरी पैड व डस्टबिन का वितरण

अर्थ सिद्धा- जूम पर दो मीटिंग, 40 और 37 सदस्यों की उपस्थिति। संपादक के द्वारा संगठन को ट्रस्ट संबंधित जानकारी।

संस्कार सिद्धा–शिव स्तुति पठन, बाल वर्ग के साथ होली उत्सव, प्रकृति के महत्व, हिंदी पंचांग, नव वर्ष की चर्चा। किशोरियों में सर्वाइकल कैंसर की जागरूकता, सेनेटरी पैड, डस्टबिन वितरण।

ज्ञान सिद्धा–राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़ाव व प्रसार, राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता हेतु तीन चयनित प्रविष्टियां भेजी गईं। संस्कृति सिद्धा सरस्वती पूजा, सुंदरकांड, होली,

गणगौर, भजन कीर्तन, पूजा अर्चना, लड्डूमा ग्रुप के सहयोग से पुरुलिया में धोरा री धमाल में आर्थिक सहयोग। श्री नरेश जी अग्रवाल श्रीमती संगीता प्रदीप जी राठी का मधुकुल गीत सिद्धा –मालदा शाखा होली के रंग बॉलीवुड के संग शाखाओं द्वारा मिलन समारोह।

संकल्प सिद्धा– 700 लोगों को भोजन , इलाज के लिए आर्थिक सहयोग। संचार सिद्धा– हर हफ्ते की टिप्स व विविधा का प्रचार प्रसार साइबर क्राइम से कैसे बचें कार्यक्रम होली गत एवं शाखाओं के कार्यक्रम के प्रोफाइल बनाए गए।

युगल सिद्धा–38 बायोडाटा आदान–प्रदान 50 अभिभावकों से बातचीत 16 युगल जोड़ी को उपहार। प्री वेडिंग शूट अब नहीं पर वीडियो बनाकर प्रेषित किया।

संजीवन सिद्धा–नेत्र दान 5 फॉर्म। 15 लोगों को फ्रीमियम ऐप प्रदान किये व रक्त दान शिविर का आयोजन।

प्र.अध्यक्ष–रेखा लखोटिया ❀ प्र. सचिव–सुधा कल्याणी

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

लड्डू गोपाल के साथ फाग उत्सव मनाया, ईशर गणगौर का विवाह रचाया

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन (उड़ीसा) राष्ट्रीय बैठक शिलिजा में 15 बहनों की उपस्थिति रही। आंचलिक प्रतियोगिता **''त्योहारों रो रंग मीठी मारवाड़ी रे रंग''** में प्रदेश की सहभागिता। **''हां मैं हूं स्वयं सिद्धा''** में तृप्ति कोठारी भुवनेश्वर ने विजनरी लीडर का अवार्ड जीता। विविधा दर्पण में रुचि शाखा संबलपुर ने भाग लिया व विजेता रही। त्रैमासिक रिपोर्ट मूल्यांकन में शालीमार पिटेंसरी प्राप्त हुई।

संस्कार सिद्धा समिति की संयोजिका कमला पारीक द्वारा प्रतियोगिता मां सरस्वती का चित्र बनाते हुए वीडियो भेजें व चार पंक्तियों का स्लोगन लिखो आयोजित की गई।

प्रथम– संगीता सोमानी, मलकानगिरी. द्वितीय–चहल चैतन्य मूंदड़ा,झारसुगुडा. तृतीय –उर्मिला मूंदड़ा, अंगुल. सांत्वना–कविता पारीक,कटक सभी विजेताओं को मोमेंटो पुरस्कार दिया गया।

बरगढ़– समिति की सभी बहनों ने बस्ती में हेलीकाप्टर बच्चों को पेन और कॉपी दिए।

संबलपुर– महिला दिवस पर बिजनेस वूमन का सम्मान व घरेलू कामकाज वाली महिलाओं को उपहार दिया।थीम होटल में ईशर गणगौर की झांकी व डांस,ड्रामा व गेम्स के साथ डांस की गौर प्रतियोगिता रखी।

संबलपुर, ब्रजराजनगर, झारसुगुडा, राउरकेला, भुवनेश्वर, बरगढ़, बड़बिल, केंदुझर, अठगढ़, जाजपुर, पदमपुर, बालेश्वर, ढेंकानाल, मयूरभंज, ब्रह्मपुर, मलकानगिरी सभी स्थानों पर होली, गणगौर, सिंजारा, सुंदरकांड का पाठ इत्यादि कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाये।

अध्यक्ष –अस्मिता मूंदड़ा ❀ सचिव –सची डागा

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है। जीवन में कोई क्षति होने पर, डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले घर में क्या करें, जिससे जीवन बच जाए और चोट का नासूर ना बने। छोटी-छोटी बातों का ख्याल रख कर हम सभी यह कर सकते हैं। इसके बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं। प्रस्तुत है कुछ जीवन उपयोगी टिप्स...

-कुसुम सोमाणीवाल

चोट

हाथ साफ धोएँ और उस चोट की जगह पर प्रेशर डालें जिससे कि खून बहना बंद हो। आप चाहे तो हाथ में एक साफ कपड़ा लेकर भी प्रेशर डाल सकते हैं। अगर घाव गहरा है तो टाँके लगवाने से ना घबराए। टिटनेस का इंजेक्शन लगवाएं। यदि कोई लक्षण या बुखार आता है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं और एंटीबायोटिक लें। घाव नॉर्मल है, तो उसे डेटॉल से साफ करके बीटाडाइन लोशन लगाएं और फिर उसे गौज पट्टी से ढकें। अगर आप चाहते हैं कि दाग ना पड़े तो घाव को बराबर ट्यूब लगा कर रखें। जब घाव सूखने का समय आए तो घाव को खुला रखें और उस पर बीटाडाईन पाउडर लगा कर रखें हर 2 दिन में घाव को साफ करते रहे। टिटनेस का इंजेक्शन लगवाएं।

नाक से खून का बहना

सिर को हल्का सा आगे की तरफ झुका लें। नाक को पकड़कर बंद करें और इंसान को मुंह से सांस लेने के लिए कहें। कुछ देर में खून बंद हो जाएगा सिर पर गीला कपड़ा रखें।

स्प्लिन्टर

यदि कोई लकड़ी का टुकड़ा या कांच का टुकड़ा, लोहे का टुकड़ा शरीर में घुस गया है तो ट्वीजर या plucker चिमटी से लेकर उसे निकालें। ध्यान रहे उसे आग पर गर्म करें या अल्कोहल में डालकर साफ करें और फिर अंदर घुसी हुई वस्तु को बाहर खींचे। उसी तरह से बाहर खींचे जिस तरह से कि वापस बाहर आने में और चमड़ी को नुकसान ना पहुंचे। जैसे घाव को ट्रीट करते हैं वैसे ही इस पर काम करें। जरूरत हो तो डॉक्टर से टाँके लगवाएं।

जानवर का काटना

सबसे पहले खून रोकने के लिए पट्टी से उस जगह पर दबाव डालें। उसके बाद घाव को साबुन व पानी से धो कर साफ करें। फिर एक पट्टी लगाएं और तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। कुत्ते ने काटा या नोचा है तो उसका विवरण डॉक्टर को बताएँ।

मधुमक्खी का काटना

डंक को निकालकर जगह को साबुन और पानी लगा कर साफ करें। बेकिंग सोडा पानी में घोलकर उसी जगह पर लगाते हैं। कैलेमाइन लोशन लगाएं। मकड़ी ने काटा तो आइस पैक लगाएं और ठंडे पानी से धोएं।

सनबर्न या धूप से जलना

पानी में भीगा हुआ कपड़ा लगाएं। पानी से नहाएं या जली हुई जगह पर पानी डालें। फिर थपथपा कर चमड़ी को सुखाएं। अगर ज्यादा जला है तो आइबुप्रोफेन लें। ज्यादा पानी पिएं।

निश्छल सी मुस्कान मेरे होठों को सजाने लगी

क्या आपने स्वयं से स्वयं को कभी अलग होने का अनुभव किया है
क्या आपने कभी इस अलौकिक आह्लादकारी पल को जिया है
कब बेटी, बहन, बहू, भाभी, मौसी बुआ से होकर माँ के सफर तक पहुंच गई
पर स्वयं के अस्तित्व से परिचय कराने में असफल रही
जिम्मेदारियों के बीच खुद को ढूंढने का प्रयास करती रही
पर समयाभाव में, मैं कौन हूं, क्या हूं, मेरा क्या उद्देश्य है, नहीं सोच पाई
कभी कुकर की सीटी, कभी बच्चे के रोने, कभी बाई को काम समझाने में,
निकलता रहा यूं ही सारा समय
सबको और घर को संवारने में
फिर सोचा कि ताजी हवा में मैं भी तो गहरी सांस लेकर देखूं,
सब बातों से दो पल खुद को हटा कर तो देखूं
अरे ये क्या, मुझे तो खुल कर सांस आने लगी
निश्छल सी मुस्कान मेरे होठों को सजाने लगी
अब तक निकालना असंभव सा लगता था
मेरे बिना कोई काम बिगड़ न जाये, डर सा लगता था
पर असम्भव तो कुछ भी नहीं
न ही मुश्किल है खुद से बात करना
बस जरूरी है थोड़ी देर को दिमाग से सब कुछ झटक देना
न, न, जिम्मेदारियां पूरी तरह से निभानी हैं
पर अपने पास भी तो यही एक जिंदगानी है
इसलिए थोड़ा संवर लो, आईने से बात – चीत कर लो,
सहेलियों से मिल लो
जीवन में नये अनुभव का एहसास होगा
मन दुगुनी ऊर्जा से भरपूर होगा
जो, जिम्मेदारियों को निभाने के लिए बहुत जरूरी है,
वरना तो, जीवन जीना भी एक मजबूरी है
परिस्थितियाँ कैसी भी हों, चुनौतियाँ कितनी भी हों, यही तो जीवन का दूसरा नाम है
इनसे भागकर तो भला किसका बना काम है
तो आज से, अभी से खुश रहने के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना है,
बस समय मिलते ही खुद को ताजी हवा में छोड़ देना है,
और फिर बादल की तरह उड़ेंगे हम
सूरज की तरह चमकती हमारी हंसी
एक नए कलेवर में होंगे हम
और नई होगी हमारी छवि

मंजू हरकुट, मेरठ, संयुक्त सचिव उत्तरांचल

खनक माहेश्वरी

शास्त्रीय नृत्य केवल कला नहीं एक साधना है। जो अनुशासन और अपार समर्पण की मांग करता है और ऐसी ही कठिन राह चुनी है–खनक माहेश्वरी (सुपुत्री श्रीमती अवनीजी–नरेशजी माहेश्वरी (अध्यक्षा मणिनगर माहे. महिला संगठन, अहमदाबाद) ने। चैत्र नवरात्रि के पवित्र प्रथम दिन पर इस अपार साधना की फलश्रुति के रूप में बिटिया का आरंगेत्रम 30 मार्च 25 को टैगोर हॉल में रखा गया था। शालेय पूजा गुजरात गौरव पुरस्कृत खनक की गुरुमा कुमारी शीतल मकवाना द्वारा की गई। तत्पश्चात खनक ने विभिन्न पारंपरिक नृत्य रचनाओं का प्रदर्शन किया। प्रत्येक रचना में उन्होंने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति का निदर्शन दिया। मध्यांचल राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री ने अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से खनक और उनके परिवार को हार्दिक बधाई दी

गौरव के पल

अतुल लड्ढा ने हिमालय मालय की आइलैंड पीक की कठिनतम चढ़ाई चढ़ी

अपनी माताजी स्व. श्रीमती मनोरमाजी लढ्ढा को समर्पित

अतुल लढ्ढा: 59 की उम्र में सीमाओं की पुनर्परिभाषा – साहस, जुनून और उद्देश्य की एक यात्रा – जो उन्होंने अपनी माताजी स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा लढ्ढा को समर्पित की है। एक ऐसी समाज में जहाँ उम्र को अक्सर सीमाओं से जोड़ा जाता है, अतुल लढ्ढा इस सोच को चुनौती दे रहे हैं– एक शिखर दर शिखर। 59 वर्ष की उम्र में भी अतुल लढ्ढा धीमे नहीं पड़ रहे; बल्कि वे और ऊँचाई की ओर बढ़ रहे हैं–शाब्दिक रूप से भी। सिर्फ एक साल में, इस अनुभवी उद्यमी ने दुनिया की कुछ सबसे कठिन चोटियों को फतह कर यह साबित कर दिया कि जुनून और दृढ़ता किसी भी सीमा से बड़ी होती है।

Vectus Polymers Private Limited के एक सफल व्यवसायी अतुल लढ्ढा को कोविड–19 महामारी के दौरान जीवन में एक नया उद्देश्य मिला। यह यात्रा एक व्यक्तिगत फिटनेस और मानसिक मजबूती बनाए रखने के इरादे से शुरू हुई थी, लेकिन जल्द ही यह पर्वतारोहण के प्रति एक अटूट प्रेम में बदल गई। जब दुनिया असमंजस में थी, तब उन्होंने पहाड़ों की शांत और भव्य प्रकृति में स्पष्टता पाई।

उनकी सबसे हालिया उपलब्धि 2025 में हिमालय की आइलैंड पीक (6,165 मीटर) की कठिनतम चढ़ाई थी। यह एक ऐसी टेक्निकल चढ़ाई थी जिसमें हर चीज की मांग थी – सहनशक्ति, तकनीकी कौशल और दृढ़ इच्छाशक्ति। खतरनाक ग्लेशियरों को पार करना हो या उच्च ऊंचाई पर कठोर परिस्थितियों का सामना करना, या रस्सी का सहारा लेकर पहाड़ पर आगे चढ़ना हो – अतुल लढ्ढा ने कभी हार नहीं मानी। उनका हर कदम दशकों की अनुशासन, आत्मबल और न हार मानने वाले रवैये का प्रतीक था।

2024 में, अतुल लढ्ढा ने पर्वतारोहण की शुरुआत एवरेस्ट बेस कैंप (5364 मीटर) से की, जिसके बाद उन्होंने अफ्रीका की सबसे ऊँची चोटी किलिमंजारो (5,895 मीटर) पर चढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने नेपाल की लांगटांग वैली में स्थित अर्ध-तकनीकी चोटी यला पीक (5,600 मीटर) को फतह किया, जिससे उन्हें पर्वतारोहण का एक अलग स्तर अनुभव करने का अवसर मिला।

अतुल लढ्ढा की कहानी सिर्फ पर्वतारोहण की नहीं है। यह कहानी है आराम की जगह विकास को चुनने की, जड़ता की जगह चुनौती को अपनाने की, और अनुमानित जीवन की जगह एक उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की। वे इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं है – बल्कि ऊँचाई तक पहुँचने का एक और अवसर है।

उनकी यह यात्रा हम सभी को प्रेरणा देती है बड़ा सपना देखने की, ऊँचाई तक चढ़ने की, और कभी भी अपने सपनों को उम्र के साथ सीमित न करने की। जैसे-जैसे अतुल लढ्ढा जीवन और पहाड़ों दोनों में चढ़ाई करते जा रहे हैं, दुनिया उन्हें सम्मान और प्रेरणा की नजरों से देख रही है – यह जानते हुए कि अगला शिखर अब बस एक कदम दूर है।

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

आपको और आपके समस्त परिवार को महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ

सौ. [illegible]

सौ. कौशल्या [illegible]

सौ. निर्मला [illegible]

सौ. उषा सोमाणी

सौ. वंदना [illegible]

सौ. राजश्री जाजू

सौ. अंजना [illegible]

सौ. नीता लाहोटी

सौ. सुधा काबरा

सौ. [illegible] राठी

सौ. वंदना [illegible]

सौ. शोभा [illegible]

सौ. श्वेता जाजू

सौ. हितेषा राठी

सौ. [illegible]

सौ. सुनीता राठी

सौ. प्रतिभा [illegible]

सौ. [illegible]

सौ. [illegible]

सौ. [illegible]

सौ. उर्मिला [illegible]

सौ. अंजली [illegible]

सौ. शिल्पी सोमाणी

सौ. [illegible] सोमाणी

श्री [illegible]

सौ. पायल राठी

सौ. [illegible]

सौ. [illegible]

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

श्रीमती मंजुश्री काबरा
अध्यक्ष

माहेश्वरी समाज के वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी के पावन पर्व की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती कांता मोदानी
सचिव

श्रीमती विमलाजी साबू
स. पूर्वाध्यक्ष

श्रीमती उर्मिला कालंत्री
स.उपा. (मध्यांचल)

श्रीमती [illegible]
रा.प्रभारी (विकास समि.)

श्रीमती उमा जाजू
निवृतमान अध्यक्ष

श्रीमती चंद्रप्रभा मूंदड़ा
उपाध्यक्ष

श्रीमती सरला साबू
संगठन मंत्री

श्रीमती सुशीला माहेश्वरी
उपाध्यक्ष

श्रीमती प्रतिभा सोमानी
उपाध्यक्ष

श्रीमती सरस्वती साबू
उपाध्यक्ष

डॉ. सीमा मूंदड़ा
उपाध्यक्ष

श्रीमती मंजुश्री [illegible]
सहसचिव

श्रीमती ज्योति सोनी
सहसचिव

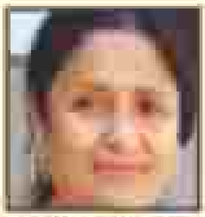

श्रीमती भारती [illegible]
सहसचिव

श्रीमती कविता मोदानी
सहसचिव

श्रीमती संगीता चांडक
प्रचार प्रसार मंत्री

पत्रिका पंजीयन क्र. /2001/6506
दिनांक 29/04/2002
पोस्टल पंजीयन क्र. 536

सेवा में

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, [illegible] रोड
इन्दौर (म.प्र.) मो. [illegible]

प्रकाशक एवं संपादक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 [illegible] रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं [illegible] आर्ट प्रिंटर्स, [illegible] इन्दौर 2434147 से मुद्रित।